हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● मंगलवार ● 02.09.2025 ● वर्ष : 16 ● अंक : 42 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

मोदी-पुतिन-जिनपिंग की बातचीत ने एससीओ बैठक को दिया नया आयाम

एजेंसी

नई दिल्ली : चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच अनौपचारिक बातचीत और हल्के-फुल्के हास-परिहास की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की गयी हैं। इन तस्वीरों में तीनों नेताओं को सहज माहौल में बातचीत करते देखा जा सकता है। सम्मेलन के औपचारिक सत्रों से इतर यह दृश्य इस बात का संकेत माना जा रहा है कि वैश्विक और क्षेत्रीय चुनौतियों के बीच शीर्ष नेतृत्व आपसी समझ और संवाद को महत्व दे रहा है। मोदी और पुतिन ने एससीओ शिखर सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय बैठक भी की। इस बैठक में भाग लेने के लिए दोनों नेता एक ही कार में पहुंचे। मोदी ने एक्स पर एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'एससीओ शिखर सम्मेलन स्थल पर कार्यवाही के बाद राष्ट्रपति पुतिन और मैं द्विपक्षीय बैठक स्थल पर साथ-साथ गए। उनके साथ बातचीत हमेशा ज्ञानवर्धक होती है।' कूटनीतिक हलकों में इन तस्वीरों को सकारात्मक संदेश देने वाला बताया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की सहज बातचीत न केवल बहुपक्षीय मंचों की उपयोगिता को रेखांकित करती है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि मतभेदों के बावजूद संवाद और सहयोग की संभावनाएं हमेशा बनी रहती हैं। सरकारी सूत्रों के अनुसार, शिखर सम्मेलन में क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और वैश्विक विकास के मुद्दों पर गंभीर चर्चा के साथ-साथ नेताओं के बीच यह अनौपचारिक जुड़ाव भी एक महत्वपूर्ण संकेत है कि सहयोग की राह में मानवीय और व्यक्तिगत रिश्तों की भूमिका भी अहम होती है।

कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी भारत और रूस कंधे से कंधा मिलाकर चले : मोदी

नई दिल्ली : चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मुलाकात की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और रूस कठिन से कठिन परिस्थितियों में हमेशा कंधे से कंधे मिलाकर चले हैं। दोनों नेताओं ने यूक्रेन संघर्ष और वैश्विक परिस्थितियों पर चर्चा की तथा ऊर्जा, वित्त और आर्थिक क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर भारत-रूस संबंधों की गहराई और व्यापकता का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी दोनों देश हमेशा एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हैं। यह करीबी सहयोग न केवल दोनों देशों के लिए, बल्कि वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए भी महत्वपूर्ण है। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए अपने समर्थन की पुष्टि की। विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों नेताओं ने इस अवसर पर द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। विशेष रूप से, यूक्रेन में जारी संघर्ष और उससे जुड़े नवीनतम घटनाक्रमों पर भी गंभीर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति से कहा, यूक्रेन में चल रहे संघर्ष के विषय में हम लगातार चर्चा करते रहे हैं। हाल में किए गए शांति के सभी प्रयासों का हम स्वागत करते हैं। हम आशा करते हैं कि सभी पक्ष सकारात्मक ढंग से आगे बढ़ेंगे। संघर्ष को जल्द से जल्द खत्म करने और स्थाई शांति स्थापित करने का रास्ता खोजना होगा। यह पूरी मानवता की पुकार है। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने आर्थिक, वित्तीय और ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की। उन्होंने इन क्षेत्रों में निरंतर प्रगति पर संतोष व्यक्त किया और आगे भी साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की प्रतिबद्धता जताई। दोनों पक्षों ने विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की आवश्यकता को दोहराया।

भाजपा मतदाता सूची से छीन रही है जनता का अधिकार : हेमन्त सोरेन

एजेंसी

पटना : वोटर अधिकार यात्रा में हेमन्त सोरेन का भाजपा पर तीखा हमला बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची को लेकर छिड़ी राजनीतिक जंग तेज हो गई है। सोमवार को पटना में कांग्रेस और राजद की ओर से आयोजित 'वोटर अधिकार यात्रा' के समापन कार्यक्रम में झारखंड के मुख्यमंत्री और झामुमो सुप्रीमो हेमन्त सोरेन ने केंद्र की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हमारा वोट संविधान की रक्षा करता है, लेकिन भाजपा मतदाता सूची में हेरफेर कर लोगों के अधिकार छीन रही है। सोरेन ने आरोप लगाया कि विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर मतदाता सूची भाजपा की मर्जी के अनुसार तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र के मूल ढांचे से खिलवाड़ है। मतदान का अधिकार जनता का सबसे बड़ा हथियार है, लेकिन भाजपा इसे छीनकर तानाशाही थोपना चाहती है।अपने भाषण में हेमंत सोरेन ने भाजपा पर न सिर्फ वोट चोरी का आरोप लगाया, बल्कि कहा कि भाजपा विपक्षी सरकारों को गिराने के लिए ईडी, सीबीआई जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा, आज भाजपा विधायकों की खरीद-फरोख्त करके लोकतंत्र को बंधक बना रही है। यह सिर्फ सत्ता में बने रहने की राजनीति है, जो देश और संविधान दोनों के लिए खतरनाक है। पटना रैली में हेमंत सोरेन ने विपक्षी गठबंधन इंडिया से भी अपील की कि वे भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर लड़ें। उन्होंने कहा कि भाजपा की फूट डालो और राज करो की नीति को हराने के लिए विपक्ष को मजबूत होकर मैदान में उतरना होगा। झामुमो प्रमुख ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि वोट सिर्फ सरकार चुनने का माध्यम नहीं है, बल्कि संविधान की रक्षा का सबसे बड़ा औजार है। उन्होंने कहा, आज जब लोकतंत्र खतरे में है, तब जनता को समझना होगा कि उनका एक वोट संविधान और उनके अधिकारों को बचा सकता है।

मुख्यमंत्री ने लालू यादव से की मुलाकात

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन सोमवार को पटना स्थित राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की वरिष्ठ नेता एवं बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास पहुंचे। वहां उन्होंने राजद के अध्यक्ष एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव से भेंट की। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने इस अवसर पर लालू प्रसाद यादव का हालचाल जाना और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच देश की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों, सामाजिक-आर्थिक हालात तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने जैसे विषय पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री हेमन्त ने कहा कि लालू यादव एक संघर्षशील नेता हैं, जिन्होंने हमेशा गरीबों, पिछड़ों और वंचित समाज के अधिकारों की लड़ाई लड़ी है। उनके अनुभव और मार्गदर्शन से देश के लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की राजनीति को मजबूती मिलती रही है।

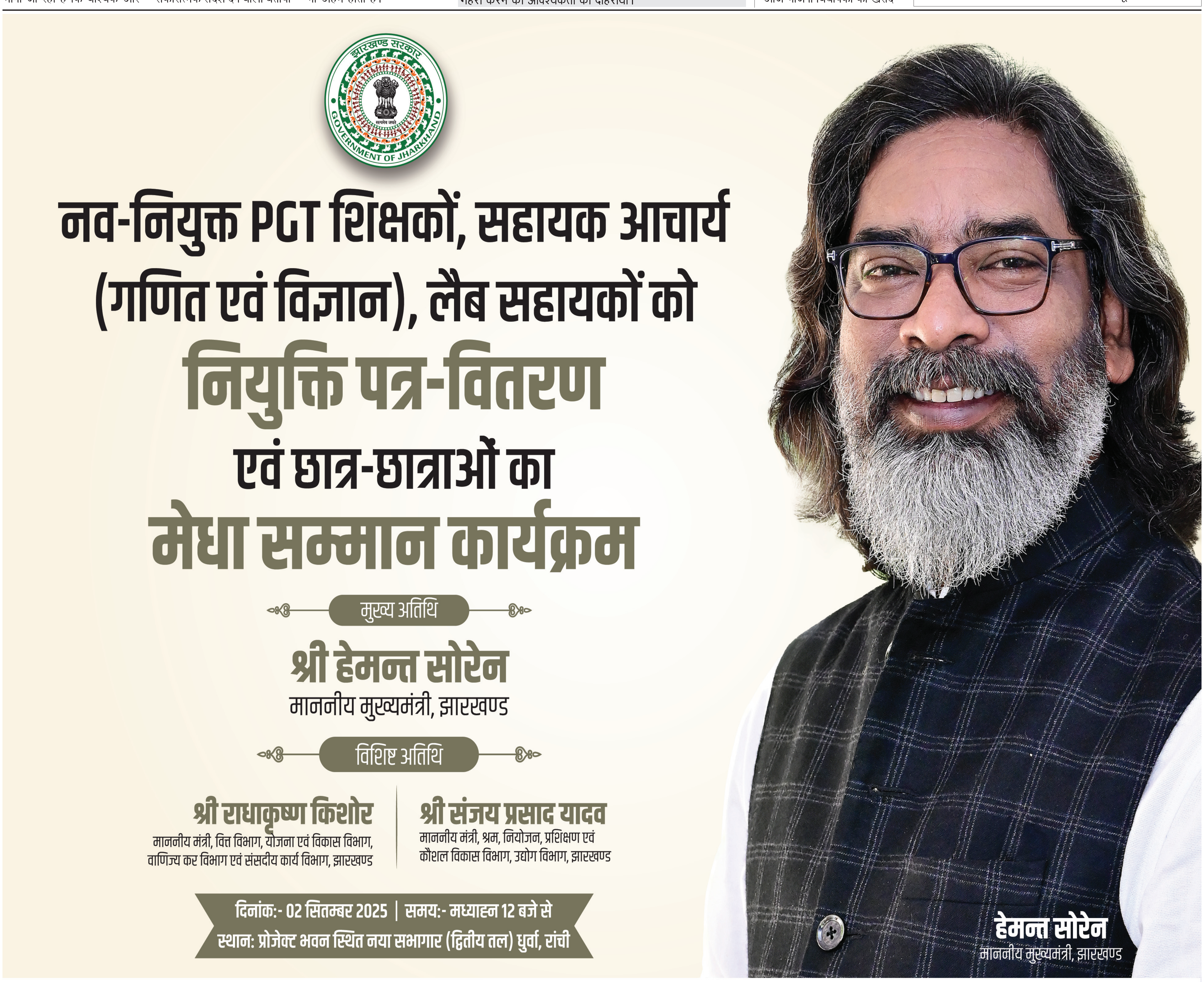

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

PR- 361022 (IPRD) 25-26

उत्क्रमित मध्य विद्यालय हरिजन करमा में 28 छात्र-छात्राओं को साइकिल का वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय हरिजन करमा में सोमवार को साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर करमा पंचायत की मुखिया देवंती देवी एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों ने संयुक्त रूप से छात्र-छात्राओं को साइकिल प्रदान की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रधानाध्यापक सुरेंद्र कुमार दास ने बताया कि सत्र 2025-26 में कक्षा आठ में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के कुल 28 छात्र-छात्राओं को सरकार की ओर से साइकिल उपलब्ध कराई गई है। मुखिया देवंती देवी ने कहा कि समय पर साइकिल मिलने से बच्चों को विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी। इससे उनकी उपस्थिति में सुधार होगा और शिक्षा के प्रति रुचि भी बढ़ेगी। उन्होंने सरकार की इस पहल की सराहना की। प्रधानाध्यापक ने बताया कि यह पहला अवसर है जब सत्र की शुरूआत में ही विद्यार्थियों को साइकिल मिल गई है। इससे बच्चों में उत्साह है और विद्यालय में उपस्थिति भी बेहतर होगी। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नरेश भुईयां, सदस्य राजेंद्र कुमार गुप्ता, मुकेश कुमार यादव, शिक्षक उपेन्द्र कुमार वर्मा, अमित कुमार, रामदास राम, शिक्षिका बिन्दुल देवी, सतीश कुमार, गौतम कुमार सहित बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित थे।

जनप्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों के बीच साइकिल का किया वितरण

बड़कागांव : आंगो पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय झीकझोर में झारखंड सरकार के द्वारा प्राप्त विद्यार्थियों के बीच जनप्रतिनिधियों के द्वारा साइकिल वितरण किया गया। कार्यक्रम कीअध्यक्षता पंचायत के मुखिया नीलम मिंज ने किया एवं संचालन प्रधानाध्यापक राम सेवक रविदास ने किया विद्यालय में मुख्य समस्याएं एक सरकारी शिक्षक एक सहायक शिक्षक हैं। सोहन कुमार की सरकारी शिक्षक में नियुक्ति हुई है। और वह दूसरे जगह चले जाएंगे। जिससे विद्यालय में सिर्फ एक ही शिक्षक रह जाएंगे, जो बच्चों की पढ़ाई लिखाई में काफी कठिनाई होगी। जनप्रतिनिधियों ने शिक्षक नियुक्ति एवं अधूरा भवन सुंदरीकरण, चाहरदीवारी, पेयजल व्यवस्था की मांग की है। मौके पर सांसद सह प्रतिनिधि कृष्ण राम सरिता देवी, गीता देवी एवं अभिभावक गण उपस्थित थे ।

एक नजर

उमवि बारहीडीह के 96 छात्र-छात्राओं को मिला साइकिल

बरही : सोमवार को प्लस टू उच्च विद्यालय बरही में कार्यक्रम आयोजित कर साइकिल वितरण किया गया। इसमें उत्क्रमित मध्य विद्यालय बरहीडीह में अध्ययनरत वर्ग अष्टम के 96 छात्र-छात्राओं को साइकिल दी गई। कार्यक्रम में बरही पश्चिमी के मुखिया शमशेर आलम, प्रधानाध्यापक रविंद्र कुमार अग्रवाल, प्रबंधन समिति अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह एवं शिक्षक अजय कुमार ने संयुक्त रूप से वितरण किया। मुखिया शमशेर आलम ने कहा कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना और दूरदराज से आने-जाने में सुविधा प्रदान करना है। साइकिल पाकर बच्चों में खुशी का माहौल दिखा। मौके पर कंप्यूटर शिक्षक मुकेश कुमार समेत कई छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

पेंशनर सह समाजसेवी उपेंद्र प्रसाद का निधन शोक की लहर

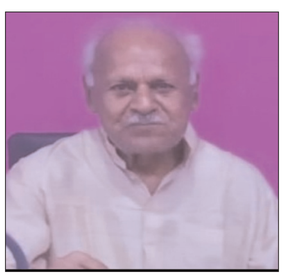

बरही : बरही न्यू कॉलोनी निवासी वरिष्ठ पेंशनर एवं झारखंड राज्य पेंशनर समाज के संरक्षक उपेन्द्र प्रसाद का निधन इलाज के दौरान रांची में हो गई। वे 80 वर्ष के थे। बरही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से हेड क्लर्क पद से सेवानिवृत हुए थे। बताया जा रहा है कि दो दिन पहले अचानक उन्हें सीने में दर्द की शिकायत हुई। उसे पहले रांची उसके बाद बेहतर इलाज के लिए दिल्ली ले जाया गया। लेकिन इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। उपेन्द्र प्रसाद सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया करते थे। पेंशनरों के कल्याण के लिए कई कार्य किए थे। उनके निधन पर बरही अनुमंडलीय अस्पताल डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी, एस एस एम टी के अध्यक्ष डॉ संगीता चौधरी, सुमेधा ज्ञानी , झारखंड पेंशनर कल्याण समाज बरही के अध्यक्ष ईशों सिंह, सचिव महेंद्र दुबे, कामेश्वर सिंह, झारखंड राज्य पेंशनर समाज के अध्यक्ष राजेंद्र रुखरियार, सचिव तोखन प्रजापति, कृष्णा गुप्ता, कैलाशपति सिंह, कैलाश केशरी रामचंद्र पांडे, संजय दुबे, एनसीपी नेता महेश ठाकुर, बिपिन पांडेय, प्रो डॉक्टर सुनील कुमार दत्त, प्रो हीरामन साहू, श्याम मोहन शर्मा, सोनू पंडित, मो उस्मान , इकबाल रजा आदि ने शोक संवेदना प्रकट किया है।

अपर समाहर्ता की अध्यक्षता में हुई केटेगरी-2 बालूघाटों की ई-नीलामी से पूर्व प्री-बिड बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : सोमवार को अपर समाहर्ता रामगढ़ कुमारी गीतांजली की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में रामगढ़ जिला अंतर्गत केटेगरी-2 बालूघाटों के समूह की ई-नीलामी से पूर्व प्री-बिड बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान सर्वप्रथम जिला खनन पदाधिकारी निशांत अभिषेक ने उपस्थित सभी को पी०पी०टी० के माध्यम से बालूघाटों के समूह की ई-नीलामी के पंजीयन की प्रक्रिया, पात्रता, निविदा देने की प्रक्रिया, ई-ऑक्शन की प्रक्रिया, तकनीकी निविदा के लिए आवश्यक कागजात, बालूघाटों की आवंटन की प्रक्रिया एवं सफल निविदादाता का चयन, सफल निविदादाता के चयन के बाद कि औपचारिकताएं, वैधानिक अनापत्ति, आवंटन विलेख/पट्टा संविदा(डीड) निष्पादन करना, बालू खनन की अनुमति, भुगतान की शर्तें एवं बालू का विक्रय मूल्य आदि के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। तत्पश्चात अपर समाहर्ता रामगढ़ कुमारी गीतांजली ने एक-एक कर उपस्थित सभी निविदादाताओं को निविदा करने में आ रही सममस्याओ का समाधान किया एवं कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिला कोषागार पदाधिकारी, सहायक सूचना विज्ञान पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

करमा और मिलादुन्नबी को लेकर थाना परिसर में दोनों समुदाय के बीच हुई शांति समिति की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड में करमा त्यौहार एवं मिलादुन्नबी को लेकर थाना परिसर में दोनों समुदाय के बीच शांति समिति की बैठक की गई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल एवं संचालन बड़कागांव मध्य पंचायत के पंचायत समिति सदस्य सह समाजसेवी रितेश ठाकुर ने किया। बैठक में दोनों समुदाय के लोगों ने अपने-अपने त्यौहार को लेकर बारी-बारी से बातों को रखा और शांतिपूर्वक त्यौहार को मनाने का भरोसा दिलाया। बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल ने कहा कि बड़का गांव दोनों समुदाय सौहार्द के साथ त्यौहार मनाने के लिए जाना जाता है सभी मिलजुलकर शांतिपूर्वक त्योहार को मनाए। बड़कागांव थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता ने लोगों को अगाह करते हुए सलाह दिया की करमा त्योहार की रोज करमा डाली विसर्जन के दौरान किसी भी हालत में नदी या तालाब के गहरे पानी में लोग नहीं जाए ,क्योंकि कई बार गहरे पानी में जाने के कारण दुर्घटनाएं घट जाती है और त्योहार बेरंग हो जाता है। थाना इंस्पेक्टर ललित कुमार ने दोनों समुदाय को अफवाहों से दूर रहने की विशेष सलाह दी गई है। आगे कहा कि जो भी शरारती तत्व सोशल मीडिया या अन्य किसी भी तरह से त्योहार को खराब करने का प्रयास करेंगे तों उन पर कानूनी कार्रवाई करते हुए जेल भेजा जाएगा । बड़कागांव पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने कहा कि दोनों समुदाय अपना अपना त्यौहार को शांतिपूर्वक धूमधाम से मनाये किसी को शिकायत का मौका नहीं दें।

बरही में नगर केसरवानी वैश्य सभा ने धूम धाम से मनाई गई महर्षि कश्यप जयंती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : ऋषि पंचमी के अवसर पर नगर केसरवानी वैश्य सभा बरही के द्वारा गोत्रचार्य महर्षि कश्यप मुनि जी का जयंती नगर केसरवानी वैश्य सभा बरही के अध्यक्ष विनोद केशरी जी के अध्यक्षता में उनके तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पित कर व प्रसाद वितरण कर मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय केसरवानी वैश्य महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री भगवान केशरी जी के द्वारा सभी मौजूद लोगों के बीच महर्षि कश्यप जी के जीवन परिचय कराया गया। उसके पश्चात कई वक्ताओं ने भी उनका जीवन परिचय दिया तथा समाज को उनके दिखाए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व नगर अध्यक्ष बलराम केसरी, नगर संगठन मंत्री शंकर केसरी, नगर सहसचिव आशीष केसरी, तरुण सभा अध्यक्ष रंजीत केसरी, तरुण सभा महामंत्री जयराम केसरी, गया रोड पंचायत प्रमुख राजेश केशरी (शिक्षक), राजेश केशरी, उत्तम केसरी, संतोष केसरी, गौतम केसरी, जयंत केसरी, सिकंदर केसरी, नारायण केसरी, राजेंद्र केसरी, संदीप केसरी, हंसराज केसरी, लोकनाथ केसरी आदि कई लोग शामिल थे।

रेलवे निर्माण कार्य में बाल मजदूरी कराने का मामला आया, प्रशासन की खुली पोल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चलकुशा : धनबाद-कोडरमा रेलखंड के बीच चौबे रेलवे स्टेशन पर चल रहे ट्रैक निर्माण कार्य में संवेदक की ओर से खुलेआम बाल मजदूरी कराए जाने का मामला प्रकाश में आया है। रविवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के चलकुशा प्रखंड अध्यक्ष विक्रम सिंह अचानक रेलवे स्टेशन पहुंचे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने देखा कि एक नाबालिग बालक रेलवे ट्रैक पर काम कर रहा था। पूछताछ और आधार कार्ड की जांच में बच्चे की उम्र मात्र 14 वर्ष पाई गई। उसकी पहचान नाशीर उद्दीन, पिता नाजीर हुसैन, ग्राम दाटीइन, पोस्ट सुल्तान नगर, थाना हरिशचंद्रपुर जिला जिला मालदा (पश्चिम बंगाल) निवासी के रूप में हुई। सूचना मिलते ही चलकुशा थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्काल सभी श्रमिकों के आधार कार्ड की जांच की। ए एस आई स्टीफन हेंब्रम के द्वारा संवेदक एवं मुंशी से दुरभाष पर संपर्क कर थाना पर आने को कहा गया। लेकिन संवेदक एवं मुंशी दोनों फरार हो गए।इस घटना से यह स्पष्ट हुआ कि रेलवे कार्य में संवेदक द्वारा नियमों को ताक पर रखकर नाबालिगों से काम कराया जा रहा है, जो श्रम कानून और बाल अधिकार अधिनियम का गंभीर उल्लंघन है। इस संबंध में राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के

जनता की सेवा करना ही सबसे बड़ा उत्सव है : धनंजय कुमार पुटूस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : विधानसभा क्षेत्र में जनता के बीच अपनी सक्रिय भूमिका और जमीनी जुड़ाव के लिए पहचाने जाने वाले भाजपा नेता एवं सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस अपने जन्मदिन के अवसर पर भी जनता दरबार में उपस्थित होकर लोगों की फरियाद सुनते नजर आए। आम तौर पर जन्मदिन को लोग निजी उत्सव और जश्न के रूप में मनाते हैं, लेकिन धनंजय कुमार पुटूस ने इस दिन को जन सेवा को समर्पित किया। क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों और मोहल्लों से आए लोगों ने बिजली, सड़क, पानी, पेंशन एवं अन्य स्थानीय समस्याओं को उनके समक्ष रखा। उन्होंने प्रत्येक समस्या को गंभीरता से सुना और त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर उपस्थित स्थानीय ग्रामीणों और कार्यकताओं ने कहा कि जनता के दुख-दर्द में सदैव साथ खड़े रहना ही पुटूस जी की सबसे बड़ी पहचान है। जन्मदिन पर भी जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं का समाधान करने का संकल्प उनकी जनसेवा की सच्ची मिसाल है। धनंजय कुमार पुटूस ने कहा कि जनता का विश्वास और आशीर्वाद ही मेरी असली पूँजी है। मेरा हर दिन जनता के लिए समर्पित है, और जन्मदिन जैसे अवसर सेवा करने के संकल्प को और मजबूत करते हैं।

मामूली झड़प को लेकर दो गुटों के लोग आमने-सामने पुलिस ने संभाला मोर्चा, क्षेत्र हुआ छावनी में तब्दील

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुजू : ओपी क्षेत्र अंतर्गत दिगवार में दो गुटों में बीती रात मामूली बात को लेकर नरेश महतो और बसीर अंसारी और उसके पुत्रो के बिच आपसी झड़प हो गया। मामूली विवाद और आपसी झडप को लेकर क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। जिसके बाद तनाव पुर्ण स्थिति को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर क्षेत्र में भारी मात्रा में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई जिससे पूरा क्षेत्र छावनी में तब्दील हो गया। पुलिस प्रशासन द्वारा दोनों पक्षों को बैठा कर मामले को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है। अभी स्थिति नियंत्रण में है। हालांकि पुलिस हर पहलू पर पैनी नजर बनाए हुए हैं और किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए ब्रज वाहन मौके पर तैनात किया गया है। घटनास्थल पर उपस्थित पदाधिकारी में एसडीओ , अंनत कुमार एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, मांडू अंचलाधिकारी तृप्ति विजया कुजूर मौजूद रहे ,वहीं दंडाधिकारी के रूप में मांडू पंचायती राज्य पदाधिकारी अर्जून महली, मांडू जेई जामुन करमाली को नियुक्त किया गया है । मौके पर रामगढ़ प्रभारी नवीन प्रकाश पाण्डेय, मेजर मांडू इंस्पेक्टर रजत कुमार , प्रभारी सदानंद कुमार ,कुजू ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह एसआई अख़्तर अलि, आशीष कुमार गौतम, अभिनव कुमार ,रौशन कुमार, तलेबर महतो, राजेश कुमार ,रवि कुमार सहित सैकड़ों पुलिस बल तैनात किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड डेंटल संगठन के तृतीय डेंटल कॉन्फ्रेंस का हुआ आयोजन

हजारीबाग : झारखंड डेंटल संगठन की ओर से डेंटल की ओर तीसरा डेंटल कॉन्फ्रेंस का आयोजन रांची स्थित बीजी कॉन्फ्रेंस भवन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर राज्य भर से लगभग 150 दन्त चिकित्सकों ने उपस्तिथि दर्ज कराते हुए संगठन की गतिविधियों और भविष्य की दिशा पर विचार विमर्श किया। कार्यक्रम के दौरान डिप्टी सुपरीटेंडेंट डॉ विमलेश सिंह और स्टेट नोडल मॉनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन के डॉ प्रदीप मुख्य अतिथि के रूप मे मौजूद रहे। झारखण्ड डेंटल संगठन के झारखंड प्रान्त के अध्यक्ष डॉ राजउद्दीन, सचिव अमन कुमार औरगनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ राजन सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। इस कार्यक्रम मे संरक्षक के रूप में डॉ रंजन देव डॉ डी. के. भगत, डॉ मुकेश सिंह, डॉ जे. के. भगत, डॉ चन्दन और डॉ आशीष भगत की विशेष भूमिका रही वक्ताओं मे डॉ उद्दीपन कुमार, डॉक्टर अंकुर श्रीवास्तव और डॉ बिनु गोल्ड ने अपने विचार साझा किया ।वही मंच संचालन की जिम्मेदारी डॉक्टर आकांक्षा चौधरी और डॉक्टर सुरभि ने निभाई ।झारखंड कैंसर सेंटर से आए डॉक्टर अमर प्रेम ने कैंसर से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां देते हुए दंत चिकित्सकों को इस क्षेत्र में सजगता और समय पर उपचार की आवश्यकता पर बल दिया। संगठन के झारखंड प्रांत अध्यक्ष डॉ राजउद्दीन ने कहा कि इस तरह के आयोजन दंत चिकित्सकों को एक साझा मंच प्रदान करते हैं। जहां अनुभव और सुझावों का आदान-प्रदान कर स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाया जा सकता है।

जिला सचिव मोनू अख्तर की पहल रंग लाई, दनुवा पुल की मरम्मत का काम शुरू

चौपारण : मौत की घाटी के नाम से कुख्यात दनुवा घाटी क्षेत्र के लोगों के लिए राहत की खबर आई है। लंबे समय से जर्जर हो चुकी दनुवा पुल की सड़क अब मरम्मत के दौर से गुजर रही है। यह कार्य आजसू पार्टी के जिला सचिव मोनू अख्तर के अथक प्रयासों से संभव हुआ है। कुछ दिन पहले तक दनुवा पुल की सड़क की स्थिति बेहद खराब थी। गड्ढों और टूटे हिस्सों के कारण वाहन चालकों को रोजाना खतरनाक स्थिति का सामना करना पड़ रहा था। आए दिन दुर्घटनाओं की खबरें इस घाटी को 'मौत की घाटी' के रूप में पहचान दिला रही थीं। बरसात के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो गई थी। इस गंभीर परिस्थिति को देखते हुए आजसू पार्टी के जिला सचिव मोनू अख्तर ने दो सप्ताह पूर्व दनुवा घाटी का दौरा किया था। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों के साथ सड़क और पुल की हालत का निरीक्षण किया और जनता की परेशानी को विस्तार से रखा। साथ ही बढ़ते हादसों और बरसात में स्थिति बिगड़ने की आशंका पर चिंता जताते हुए तुरंत कार्रवाई की मांग की थी। अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि जल्द ही मरम्मत कार्य शुरू किया जाएगा। अब वही आश्वासन हकीकत में बदल चुका है। पुल पर मरम्मत का काम शुरू हो गया है, जिससे लोगों को बड़ी राहत मिली है। मोनू अख्तर ने कहा कि जनता की समस्या को नजरअंदाज करना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने विश्वास दिलाया कि क्षेत्र की सड़कों को बेहतर बनाने के लिए उनका संघर्ष लगातार जारी रहेगा। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि मरम्मत कार्य पूरा होने से अब दनुवा घाटी क्षेत्र में दुर्घटनाओं की संभावना काफी हद तक कम होगी और यातायात सुगम होगा।

रसोइया धमना के कई सार्वजनिक स्थानों पर लगाए गए 250 पौधे

बरही : मदरसा अजीजिया जेयाउल ओलूम के हेड मोदरीश मास्टर अख्तर एवं मदरसा अध्यक्ष मो तबरेज अंसारी ने नेतृत्व में रसोइया धमना पंचायत के कई सार्वजनिक स्थानों में पौधा रोपण किया गया । पौधे लगाकर लोगों को प्रेरित किया गया। दोनों की अगुवाई में सामुदायिक सहभागिता से दो दिन में 250 पौधे लगाए गए। इसमें 120 पीस महगुणी ,30 पीस गोल्डमोहर, 30 पीस गमहार, अशोक 20 ,शीशम 20, सागवान 10 ,आडू के 10 पौधे लगाए गए। पौधारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने में मो तौकीर रजा, मो मकसूद आलम , मो सरफराज, मो सेराज अहमद, मो हकीम, मो मोईन, मो रेहान रजा, मो नईम, शाहनवाज आलम, मो हसनैन, दिलशायद रजा सहयोग किया और पेड़ संरक्षण का संकल्प लिया।राधा गोविन्द विश्वविद्यालय में नई शुरूआत और यादगार विदाई

फ्रेशर-कम-फेयरवेल पार्टी में झूमे छात्र-छात्राएं, मोंगनिस केक एवं मयूखा रेस्टोरेंट बने हॉस्पिटैलिटी पार्टनर

रामगढ़ : सोमवार को फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, राधा गोविन्द विश्वविद्यालय, रामगढ़ में फ्रेशर-कम-फेयरवेल पार्टी का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर जहाँ नए विद्यार्थियों का स्वागत किया गया, वहीं 2025 बैच के छात्रों को विदाई दी गई। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के एच-ब्लॉक सभागार में किया गया। छात्र-छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें नृत्य, संगीत और नाट्य कार्यक्रम प्रमुख आकर्षण रहे। पूरे समारोह में उत्साह और उल्लास का अद्भुत वातावरण रहा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह ने अपने संबोधन में छात्रों को परिश्रम और अनुशासन को जीवन का मूलमंत्र बनाने की प्रेरणा दी। सचिव प्रियंका कुमारी ने विद्यार्थियों को गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कुलपति प्रो (डॉ.) रश्मि ने अपने संबोधन में कहा कि ह्लनए विद्यार्थियों का विश्वविद्यालय परिवार में स्वागत है। हम सभी को मिलकर शिक्षा और संस्कार की इस परंपरा को आगे बढ़ाना है। 2025 बैच के छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की हमारी शुभकामनाएँ सदैव उनके साथ रहेंगी।

50 प्रतिशत राशि खर्च होने के बाद केंद्र से मिलेगी 1020.27 करोड़ की बकाया राशि : अलका तिवारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्य सचिव अलका तिवारी ने स्वास्थ्य मद में 15वें वित्त आयोग की 50 प्रतिशत राशि का खर्च अक्टूबर के मध्य तक सुनिश्चित करने का निर्देश सभी उपायुक्तों को दिया है। उन्होंने कहा कि 50 प्रतिशत राशि खर्च होने के बाद ही केंद्र से 1020.27 करोड़ की बकाया राशि पर दावा किया जा सकता है। इसे लेकर उन्होंने उपायुक्तों को मिशन मोड में तत्परता से कार्य करने पर बल दिया। इसके लिए एक्शन प्लान बनाने का निर्देश दिया, ताकि यह पता चलता रहे कि आगे कैसे बढ़ना है। मुख्य सचिव सोमवार को अपनी अध्यक्षता में 15वें वित्त आयोग की स्वास्थ्य मद की राशि के खर्च को लेकर समीक्षा बैठक कर रही थीं। मुख्य सचिव ने कहा कि जहां भवन का निर्माण हो चुका है, वहां जरूरी स्वास्थ्य सुविधा मुख्यालय से प्राप्त कर उसे क्रियाशील करें। इसकी हर सप्ताह समीक्षा करने का भी निर्देश दिया। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य के दौरे के क्रम में उन्होंने कई जगह देखा कि स्वास्थ्य केंद्र का भवन बन गया है, लेकिन स्वास्थ्य सुविधा बहाल नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि भवन बना है, तो उसका उपयोग भी सुनिश्चित होना चाहिए। उपायुक्त जरूरी सुविधा मुहैय्या कराते हुए उसे चालू कराएं, ताकि आम लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मिल सके। जहां निर्माण पूर्ण हो चुका है, उसका भुगतान करने और डाटा को अद्यतन करने को कहा। उन्होंने उपायुक्तों को निर्देश दिया कि जरूरत महसूस होने पर संबंधित विभाग से संपर्क करें और समस्या का समाधान सुनिश्चित कराएं। वहीं इस कार्य के सफल और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए विशेष तौर पर जिलों में प्रतिनियुक्त तकनीकी कर्मियों को अपने नियंत्रण में लेकर उपायुक्तों को काम लेने का निर्देश दिया। उपायुक्तों ने मुख्य सचिव को बताया कि बारिश के कारण काम में थोड़ा विलंब हुआ है, लेकिन 15 अक्टूबर तक स्वास्थ्य मद की 50 प्रतिशत राशि का काम हो जाएगा।

948 पंचायतों में बनेंगे स्वास्थ्य उप केंद्र : अपर मुख्य सचिव

गौरतलब है कि 15वें वित्त आयोग की राशि से राज्य के तमाम इलाके में 1344.08 करोड़ रुपये से एचएससी, पीएचसी, सीएचसी, बीपीएचयू(ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट), यूएएएम (अरबन आयुष्मान आरोग्य मंदिर), पीएम अभीम आदि का निर्माण हो रहा है। उसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में डायग्नोस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर को भी विकसित किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने उपायुक्तों को निर्देश दिया कि निर्माण के लिए जगह का चयन करने में अंचलाधिकारियों का सहयोग लें। वहीं आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना, मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के लाभुकों का केवाईसी कराने में आपूर्ति और स्वास्थ्य पदाधिकारियों के साथ समन्वय बनाने पर बल दिया। उन्होंने एचएससी, पीएचसी, सीएचसी आदि के निर्माण में बकाया राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य में और 168 स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण की योजना है। इसे सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में और आदिम जनजाति इलाके में स्थापित करना है। इसके लिए सभी उपायुक्त अपने क्षेत्र में स्थान चिह्नित कर 15 दिनों में प्रस्ताव दें, ताकि इस पर आगे बढ़ा जा सके। उन्होंने बताया कि 948 पंचायतों में भी स्वास्थ्य उप केंद्र बहाल करना है।

एक नजर

सीएम आज शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन 02 सितम्बर 2025 को सहायक आचार्य , PGT शिक्षकों एवं लैब सहायकों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे ।साथ ही विभिन्न परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी करेंगे। यह कार्यक्रम प्रोजेक्ट भवन स्थित नया सभागार (द्वितीय तल) धुर्वा, रांची में मध्याह्न 12 बजे से आयोजित है।

रांची के 19 बालूघाटों की होगी ई-नीलामी

रांची : खान एवं भूतत्व विभाग की अधिसूचना के तहत रांची के चिन्हित कैटेगरी-2 के 19 बालूघाटों की ई-नीलामी (डब्यू की डब्यूरमा डब्यू07 डॉट झारखंड टेंडर्स डॉट जीओवी डॉट आइएन) पर किया जाएगा। इन बालू घाटों की ई-नीलामी के तहत ग्रुप-ए के तहत (लोआहातु और चुरगी,चिलुतिकर और साजमडीह, अनेरडीह, करांबू, पनगुरा, बारेडीह और तुन्जुल), वहीं ग्रुब-बी के तहत जिन घाटों की निलामी की गई उनमें (एरिका सुमनडीह और सुतिलौंग, बदला, गोमियाडीह, हाराडीह, दरूआरा और सोमाडीह शामिल हैं। ग्रुप-सी तहत श्याहमनगर और बिरडीडीह, करेयाडीह, ईचाहातु, बसंतपुर, श्याामनगर, चोकेसेरंग, डुमारबेरा, सुनडील, लपरा, चुरी और राय शामिल हैं। ई-नीलामी से पूर्व प्री- बीड बैठक और प्रशिक्षण का समय और मंगलवार को दोपहर तीन बजे से समाहरणालय स्थित ब्लॉक-ए, कमरा नंबर 207 में होगी। निविदा दस्तावेज अपलोड करने की अंतिम तिथि तीन सितंबर है।

डीएवी हेहल में दो शिक्षकों का सेवानिवृत्ति पर सम्मान

रांची : डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल में सोमवार को आयोजित विशेष समारोह में वरिष्ठ शिक्षक डीके सिन्हा और शिक्षिका सविता सिन्हा को उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर सम्मानित किया गया। विद्यालय परिवार की ओर से उन्हें पुष्प-गुच्छ, अंग-वस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य बिपिन राय ने दोनों शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनकी निष्ठा, परिश्रम और छात्रों के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि ऐसे शिक्षक विद्यालय की अमूल्य धरोहर होते हैं, जिनकी प्रेरणा विद्यार्थियों को जीवनभर मार्गदर्शन देती रहती है। समारोह में शीला रमेश, शालनी प्रसाद और प्राथमिक-माध्यमिक शाखा की प्रभारी अजंता कुमारी तथा अनुपमा रानी ने भी अपने उद्गार व्यक्त कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

ऑक्सफोर्ड स्कूल में धूमधाम से मना करम मिलन समारोह

रांची : झारखंड सेवा समिति की ओर से सोमवार को धुर्वा स्थित आंबेडकर रिजेंट ऑक्सफोर्ड स्कूल में करम मिलन समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया। मौके पर बच्चों ने गीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। छात्र-छात्राओं ने झारखंडी वेशभूषा में करम गीत करम कर रतिया, सातों भइया सातों करम गड़े, धईन धईन रे धईन हमर छोटा नागपुर सहित कई पारंपरिक गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुत कर समां बांधा। इन प्रस्तुतियों ने न सिर्फ दर्शकों को झूमाया बल्कि झारखंड की सांस्कृतिक धरोहर और परंपरा से भी अवगत कराया। इस अवसर पर जनजातीय नृत्य और गीत प्रस्तुत करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। समिति ने बच्चों को करम पर्व के महत्व और भाई-बहन के रिश्ते की गहराई से परिचित कराया।

डीसी ने नौ शिक्षकों को सेवानिवृत्ति पर किया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय ब्लॉक-ए स्थित कॉन्फ्रेंस कक्ष में सोमवार को पेंशन दरबार-सह-सेवा निवृत्ति विदाई सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के नौ शिक्षकों को सेवानिवृत्ति के दिन ही समस्त पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभ देते हुए सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वाले शिक्षकों में तलत फातमा, सुनिता कुमारी, रेखा कच्छप, सच्चिदानंद महतो, नीलम अंजु पुर्ति, पुष्पा टोप्पो, मनोज कुमार सिंह, सोमर साहु और खीस्त दुलारी सुबरदानी कुल्लू शामिल हैं। भजन्त्री ने शिक्षकों को मोमेंटो, शॉल और सम्मान पत्र प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज के निमार्ता होते हैं। आप सभी ने शिक्षा के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी है। प्रशासन का प्रयास है कि हर कर्मचारी को सेवानिवृत्ति के दिन ही सभी लाभ मिलें। उन्होंने सेवानिवृत्त शिक्षकों से आग्रह किया कि वे अपनी नई पारी में भी सक्रिय रहकर समाज को प्रेरित करते रहें और अपने अनुभव नई पीढ़ी के साथ साझा करें। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन सेवानिवृत्त कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाते हैं और शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हैं। कार्यक्रम की सफलता के लिए उपायुक्त ने जिला शिक्षा अधीक्षक और उनकी टीम को विशेष धन्यवाद दिया।

शहीद एतवा उरांव फुटबॉल टूर्नामेंट : सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम बनी एफसी जामताड़ा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : शहीद एतवा उरांव स्मारक न्यास के तत्वावधान में आयोजित रांची जिला अंतर्गत मांडर प्रखंड के बुढ़ाखुखरा स्थित खेल मैदान में एक सितंबर को शहीद एतवा उरांव फुटबॉल टूर्नामेंट-2025 के दूसरे दिन का पहला मैच रनिया टाइगर खान ब्रदर्श गोरे और वेस्टर्न डायमंड एफसी जामताड़ा के बीच खेला गया। तय समय तक दोनों टीम 1-1 गोल से बराबरी पर रहीं। उसके बाद पेनाल्टी शूटआउट में जामताड़ा की टीम ने रनिया टाइगर को 4-3 गोल से हराकर अगले राउंड में प्रवेश किया। इससे पहले टूर्नामेंट का शुभारंभ रांची जिला अल्प संख्यक कांग्रेस के उपाध्यक्ष मोहम्मद खालिद, मांडर पंचायत के मुखिया प्रकाश खलखो, संरक्षक पितरूस खलखो, मीडिया प्रभारी लाखो उरांव, मो रकीब, मो साकिब, दुर्गा खलखो आदि ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका हौंसला बढ़ाते हुए किया। मौके पर मोहम्मद खालिद ने कहा कि एतवा उरांव की स्मृति में यह टूर्नामेंट लगातार 26 वर्षों से आयोजित हो रहा है। उन्होंने आठ लोगों की जान बचाई थी, लेकिन खुद नदी की तेज धारा में बह गए थे। उनका जीवन समाज के लिए प्रेरणादायी है। खालिद ने कहा कि एतवा उरांव से सीख लेकर युवाओं को भी समाजहित में कार्य करना चाहिए। टूर्नामेंट के आयोजन से न केवल खेल भावना को बढ़ावा मिलता है, बल्कि समाज में एकता और सहयोग की भावना भी मजबूत होती है। वहीं सोमवार को दूसरा मैच चिटकोटा एफसी रातु और मेसी झारखंड एफसी चचकोपी के बीच खेला गया। तय समय तक दोनों टीमें 1-1 के बराबरी पर रहने के बाद पेनाल्टी शूटआउट का सहारा लेना पड़ा। इसमें चिटकोटा एफसी रातु ने मेसी झारखंड एफसी को 5-2 से पराजित कर दिया।

कांग्रेस जिलाध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया शुरू, एक माह में होगी नियुक्ति : सिंगला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने रांची महानगर जिला कांग्रेस कमेटी के नए जिलाध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए एआईसीसी की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक दल सोमवार को रांची सर्किट हाउस पहुंचा। पर्यवेक्षक दल में पूर्व सांसद और एआईसीसी पर्यवेक्षक विजय इंदर सिंगला, प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) पर्यवेक्षक और पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता, अनुपमा सिंह, रविंद्र सिंह, राकेश सिन्हा, सोनाल शांति,राजेंद्र दास और मनोज सहाय शामिल रहे। सर्किट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में सिंगला ने कहा कि आगामी एक माह के भीतर नया जिलाध्यक्ष नियुक्त किया जाएगा। कांग्रेस पार्टी का उद्देश्य है कि जिला स्तर पर पॉलिटिकल अफेयर्स कमिटी का गठन किया जाएगा। बूथ और ब्लॉक कमिटी को युवा ऊर्जा और अनुभव के संतुलन से और अधिक मजबूत करना है। जिलाध्यक्ष चयन के प्रमुख मानदंडों में पार्टी के साथ वफादारी और सक्रिय योगदान, संगठन में पूर्व की जिम्मेदारियां और लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों में भूमिका तथा साफ छवि और आपराधिक पृष्ठभूमि का नहीं होना शामिल है। उन्होंने बताया कि रांची महानगर जिला कांग्रेस कमेटी के विधानसभा क्षेत्रों रांची, हटिया, खिजरी और कांके में फैला हुआ है, जिनकी कुल वार्ड संख्या 53 है। सिंगला ने बताया कि वे सबसे पहले वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और फ्रंट के संगठनों के अध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद सभी प्रखंड अध्यक्षों से सामूहिक और व्यक्तिगत चर्चा की जाएगी। इसके अलावा दो सितम्बर को हटिया और खिजरी विधानसभा क्षेत्र के कार्यकताओं से संवाद किया जाएगा।

रांची ग्रामीण दुर्गा पूजा समिति का हुआ गठन, तपेश्वर केशरी बने अध्यक्ष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची ग्रामीण श्री दुर्गा पूजा समिति का नई समिति 2025, का पुनर्गठन राँची कचहरी रोड स्थित बिहार क्लब सभागार में रांची महानगर श्री दुर्गा पूजा समिति के अगुवाई में समिति के आजीवन संस्थापक संयोजक डॉ अजीत सहाय, महानगर श्री दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष प्रदीप राय बाबू, कार्यकारी अध्यक्ष राजन वर्मा, संजय मिनोचा,एवं महासचिव रविन्द्र वर्मा, दुर्गा शंकर साहु, सत्यदेव तिवारी के साथ ही कमों बेस रांची महानगर के प्रमुख पूजा पंडाल के अध्यक्ष सचिव एवं जिले के पूजा समिति के सैकड़ों लोगों की उपस्थिति में संपन्न हुई जिसमें लगातार 11वीं बार तपेश्वर केशरी जी अध्यक्ष एवं बीरेंद्र साहु महामंत्री सर्वसम्मति से चुने गए। अध्यक्ष तपेश्वर केशरी एवं महामंत्री बीरेंद्र साहु ने कहा है कि बहुत जल्द रांची जिले के 18, प्रखंडों के सक्रीय भागीदारी निभाने वाले वरीय पदाधिकारियों एवं युवाओं के साथ समन्वय बनाकर राँची ग्रामीण श्री दुर्गा पूजा समिति का विस्तारित समिति का घोषणा किया जाएगा। बिहार क्लब सभागार में सैकड़ों पूजा समिति के प्रतिनिधियों के उपस्थिति में रांची महावीर मंडल के निर्वाचित अध्यक्ष जयसिंह यादव, राँची महानगर श्री दुर्गा पूजा समिति के संस्थापक संयोजक डॉ अजीत सहाय , नारीशक्ति की अगुवा बिंदु सिंह, विनीता सिंह महिला मंडली एवं राँची महानगर एवं रांची ग्रामीण क्षेत्रों के पूजा समिति से आए गण मान्य लोगों की उपस्थिति में रांची ग्रामीण श्री दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष तपेश्वर केशरी एवं महामंत्री बीरेंद्र साहु जी को माला पहनाकर एवं चादर ओढ़ाकर स्वागत किया गया।

भाजपा महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं पर पुलिस की लाठीचार्ज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची स्थित झारखंड प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करने जा रहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला मोर्चा की महिला पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं पर सोमवार को पुलिस ने लाठियां भांजी, जिसमें कई नेताओं और कार्यकताओं को गंभीर चोटें लगीं हैं। बिहार में कुछ दिन पहले एक मंच से प्रधानमंत्री और उनकी माँ के खिलाफ अभद्र शब्दों के प्रयोग से नाराज भाजपा महिला कार्यकर्ता विरोध जताने जा रही थीं। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष आरती सिंह ने कहा कि पुलिस की कार्रवाई बर्बरतापूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की माता पर किये गये आपत्तिजनक टिप्पणी पर कांग्रेस पार्टी को माफी मांगनी चाहिए। इसी मांग को लेकर भाजपा की महिला कार्यकर्ता कांग्रेस प्रदेश कार्यालय का घेराव करने जा रही थीं। इसी दौरान पुलिस ने सभी को रोक दिया और उनके साथ धक्का-मुक्की की। पुलिस ने महिला कार्यकर्ताओं पर लाठियां भी भांजी। उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्रवाई में पार्टी के कई पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को चोटें आई हैं। प्रदेश अध्यक्ष आरती सिंह को हाथ में चोट आई,जबकि मीडिया प्रभारी कुमुद झा को भी चोट लगी हैं। इसके अलावा जिला अध्यक्ष पायल सोनी, नीलम चौधरी, सूचिता सिंह , बबिता झा सहित अन्य कार्यकताओं को चोट लगी हैं। आरती सिंह ने पुरुष पुलिस की ओर से महिलाओं पर लात, घुस्सा, लाठी डंडों से पिटाई करने की कार्रवाई को बर्बरतापूर्ण बताया है और निंदा की है। दरअसल, बिहार में महागठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा के मंच से प्रधानमंत्री और उनकी माँ के खिलाफ अभद्र और आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया था, जिसे लेकर झारखंड भाजपा महिला मोर्चा ने सोमवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन करने की घोषणा की थी। मोर्चा की महिला नेता और कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय का घेराव करने जा रहे थे, लेकिन इससे पहले पुलिस ने उन्हें रोक दिया। पुलिस प्रशासन की ओर से रांची के श्रद्धानंद रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय के बाहर और आसपास इलाकों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। कांग्रेस कार्यालय में भी बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। साथ ही श्रद्धानंद रोड के एंट्री पॉइंट पर बैरियर लगा दिया गया था, ताकि भाजपा महिला मोर्चा की कोई नेता-कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय तक नहीं पहुंच सके और जब वे वहां पहुंचे, तो पुलिस ने उनपर कार्रवाई कर दी।

संक्षिप्त खबरें

जेपीएससी सीडीपीओ और फूड सेफ्टी ऑफिसर का रिजल्ट जारी करे सरकार : देवेंद्र

रांची : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के केंद्रीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो के नेतृत्व में तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के सचिव संदीप कुमार से मुलाकात की। मुलाकात के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि फूड सेफ्टी ऑफिसर और सीडीपीओ परीक्षा का परिणाम 18 माह बीत जाने के बाद भी घोषित नहीं किया गया है। इससे अभ्यर्थियों का धैर्य टूट रहा है और जेपीएससी की कार्यशैली पर से भरोसा उठ रहा है। उन्होंने सरकार और आयोग से मांग किया कि परिणाम तत्काल जारी किया जाय। महतो ने बताया कि आयोग के सचिव ने उनकी मांगों को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया है कि 20 सितंबर तक फूड सेफ्टी ऑफिसर की संशोधित उत्तर कुंजी जारी होगी और सितंबर अंत तक सीडीपीओ और फूड सेफ्टी ऑफिसर दोनों परीक्षाओं का परिणाम घोषित कर दिया जाएगा। छात्र नेता सत्यनारायण शुक्ला ने कहा कि छात्रों के हक और अधिकार को लेकर संघर्ष हमेशा जारी रहेगा। प्रतिनिधिमंडल में देवेंद्र नाथ महतो के साथ छात्र नेता सत्यनारायण शुक्ला और सौरभ कुमार शामिल थे।

अवैध होडिंगो पर रांची नगर निगम की कार्रवाई जारी

रांची : रांची नगर निगम की बाजार शाखा टीम ने मेजर कोठी इटकी रोड से आईटीआई के बीच होडिंगों की जांच की जिसमें सात बड़े और एक छोटे होर्डिंग को अवैध पाया गया। जिन्हें काटकर नगर निगम की टीम ने काट कर गिरा दिया और उन्हें पूर्णता हटा दिया। निगम ने यह भी चेतावनी दी कि यह कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

झारखंड हिंदी साहित्य भारती की ओर से 21 सितंबर को होगा कार्यक्रम का आयोजन

रांची : हिंदी साहित्य भारती झारखंड प्रदेश की ओर से आगामी 21 सितंबर को रांची प्रेस क्लब में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह निर्णय सोमवार को संस्था की एक महत्वपूर्ण बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए संस्था के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि यह कार्यक्रम केवल एक औपचारिक आयोजन न होकर हिंदी भाषा के गौरव, इसकी समृद्ध परंपरा और वैश्विक महत्व को रेखांकित करने वाला प्रेरणादायी अवसर बने। उन्होंने कहा कि हिंदी साहित्य भारती का उद्देश्य हिंदी को राष्ट्र की आत्मा के रूप में स्थापित करना और नई पीढ़ी को इसके महत्व से जोड़ना है। उन्होंने संस्था के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों से मिलकर इस आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप देने की अपील की। बैठक में यह भी तय किया गया कि आयोजन को सफल और भव्य बनाने के लिए सभी स्तरों से सक्रिय सहयोग लिया जाएगा, जिससे कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सके। वर्चुअली हुई इस बैठक से प्रदेश महामंत्री डॉ. सुनीता कुमारी, प्रदेश प्रभारी डॉ. अरुण सज्जन, बलराम पाठक, डॉ. आशा गुप्ता, नीरज पाठक, वंदना श्रीवास्तव, अनुज पाठक, डॉ. अंजना वर्मा, नरेश बंका सहित प्रदेश एवं जिला स्तर के बड़ी संख्या में पदाधिकारी शामिल हुए।

फूलबाबा आश्रम में धूमधाम से मनाई गई श्रीचंद नवमी

रांची : शहर के मुख्य स्थल बडा तालाब के पश्चिम में स्थित फूलबाबा आश्रम में गुरुनानक देव के कनिष्क पुत्र आदिगुरु श्रीचंद जी महाराज की जयंती श्रीचंद नवमी के रूप धूमधाम से मनायी गयी। इस अवसर पर श्रीगणेश पूजन, श्री हनुमानजी जी, श्री शिव परिसर की पूजा करके श्री गुरुनानक जी की पूजा करके श्रीचंद महाराज की पूजा अर्चना करके आरती करके 101 किलो कडाह प्रसाद के रूप शुद्ध घृत का हलवा अर्पित किया गया। फल -लडू का प्रसाद चढ़ाया गया। फूलबाबा भण्डारा का प्रसाद यथा पुड़ी, सब्जी, बुंदिया का भोग अर्पित किया गया। फूलबाबा ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष हरिशंकर चौधरी के सुपुत्र मौसम राज चौधरी ने यजमानश्री के रूप में पूजा अनुष्ठान किया। फूलबाबा ट्रस्ट के सचिव मनोज चौधरी, पूर्व सचिव विश्वनाथ नारसरिया, कोषाध्यक्ष हरिशंकर चौधरी, ट्रस्टी अरुण वुधिया के नेतृत्व में फूलबाबा भण्डारे का प्रसाद व कडाह प्रसाद का वितरण प्रारंभ हुआ। फूलबाबा एवं गंगा प्रसाद वुधिया, गया बाबु चौधरी के जय-जयकारो से पुरा फूलबाबा आश्रम गूंज रहा था। फूलबाबा भण्डारा में 1500 से ज्यादा भक्तजनों ने कडाह प्रसाद व भण्डारे का प्रसाद प्राप्त किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष यतीन्दनाथ सिंह, ट्रस्टी मधूसूदन चौधरी, रमाशंकर बगड़िया, अधिवक्ता जिज्ञासा नारसरिया, राकेश चौधरी,लव कुमार, ललित चौधरी, मोहनलाल अरोरा , रणवीर चौधरी, सहित अनेक महानुभाव उपस्थित थे।

मनरेसा हाउस में धूमधाम से मनी डॉ कामिल बुल्के की जयंती

रांची : पद्मभूषण से विभूषित भाषाविद् और हिंदीझअंग्रेजी शब्दकोश के निमार्ता डॉ कामिल बुल्के की जयंती समारोह सोमवार को मनरेसा हाउस में धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर कई बुद्धिजीवी सामाजिक कार्यकर्ता, अधिवक्ता, धार्मिक जनप्रतिनिधियों और छात्रझछात्राओं ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। कार्यक्रम की शुरूआत में रतन तिर्की ने संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक पाठ किया। इसके बाद श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए रांची विश्वविद्यालय की पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ मंजु ज्योत्स्ना ने कहा कि डॉ कामिल बुल्के ने हिंदी और संस्कृत भाषा के माध्यम से पूरे भारत को जोड़ा। वे बेल्जियम में पैदा जरूर हुए थे, लेकिन उनका सबकुछ भारत को समर्पित था। मनरेसा हाउस के रेक्टर फादर अलेक्स टोप्पो ने कहा कि डॉ बुल्के का हिंदी भाषा को समृद्ध बनाने में बहुत बड़ा योगदान रहा है। वहीं खुंटी डायसिस के विकारियेट जनरल फा बिशु बेंजामिन ने उन्हें भारत का नागरिक बताते हुए कहा कि हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लेना चाहिए।

एक नजर

ग्रीन तिलैया, क्लीन तिलैया प्रोजेक्ट के तहत मारवाड़ी युवा मंच ने लगाए फलदार पेड़

झुमरी तिलैया : मारवाड़ी युवा मंच द्वारा ग्रीन तिलैया, क्लीन तिलैया प्रोजेक्ट के तहत पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु आज 1 सितंबर को चंदा रोलर फ्लोर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड परिसर में फलदार पेड़ लगाए गए। इस अवसर पर आम और अमरूद के पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में मंच के अध्यक्ष राहुल जैन, सचिव अंकित केडिया, कोषाध्यक्ष राहुल चौधरी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक रूप से पेड़ लगाने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि स्वच्छ और हरित वातावरण ही स्वस्थ समाज की नींव है। मंच के सदस्यों ने आगे भी ऐसे कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

रौशन कुमार ने जेपीएससी की परीक्षा में 340 रैंक हासिल अपने क्षेत्र का नाम इतिहास रचा है

डोमचांच /कोडरमा : कोडरमा जिले के डोमचांच के 22 वर्षीय रौशन कुमार ने झारखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षा में 340 रैंक हासिल कर सुर्खियां बटोरी है उनको आज श्री गणेश पूजा समिति कालीमंडा रोड डोमचांच के द्वारा बैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज के सचिव हिमांशु कुमार ने मोमेंटो देकर, अभिवका मिथलेश प्रसाद ने यंगवस्त्र देकर डोमचांच का नाम रोशन करने पे बधाई दी, पेडमित्र इंजीनियर प्रेमांशु कुमार ने मोमेंटो और उनके गार्जियन को यंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। निस्टागमस नामक बीमारी के कारण बचपन से ही दृष्टि बाधित होने के बावजूद, रोशन ने दृढ़ता से काम लिया और यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। मौके पे गणेश पूजा समिति के सभी सम्मानित सदस्य मोनू कुमार मेहता, एडवोकेट अभिषेक कुमार, अनूप कुमार शर्मा , नविन राम , प्रवीण राम, रियांशु , नीरज सिंह , धीरज सिंह , धीरेन्द्र सिंह के साथ साथ सभी स मोहल्ले कि महिलाये भी शामिल हुई।

एमजीएम स्कूल में जयंती पर याद किए गए फादर कामिल बुल्के

बोकारो : एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ बोकारो में हिंदी साहित्य के प्रख्यात विद्वान फादर कामिल बुल्के की जयंती पर विशेष सत्र का आयोजन किया गया। प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस ने कहा कि फादर कामिल बुल्के ने भरत में हिंदी भाषा व साहित्य के विकास में अहम योगदान दिया। वह एक प्रसिद्ध विद्वान, लेखक व शिक्षाविद थे। उनकी रचना रामचरित मानस उत्पत्ति एवं विकास अंग्रेजी से हिंदी शब्दकोश आज भी लोकप्रिय है। उनका जीवन हिंदी व संस्कृत के विकास के लिए समर्पित था। वह अपने देश बेल्जियम से भारत आए थ। उन्होंने दार्जिलिंग व कोलकाता में रहकर हिंदी सीखा। इसके पश्चात इलाहाबाद में हिंदी में एमए की पढ़ाई की। साथ ही शोध कार्य करके पीएचडी की पढ़ाई की। रांची के संट जेवियर्स कालेज में इन्हें हिंदी व संस्कृत का विभागाध्यक्ष बनाया गया। यहां विद्यार्थियों को हिंदी व संस्कृत का ज्ञान दिया। 1950 में वह बिहार राष्ट्रभाषा परिषद की कार्यकारिणी के सदस्य नियुक्त हुए। 1972 से 1977 तक भारत सरकार की केंद्रीय हिंदी समिति के सदस्य रहे। 1973 में उन्हें बेल्जियम की रायल अकादमी का सदस्य बनाया गया। उन्होंने कहा कि फादर बुल्के ने हिंदी के कई विद्वानों के साथ रह कर हिंदी एवं संस्कृत को जड़ से जानना व प्रत्येक भारतीय के अंदर हिंदी व संस्कृत के प्रति अनुराग जगाने का कार्य जीवन भर किया।

स्टील प्लांट में 5 सितम्बर की हड़ताल को लेकर क्रांतिकारी इस्पात मजदूर संघ की सभा, प्रबंधन के खिलाफ मजदूरों का आक्रोश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सोमवार को सेल/बोकारो इस्पात संयंत्र के कोक-ओवन, ब्लास्ट फर्नेस तथा ट्रैफिक विभाग में प्रस्तावित 05 सितम्बर 2025 के हड़ताल को सफल बनाने हेतु क्रान्तिकारी इस्पात मजदूर संघ सम्बद्ध हिन्द मजदूर सभा की विशाल सभा कोक-ओवन कैंटीन नंबर 01 में हुई। सभा में प्रबंधन के खिलाफ मजदूरों का आक्रोश चरम पर रहा। सभा को संबोधित करते हुए संघ के महामन्त्री सह-सदस्य एनजेसीएस राजेंद्र सिंह ने कहा कि सेल और बोकारो प्रबंधन निरंकुशता की सारी हदों को पार कर चुका है। निम्न से शीर्ष स्तर तक भ्रष्टाचार में डूबे अधिकारी तानाशाह बन चुके हैं।हक और अधिकार के लिये मजदूर 05 सितम्बर को हड़ताल की घोषणा कर अपना पक्ष तय कर चुके हैं, अब गेंद प्रबंधन के पाले में है या तो मजदूरों को उनका अधिकार दें या राष्ट्र के गौरव का प्रतीक बोकारो स्टील प्लांट को हड़ताल में झोंक दें। इनकी टालमटोल और वादाखिलाफी से मजदूरों का आक्रोश चरम पर पहुँच गया है। ये लगातार लगभग एक वर्ष से मजदूरों को गुमराह करते रहे हैं कि हम जल्द ही ईएसआईसी की सीमा से बाहर हो चुके स्किल्ड मजदूरों के परिवार सहित ईलाज की वैकल्पिक व्यवस्था करेंगें मगर आज भी वही ढाक के तीन पात। ईलाज और संसाधन के अभाव में मजदूर मर रहें हैं।मजदूरों की पीड़ा और चित्कार इनके लिये मनोरंजन का साधन बन चुका है।ना कोई प्रमोशन पॉलिसी, ना नाइट शिफ्ट एलाउंस, शिक्षा के हब में ठेका मजदूर के बच्चों की शिक्षा भगवान भरोसे, भारत सरकार का उपक्रम होने के बावजूद ग्रेच्युटी पर भारत सरकार के कानून की धज्जियाँ उड़ाई जा रही है।मतलब मजदूर सिर्फ उत्पादन का विषय है,उनके समाजिक और आर्थिक सुरक्षा और सम्पन्नता से ना तो बोकारो प्रबंधन का कोई सरोकार है ना हीं सेल प्रबंधन पर इन बातो से कोई फर्क पड़ता है। अब बहुत हुआ न्याय, हक और अधिकार के संघर्ष में मजदूर आर-पार की लड़ाई का मन बना चुके हैं। अगर 03 सितम्बर को माननीय सहायक श्रमायुक्त की बैठक मजदूरों की मांगो पर ठोस निर्णय नहीं हुआ तो 05 सितम्बर प्रातः 06:00 बजे से कोक-ओवन, ब्लास्ट फर्नेस तथा ट्रैफिक विभाग में एकसाथ मजदूर काम बंद कर पूर्ण हड़ताल पर रहेंगे। सभा को श्री सिंह के अलावे सुभाषचंद्र कुम्भकार, शशिभूषण, जुम्मन खान, दुर्गेश कुमार, सुरज कुमार, नागेंद्र कुमार, अभय शर्मा, हरेराम, सुमन पासवान, अमित यादव, उज्ज्वल कुमार, चुन्नु मिश्रा,अक्षय कुमार, राजेश महतो,ने संबोधित किया।

भूतत्व निदेशक मनोज कुमार हुए सेवानिवृत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : खान एवं भूतत्व विभाग झारखंड सरकार के भूतत्व निदेशक मनोज कुमार बीते शुक्रवार को भूतत्व निदेशक पद से सेवानिवित हो गए। उनके सम्मान में सम्मान सह विदाई समारोह का आयोजन धुर्वा स्थित भूतत्व निदेशालय रांची में किया गया था। वही विदाई से पहले भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण संस्थान भारत सरकार के उपनिदेशक विष्णु प्रिया के अलावे भारतीय भूवैज्ञानिक विभाग के पदाधिकारी रवि शंकर रवि एवं देव श्री ने उन्हें विभाग का प्रतीक चिन्ह देकर उनका स्वागत व अभिनंदन किया। वही भूतत्व विभाग के अधिकारी एवं कर्मियों द्वारा उन्हें अंग वस्त्र एवं फूलों का गुलदस्ता देकर अन्य सामान दिया गया। वही सम्मान सह विदाई समारोह को संबोधित करते हुए अपर निदेशक भूतत्व कुमार अमिताभ ने संबोधित करते हुए कहा कि विभाग में स्थानांतरण एवं सेवानिवृत्ति सरकार नियम है इससे सभी को गुजरना पड़ता है आगे उन्होंने कहा कि मनोज कुमार ऐसे अधिकारी हैं जो अपने काम से जाने जाते हैं उन्होंने भूतत्व विभाग में बहुत ही बेहतरीन कार्य किया है। बता दे की भूतत्व निदेशालय धुर्वा रांची में बतौर निदेशक पद पर दिनांक- 22.12.2022 को योगदान दिया था। इससे पहले हुए वे खान एवं भूतत्व विभाग के कई अहम पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। जिसमें मुख्य रूप से जिला खनन पदाधिकारी पलामू, भूतत्व उपनिदेशक दुमका, हजारीबाग उपनिदेशक खान मुख्यालय रांची, कोयला निदेशक रांची के अलावे कई अन्य पदों पर रह चुके हैं। मनोज कुमार की गिनती एक सरकारी ईमानदार अधिकारी के तौर पर होती है।

ग्रिजली विद्यालय के छात्रों का सीबीएसई ईस्ट जोन ताइक्वांडो में शानदार प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : तिलैया डैम स्थित ग्रिजली विद्यालय के छात्रों ने सीबीएसई ईस्ट जोन ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय एवं ज़िले का मान बढ़ाया। यह प्रतियोगिता नानक पब्लिक स्कूल, जौनपुर में आयोजित हुई, जिसमें बिहार एवं झारखंड क्षेत्र के अनेक विद्यालयों ने भाग लिया। कक्षा के छात्र अंश केशरी ने अंडर-14, 38 किलोग्राम वेट कैटेगरी में स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया और सीबीएसई नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप के लिए चयनित हुए। इसी प्रतियोगिता में कक्षा के ही अंकुश कुमार यादव ने अंडर-14, 18-21 किलोग्राम वेट कैटेगरी में कांस्य पदक प्राप्त किया। छात्रों ने यह उपलब्धि अपने प्रशिक्षक दिलीप कुमार के कुशल मार्गदर्शन में हासिल की।छात्रों की इस सफलता पर निदेशक द्वय मनीष कपिसमे एवं अविनाश सेठ, सीईओ प्रकाश गुप्ता, सीओओ तनिष्क सेठ, प्राचार्या अंजना कुमारी, प्रशासक अशरफ खान, संयोजक विजय कुमार सिंह, जितेन्द्र चौधरी, बी. डी. नस्कर, अनुराग कुमार, शिल्पी भदानी और प्रीति जगनानी, स्टूडेंट सर्विस सेल के संयोजक सुधांशु कुमार, सीसीए संयोजक राजीव रंजन सिंह तथा स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर अमित दास ने कोच दिलीप कुमार, विजेता छात्रों एवं उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाई दी।उन्होंने आशा व्यक्त की कि छात्र राष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और ज़िले का नाम रोशन करेंगे।

धर्म का सर्वोच्च पर्व दसलक्षण पर्यूषण का पांचवा दिन जैन धर्मावलंबियों ने उत्तम सत्य धर्म के रूप में मनाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : जैन धर्म का सर्वोच्च पर्व दसलक्षण पर्यूषण का पांचवा दिन जैन धर्मावलंबियों ने उत्तम सत्य धर्म के रूप में मनाया झुमरी तिलैया में धर्म और ज्ञान की गंगा बहा रहे स्थानीय पंडित अभिषेक शास्त्री ओर जयपुर से आई डॉ निर्मला दीदी ने अपनी पीयूष वाणी मे भक्तजनों को कहा कि सत्य जहां खिल जाता है वहां भगवान मिल जाते हैं सत्यमेव जयते जीवन में आचरण का विषय है जीवन में सत्य की ही आवश्यकता है सत्य ही ईश्वर है सत्य हमारे हृदय में विराजमान हैं उसे अंतरंग की अनुभूति से देखा जा सकता है महा भाग्य के उदय होने पर ही भगवान की देशना सुनने का लाभ मिलता है जैन दर्शन ही अहिंसा की पुष्टि करके सत्य को सत्य कहता है जिससे दूसरे को कुछ भी हानि न पहुंचे उस बात का कहना सत्य है जहां क्रोध मान माया लोभ होते हैं वहां सत्य धर्म प्रकाशित नहीं होता है इन सभी के अभाव में ही सत्य प्रकाशित होता है विद्या का मंदिर वही है जहां नैतिकता धार्मिकता का पाठ पढ़ाया जाता है भगवान राम ने पिता के आदेश पर वनवास को सहर्ष स्वीकार कर लिया यही सत्य है सत्य की वचनबद्धता से तलवार भी फूलों की माला बन जाती है सत्य कभी हारता नहीं है परेशान अवश्य कुछ समय के लिए हो जाता है व्यक्ति को हमेशा स्पष्ट वादी होना चाहिए सत्य की हमेशा परीक्षा होती है उसे दबाया जाता है , परेशान किया जाता है,परंतु अंत मे विजय सत्य की ही होती है शब्दों के जहर से ही महाभारत होता है इसलिए, वाणी में संयम और सत्यता हो तो व्यक्ति का जीवन महापुरुष के जीवन के समान बन जाता है, संपत्ति, संबंधी ,सत्ता क्षणभंगुर है यह शाश्वत नहीं है सपना को सत्य मानने वाला हमेशा दुखी होता है जीवन में सम्यक ज्ञान का सूर्य उदय होना ही सत्य है जिसने सत्य को समझा उसी ने सत्य को पाया है।

सड़क सुरक्षा दिवस पर पुलिस का जागरूकता अभियान चलाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सिटी डीएसपी आलोक रंजन ने थाना प्रभारी यातायात, बीएस सिटी और सेक्टर-12 पुलिस के साथ मिलकर उकरीद मोड़ के पास सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान में भारी वाहन चालकों को सड़क पर सुरक्षित चलने की अहमियत समझाई गई। सड़क सुरक्षा, डायल 112 और साइबर क्राइम पर जानकारी अधिकारियों ने चालकों को डायल 112, साइबर क्राइम से सतर्कता और ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया। चालकों को सचेत किया गया कि वे कभी भी शराब पीकर वाहन न चलाएं और तय गति सीमा का पालन अवश्य करें। वाहनों की जांच और फोकस सड़क सुरक्षा दिवस के तहत पुलिस

टीम लगातार वाहनों की जांच कर रही है और चालकों को सड़क सुरक्षा से जुड़े नियमों की जानकारी दे रही है। यातायात प्रभारी ने चालकों से संवाद कर एक्सीडेंट से बचाव के उपाय भी समझाए। नियम उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई डीएसपी आलोक रंजन व थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि यातायात नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। पुलिस द्वारा लगातार जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ताकि हर चालक सतर्क और जागरूक बना रहे।

एलआईसी ने मनाया 69वां स्थापना दिवस, 'सुचिता और ईमानदारी' को बताया सफलता का मूल मंत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भारतीय जीवन बीमा निगम झुमरी तिलैया शाखा में भारतीय जीवन बीमा निगम की 69 वां स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम कि शुरुआत कोडरमा थर्मल पावर स्टेशन के सी जी एम मनोज ठाकुर एवं वरिष्ठ शाखा प्रबंधक मोहम्मद कैसर हुसैन के द्वारा दीप प्रज्वलित कर के किया गया। अपने स्वागत भाषण में वरिष्ठ शाखा प्रबंधक ने कहा कि 1 सितंबर को भारतीय जीवन बीमा निगम अपने गौरवपूर्ण अस्तित्व के 69 वर्ष पूर्ण करने जा रही है। इस अवसर पर एलआईसी के बीमा धारकों, कर्मचारियों, अधिकारियों ,विक्रय वाहिनी के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा के प्रति समर्पित देश के प्रत्येक नागरिकों को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। 245 से अधिक निजी बीमा कंपनियों को समाहित कर 1 सितंबर 1956 को संसद के कानून के जरिए जीवन बीमा के राष्ट्रीयकरण के निर्णय के तहत इसकी स्थापना की गई थी। तब से लेकर आज तक इस यात्रा में एलआईसी ने आम जनों तक बीमा की पहुंच उपलब्ध कराया । अपने आदर्श वाक्य ह्यजनता का पैसा जनता के लिएह्व के अनुरूप, एलआईसी ने 31 मार्च 2025 तक बड़े पैमाने पर समुदाय के लाभ के लिए 54,52,296 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। इसने अब तक केंद्र और राज्य सरकार की प्रतिभूतियों और आवास, बिजली, सिंचाई, सड़क और पुल, रेलवे आदि के लिए निवेश के रूप में 37,19,932 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। 31.03.2025 तक, एलआईसी के पास देश में 56,22,929 करोड़ रुपये का मजबूत वित्तीय परिसंपत्ति आधार है। अपने 100 करोड़ के पूंजी आधार पर, एलआईसी ने अब तक भारत सरकार को लाभांश के रूप में 38,000 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया है और हर साल भारतीय राजकोष को आयकर, जीएसटी आदि के माध्यम से लगभग 10,000 करोड़ रुपये भुगतान कर रही है। एलआईसी लगभग 99% दावों का निपटारा करती है और दावा निपटान में हमेशा ह्यविश्व नंबर 1ह्व रही है। पिछले वित्तीय वर्ष में एलआईसी ने 229.31 लाख दावा का भुगतान किया। एलआईसी ने दावा के रूप में कुल 2,69,243.59 करोड रुपए से ज्यादा का भुगतान किया। एलआईसी की कुल आमदनी वित्तीय वर्ष 2024 -25 में 8,81,434.07 करोड रुपए रही तथा इसने पॉलिसी धारकों के बीच कुल 4,16,354.69 करोड रुपए का भुगतान किया। एलआईसी ने बोनस के रूप में अपने पॉलिसी धारकों के बीच में 56,190.24 करोड़ बांटा। एल आई सी का कर पश्चात लाभकर पश्चात लाभ 48,151 करोड़ रूपया रहा जो कि पिछले वर्ष के मुकाबले 18.38 प्रतिशत ज्यादा था। एलआईसी आज भारत का सबसे बड़ा जीवन बीमा कर्ता है, बाजार में अग्रणी है। भारतीय जीवन बीमा निगम ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में 24 घंटे में सबसे ज्यादा जीवन बीमा पॉलिसी बेचने का खिताब हासिल किया है इसने 24 घंटे में 20 जनवरी 2025 को पूरे भारत में 588160 जीवन बीमा पॉलिसी बेचकर सबसे अधिक जीवन बीमा पॉलिसी रिकॉर्ड जाने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स खिताब हासिल किया है।

संक्षिप्त खबरें

बोकारो के कुलिंग पोंड नंबर दो में दुर्गा पूजा उत्सव को लेकर किया गया भूमि पूजन

बोकारो : जिला के हरला थाना अंतर्गत बसंती मोड कुलिंग पोंड नंबर दो में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दुर्गा पूजा उत्सव को लेकर श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति बसंती मोड कुलिंग पोंड नंबर दो के समक्ष हनुमान मंदिर प्रांगण मे परशुराम चौहान के नेतृत्व में बैठक का आयोजन किया गया।इस बैठक में सर्वप्रथम सर्वसम्मति से पूजा समिति के अध्यक्ष के रूप में संतोष चौधरी उपाध्यक्ष जेपी पंडित सचिव संजय सिंह महासचिव प्यारेलाल शर्मा कोषाध्यक्ष लालबाबू हसदा, मेला प्रभारी सूरज शर्मा समिति द्वारा चयनित कर बनाए गए, साथ ही साथ विद्वत पूजा अर्चना के साथ दुर्गा पूजा उत्सव को लेकर भूमि पूजन किया गया। इस बैठक में स्थानीय लोगों में शामिल मुख्य रूप से आदित्य शुक्ला, मनोज कुमार,आकाश कुमार, मनीष कुमार, रुपेश कुमार, विजय चौधरी, अंकित कुमार, विशाल कुमार, सहित सैकड़ो की संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए। और दुर्गा पूजा उत्सव धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। आपको बता दें कि यह दुर्गा पूजा उत्सव सन 1985 से होते आ रहा है। दुर्गा पूजा समिति की आयोजित बैठक में युवा नौजवानों की खास भागीदारी देखी गई। इसलिए इस बार की दुर्गा पूजा उत्सव मनाने का कमान युवाओं के हाथ में सोपा गया है। वहीं दुर्गा पूजा समिति के चयनित अध्यक्ष ने कहा कि प्रत्येक वर्ष हमारी समिति विधि विधान के साथ पूजा करते आई है और हमें विधि विधान से पूजा करने पर विश्वास है और इस बार की भी पूजा विधि विधान के साथ होगी। माता रानी हमें और हमारी समिति को शक्ति प्रदान करें कि हम मां दुर्गा की पूजा अर्चना करने में सफल हो सके।

खेल सम्मेलन में गूंजी खिलाड़ियों की आवाज, सम्मानित हुए कोच मनोज कुमार शर्मा

बोकारो : झारखंड स्पोर्ट्स सोसाइटी के तत्वावधान में राजधानी रांची में राज्यस्तरीय खेल समागम का आयोजन किया गया। इस मौके पर बोकारो जिले के कबड्डी कोच मनोज कुमार शर्मा को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सम्मेलन में झारखंड में खेल और खिलाड़ियों के विकास को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। खिलाड़ियों ने मंच से अपनी समस्याओं को पूरे आत्मविश्वास के साथ सामने रखा। उनका कहना था कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने के बावजूद उन्हें राज्य में अपेक्षित सम्मान और रोजगार नहीं मिल सका है। खिलाड़ियों ने बताया कि राज्य निर्माण के 24 सालों में अब तक मात्र 44 खिलाड़ियों को ही नौकरी मिली है, जिनमें से 39 नियुक्तियां हेमंत सरकार ने 2021 में की थीं। आज भी झारखंड के कई खिलाड़ी मजबूरीवश सब्जी बेचने, ठेला लगाने और फास्ट फूड की दुकान चलाने को विवश हैं। कार्यक्रम में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के. राज, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व खेल मंत्री बंधुतिर्की और जेएससीए के चैयरमैन अजयनाथ शाहदेव विशेष रूप से मौजूद थे। वक्ताओं ने खिलाड़ियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि भविष्य में खेल और खिलाड़ियों के उत्थान के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

विशेष आधार शिविर से आम जनो को मिल रहा लाभ

मरकच्चो : उपायुक्त कोडरमा के निदेशानुसार प्रखंड विकास पदाधिकारी हुलास महतो द्वारा मरकच्चो में छुटे हुए PVTG वर्ग के लोगों/0–5 वर्ष के बच्चे/प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की महिलाए/पोषाहार THR प्राप्त करने वाली महिलाए/स्कूल के बच्चे/आंगनवाड़ी केंद्र के बच्चों का आधार कार्ड बनाने हेतु दिनांक 01.09.2025 विशेष आधार कैंप का आयोजन पंचायत भवन पपलो में किया गया। इस विशेष कार्य को प्रखंड स्तरीय आधार एनरोलमेंट ऑपरेटर राजेश कुमार के द्वारा किया गया इसके लिए सभी जन प्रतिनिधि, आंगनबाड़ी कर्मियों एवं आम जनो को अपने क्षेत्र में प्रचार प्रसार करने का निर्देश प्राप्त है। इस कैंप में कुल 27 आधार कार्ड बनाये गए। कैंप से महिलाओं एवं स्कूल के बच्चों को लाभ मिल रहा है। इसमें मुखिया प्रतिनिधि सुरेंद्र यादव एवं पंचायत सहायक अनिल यादव मौजूद रहे।

डिप्टी कलेक्टर में चयनित उदय शेखर का टुघरी में हुआ स्वागत

चास : प्रखण्ड के बोदरो गाँव के उदय शेखर ने जेपीएससी में 95 वां रेंक प्राप्त कर डिप्टी कलेक्टर बनने के बाद सोमवार को अपने टुघरी गाँव नाना – नानी घर पहुंचे जहां पर परिवार व ग्रामीण ने मिठाई खिलाकर ल माला पहनाकर –गुलदस्ता देकर भव्य स्वागत किया। गाँव में खुशी का माहौल था। उदय शेखर ने कहा कि प्रशिक्षण में जाने के पुर्व नाना नानी व बडो.का आशीर्वाद लेने पहुंचे हैं। उन्होंने ने उपस्थित युवक को अपनी सफलता के क ई गुर भी बताये। मुझे 9 वर्ष की मेहनत का परिणाम है। मै भारत सरकार कोयला मंत्रालय में कार्य करता था। सेल्फ स्टडी और लाईव 3 गुरुकुल संस्थान रांची से अनलाइन नोट्स मांगा कर रहे अध्ययन करता था। नाना भुवन चन्द्र महथा व नानी माँ बाई सदस्य पुणामाँ देवी ने बधाई देते हुए कहा उदय शेखर ने मातृ व पितृ कुल दोनों परिवार के साथ क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उज्ज्वल भविष्य की कामना किया। मौके पर भुवन चन्द्र महथा, पुर्णिमा देवी, डा० विकास कुमार, जयतीथ तिवारी, रणजीत महथा, विष्णु कुमार महथा, राधानाथ महथा, नमीता देवी, सीत राम महथा, युधिष्टिर महथा, वंदना कुमार, बिनोद महथा, सुंदर लाल, कुंदन महथा, रमेशचन्द्र महथा, प्रेमचंद महथा आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

एक नजर

हाथी के हमले से युवती की दर्दनाक मौत, वन विभाग की लापरवाही पर भड़के ग्रामीण

सरिया : सरिया में हाथी के हमले से युवती की दर्दनाक मौत, वन विभाग की लापरवाही पर ग्रामीणों का गुस्सा सरिया: सरिया थाना क्षेत्र के घुठिया पेसरा जंगल में रविवार संध्या करीब 6 बजे जंगली हाथी के हमले में 28 वर्षीया किरण देवी, पत्नी राजू यादव, की दर्दनाक मृत्यु हो गई। किरण खेत से धान निका कर लौट रही थीं, जब यह हादसा हुआ। घटना की सूचना अमनारी के मुखिया अजय यादव, घुठिया पेसरा के मुखिया संजय उर्फ पिंटू यादव और पंसस प्रतिनिधि मुकेश यादव ने संध्या 6 बजे ही वन विभाग को दे दी थी। इसके बावजूद, विभाग के कर्मचारी रात 9:30 बजे मौके पर पहुंचे, जिससे ग्रामीणों ने घोर लापरवाही बताया। यह क्षेत्र घने जंगल से घिरा है, जहां हाथियों का झुंड अक्सर घरों, फसलों और स्कूलों को नुकसान पहुंचाता है। ग्रामीण और जनप्रतिनिधि रात-रातभर जागकर हाथियों को भगाने की कोशिश करते हैं। पूर्व में वन विभाग से सोलर लाइट, टॉर्च और पटाखों की मांग के लिए कई आवेदन दिए गए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

रात के अंधेरे में बालू का अवैध कारोबार जोरों पर, प्रशासन मौन

सिल्ली: एनजीटी द्वारा रोक लगाने के बावजूद सिल्ली में धड़ल्ले से अवैध बालू का कारोबार जारी है। रात भर हाईवा और ट्रैक्टर द्वारा बालू की ढुलाई से स्थानीय लोगों की नींद हराम हो गई है। प्रशासन की चुप्पी से बालू माफियाओं की लाखों रुपए की कमाई हो रही है वहीं सरकार को राजस्व की क्षति हो रही है। बालू की ढुलाई के कारण नदियों का अस्तित्व पर भी खतरा बढ़ गया है और पर्यावरण पर भी बुरा असर पड़ रहा है। ग्रामीण बताते हैं कि यदि बालू खुदाई का कार्य इसी तरह चलता रहा तो नदी का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा और परिणाम भयावह हो सकते हैं।

राज्य योगासन प्रतियोगिता मे कोडरमा की बालक टीम बनी विजेता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : छठी झारखंड राज्य योगासन स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का आयोजन बोकारो जिला के दिल्ली पब्लिक स्कूल में दिनांक 29 से 31 अगस्त तक आयोजित की गई थी जिसमें झारखंड राज्य के विभिन्न जिलों से 300 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया इसमें कोडरमा जिला से चयनित 12 खिलाड़ियों ने अपनी प्रस्तुति दी जिसमें 12 में से 10 खिलाड़ियों ने पदक प्राप्त करने में सफलता हासिल की इस प्रतियोगिता में कोडरमा जिला के योगासन टीम ने सब जूनियर बालक वर्ग में झारखंड राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में कोडरमा जिला के योगासन खिलाड़ियों ने 4 स्वर्ण 2 रजत एवं 6 कांस्य पदक प्राप्त किया जिसमें स्वर्ण पदक सब जूनियर बालक वर्ग में मेरिडियन अकादमी के छात्र दीक्षित राज ने ट्रेडिशनल इंडिविजुअल इवेंट में प्राप्त किया, ग्रिजली विद्यालय के छात्र लव कुमार शर्मा ने बैक बेंडिंग इंडिविजुअल एवं ट्विस्टिंग बॉडी इंडिविजुअल इवेंट में 2 स्वर्ण पदक प्राप्त किया , ग्रिजली विद्यालय के ही दिवाकर कुमार एवं ओम शर्मा की जोड़ी ने तलात्मक युगल इवेंट में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। रजत पदक आकाश योग केंद्र के शिवम कुमार ने हैंड बैलेंस इंडिविजुअल इवेंट में एवं ग्रिजली पब्लिक स्कूल के नमन जैन ने कलात्मक अकाल इवेंट में प्राप्त किया , कांस्य पदक मेरिडियन अकादमी के छात्र दीक्षित राज ने कलात्मक अकाल इवेंट में, आकाश योग केंद्र के छात्र कौशिक कुमार ने हैंड बैलेंस इंडिविजुअल इवेंट में, बीआर इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा अदिति कुमारी बैक बेंडिंग इंडिविजुअल इवेंट में, सेक्रेड हार्ट स्कूल की छात्रा अनुश्री ने कलात्मक अकाल इवेंट में एवं जूनियर ग्रुप में आकाश योग केंद्र की छात्रा पलक कुमारी ने बैक बेंडिंग इंडिविजुअल इवेंट में प्राप्त किया। स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी संगमनेर महाराष्ट्र मे 30 दिसंबर 2025 से 1 जनवरी 2026 तक आयोजित प्रतियोगिता मे हिस्सा लेंगे। कोडरमा जिला से इस प्रतियोगिता के लिए, पुरुष वर्ग के प्रशिक्षक उमेश कुमार विश्वकर्मा एवं महिला वर्ग की प्रशिक्षिका ईशा कुमारी टीम के कप्तान एवं मैनेजर आकाश कुमार सेठ टीम के साथ थे। सभी विजेता खिलाड़ियों को सेक्रेड हार्ट स्कूल के डायरेक्टर प्रमोद कुमार, प्राचार्य प्रमोद शर्मा, ग्रिजली विद्यालय के डायरेक्टर अविनाश सेठ एवं मनीष कपसीमे, सीईओ प्रकाश गुप्ता, मेरिडियन अकेडमी डायरेक्टर श्रीनिवास कुमार, बी आर इंटरनेशनल के डायरेक्टर ओम प्रकाश रॉय, प्रशासक सुनील कुमार,योगासन स्पोर्ट एसोसिएशन ऑफ झारखंड के अध्यक्ष, मनोज कुमार तिवारी,पूर्व सचिव विपिन कुमार पांडे, सचिव चंदू कुमार, कोडरमा जिला योगासन स्पोर्ट्स संघ के अध्यक्ष आकाश कुमार सेठ, वरीय उपाध्यक्ष तौफीक हुसैन सचिव धीरज कुमार पांडे, कोषाध्यक्ष ईशा कुमारी उपाध्यक्ष प्रियंका रानी, श्वेता देवी,संयुक्त सचिव अरविंद कुमार, सतीश कुमार सिन्हा,सह कोषाध्यक्ष स्वीटी कुमारी, कार्यकारिणी सदस्य पल्लवी कुमारी, शिवानी कुमारी, मनोज कुमार यादव, नेहा कुटीरयार,ने बधाई दिया एवं आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी।

पटमदा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में व्यवस्था दिखी लचर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पटमदा और बोड़ाम प्रखंड का एकमात्र सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में व्यवस्था काफी लचर देखी गई। ओपीडी में डॉक्टर तो मौजूद मिले। स्वास्थ्य केंद्र में प्रेशर मापने का मशीन का बैटरी लॉ होने की जानकारी विभागबके स्वास्थ्य कर्मी द्वारा दी गई। वही प्रसव उपरांत सीएचसी से निर्गत होने वाले जन्म प्रमाण पत्र के निर्गत में भी काफी दिक्कत होने की जानकारी लाभुको के द्वारा दी गई। लावजोड़ा के मंटू सिंह बताते हैं कि काफी दिनों से जन्म प्रमाण पत्र के लिए अस्पताल का चक्कर काट रहे हैं। सुबह से शाम तक इंतजार करने के बाद अगले दिन का समय दे दिया जाता है। बानतोड़िया के गणेश सिंह बताते हैं कि मेरे बच्चे का ऑफ लाइन जन्म प्रमाण पत्र पहले से बना था। जिसको ऑन लाइन करने के लिए अपलाई किया।चार माह बीत गए अब तक ऑन लाइन जन्म प्रमाण पत्र नहीं मिला। सीएचसी के प्रभारी चिकित्सा डॉक्टर आर के सिंह से बात करने पर उन्होंने कहा कि मेरा कुछ दिन पहले पटमदा सीएचसी में पदस्थापन हुआ है।जल्द सीएचसी के कर्मियों को अपने कार्यो को बेहतर करने के साथ व्यवस्था सुधार किया जाएगा। किसी भी मरीज को किसी प्रकार का समस्या नहीं होगा।वर्तमान में सीएचसी में चिकित्सकों की भी कमी है। पर्याप्त डॉक्टर मिलने से सब कार्य सुचारु रूप से चलेगा।

नर्सिंग इस्पात में उत्पादन वृद्धि पर जनसुनवाई ग्रामीणों ने प्रदूषण और मजदूरी मुद्दों पर जताया विरोध

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौका : नर्सिंग इस्पात में उत्पादन वृद्धि के लिए कंपनी के अंदर कंपनी परिसर में ही जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस जनसुनवाई में सरायकेला खरसावां जिले के अपर उपायुक्त जयवर्धन कुमार, क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण परिषद के क्षेत्रीय पदाधिकारी जितेंद्र कुमार सिंह और प्रदूषण नियंत्रण परिषद की सहायक वैज्ञानिक श्रीमती प्रियंका कुमारी के उपस्थिति में हुई। हालांकि ग्रामीणों की मांग थी कि सनी खुले मैदान में होनी चाहिए और साथ ही साथ लोगों की सुविधा अनुसार उत्पादन वृद्धि होनी चाहिए।ईचागढ़ विधानसभा से विकास चुनाव के जेकेएलएम के प्रत्याशी तरुण महतो ने कहा कि हम उत्पादन वृद्धि या औद्योगिक विकास के विरोधी नहीं है परंतु जो भी उद्योग लगे उसमें विस्थापितों को रोजगार तथा जिनका जमीन लिया जाए उन जमीन मालिकों को उचित मुआवजा के साथ-साथ सी एस आर के तहत क्षेत्र में एम्बुलेंस, शिक्षा आदि सुविधाओं को प्रदान करें। खूंटी गांव के पंचायत समिति सदस्य परीक्षित महतो ने कहा यह कंपनी 18 वर्षों में विकास के लिए कुछ भी नहीं की और तो और मजदूरों को उचित मजदूरी तक नहीं मिलता है। प्रभावित ग्रामीण में से एक अलका देवी ने कहा कि हमारा विरोध कंपनी द्वारा फैलाई जा रहे प्रदूषण और मजदूरों को यथोचित मजदूरी नहीं देने को लेकर है। कुछ अन्य ग्रामीणों ने भी कंपनी द्वारा उचित मजदूरी नहीं देने की शिकायत की। विरोध का सार सारांश यही प्रतीत हो रहा है कि कंपनी द्वारा फैलाई जा रहे प्रदूषण और न्यूनतम मजदूरी तथा सर की अनदेखी करने के कारण यह विरोध हो रहा है जिसमें निश्चय ही सरकारी विभाग भी अनदेखी के प्रश्रय का अनुभागी है।

पटमदा थाना क्षेत्र में साप्ताहिक हाट में चलाया नशा मुक्ति अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पटमदा थाना क्षेत्र में पटमदा अंचल निरीक्षक गुलाम रब्बानी के नेतृत्व में जिला के एसएसपी के निर्देश पर नशा मुक्ति अभियान चलाया गया। इस दौरान अन्वेषा संस्था ओर मिराकी संस्था के द्वारा जागरूकता अभियान एस एस प्लस टू विद्यालय पटमदा के छात्रों ओर शिक्षकों के सहयोग से साप्ताहिक हाट बाजार में नशा के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान में पटमदा अंचल निरीक्षक गुलाम रब्बानी, थाना प्रभारी करम पाल भगत, विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू,भाजपा नेता मुचीराम बाउरी, मिराकी ट्रस्ट की रीता पात्रा ,रामकृष्ण महतो, प्राचार्य डॉ मिथिलेश कुमार सहित काफी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता और स्कूली छात्र छात्राएं शामिल थीं।

हरकटवा गांव के लिए अंडरग्राउंड रास्ता निर्माण की मांग विधायक नागेंद्र महतो ने डीआरएम से की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : प्रखंड के बरवाडीह पंचायत अंतर्गत हरकटवा गांव में रेलवे अंडरग्राउंड रास्ता निर्माण और पारंपरिक रास्ते को खुला रखने की मांग को लेकर बगोदर विधायक सह झारखंड विधानसभा के सचेतक नागेंद्र महतो ने धनबाद डीआरएम से मुलाकात की। यह गांव तीन तरफ से नदी और एक तरफ रेलवे लाइन से घिरा है, जहां लगभग 1500 निवासी वर्षों से रह रहे हैं। ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, शादी-विवाह, मृत्यु संस्कार और खेती-बारी जैसे दैनिक कार्यों में समुचित रास्ते के अभाव में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में रेलखंड के चौड़ीकरण के कारण चार लाइन बनाए जाने से ग्रामीणों का पारंपरिक रास्ता बंद हो गया है। यह गांव मुख्य रूप से खेती पर निर्भर है, और ग्रामीणों की जमीन रेलवे लाइन के दूसरी ओर भी है, जहां कृषि कार्य और मवेशियों के लिए, प्रतिदिन आवागमन आवश्यक है। विधायक नागेंद्र महतो ने डीआरएम से पोल संख्या अप 351/19, 351/21 और डाउन 351/20, 351/22 के बीच स्थायी अंडरग्राउंड रास्ता निर्माण की स्वीकृति और पारंपरिक रास्ते को खुला रखने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे हरकटवा गांव के निवासियों को लंबे समय से हो रही परेशानियों से राहत मिलेगी। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि देवनाथ राणा, मुखिया सह मंडल अध्यक्ष अजय यादव, सांसद प्रतिनिधि विनोद यादव, भाजपा नेता बब्लू मंडल, मुकेश यादव, चंदन बजरंगी, मो. इसराफिल, शतीरुद्दीन आदि मौजूद रहे।

कोलकाता में तलावृत्तम 2025: भरतनाट्यम नर्तक मोहन सहीस की प्रस्तुति ने मोहा मन, मिला सम्मान

अतिथिः शुक्ला चक्रवर्ती, सचिव, निखिल भारत संगीत समिति अशोक चक्रवर्ती, अध्यक्ष, निखिल भारत संगीत समिति डॉ. प्रो. आशीष कुमार मुखोपाध्याय, मार्गदर्शक, अक्खळ्य सुदीप मुखोपाध्याय, लोकप्रिय समाचार प्रस्तुतकर्ता, दो बांग्ला मोहन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मुरी : सिल्ली को नृत्यबिका डांस एकेडमी, कोलकाता के तत्वावधान में वार्षिक कार्यक्रम तलावृत्तम 2025 का आयोजन रविवार को महाजाति सदन में संध्या 4 बजे से रात्रि 9 बजे तक भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर झारखंड के मुरी सिल्ली निवासी, भारत के प्रख्यात युवा भरतनाट्यम नर्तक मोहन सहीस मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम के निर्देशक एवं नृत्यबिका डांस एकेडमी के डायरेक्टर सौगाता कुंडू के कुशल निर्देशन में यह आयोजन कला और संस्कृति का अनुपम संगम बना। कार्यक्रम में चार चाँद उस समय लगे जब मोहन सहीस अपनी भरतनाट्यम प्रस्तुति के साथ मंच पर अवतरित हुए। उनकी अभिव्यक्ति, भावभंगिमा और लयकारी ने पूरे सभागार को मंत्रमुग्ध कर दिया। जैसे ही प्रस्तुति का समापन हुआ, पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इसके उपरांत कार्यक्रम निदेशक सौगाता कुंडू द्वारा मोहन सहीस को सम्मानित किया गया। सम्मान ग्रहण करते हुए मोहन ने कहा आज यदि मैं आपके समक्ष मंच पर खड़ा होकर अपनी प्रस्तुति दे पा रहा हूँ तो उसका श्रेय मेरे गुरुजनों, मेरे शुभचिंतक मित्रों और मेरे माता-पिता को जाता है। साथ ही उन्होंने अपने डांस इंस्टीट्यूट डी डब्लू एम डांस स्टूडियो की गतिविधियों से भी अतिथियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट सहीस का परिचय झारखंड के युवा नृत्यरत्न मोहन सहीस ने भरतनाट्यम के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। 2022 में राबा रत्न 2023 में विश्व रत्न झारखंड के राज्यपाल श्री सी.पी. सिंह द्वारा सम्मान बॉलीवुड कोरियोग्राफर मास्टर मरजी से बेस्ट कोरियोग्राफर अवॉर्ड वर्तमान में वे बॉलीवुड की प्रसिद्ध कोरियोग्राफर अलीशा सिंह के सहायक के रूप में कार्यरत हैं। मोहन का नाम भारत के शीर्ष 10 भरतनाट्यम नर्तकों में शुमार है और उनका नाम परिवेश बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है। कार्यक्रम का समापन गरिमामयी वातावरण में हुआ, जहाँ मोहन सहीस की प्रस्तुति एवं सम्मान समारोह मुख्य आकर्षण रहा।

संक्षिप्त खबरें

एलपीजी उपभोक्ता कल्याण विकास समिति का कार्यालय उद्घाटन, मुफ्त गैस चूल्हा मरम्मत सेवा शुरू

सरिया: सोमवार को स्टेशन रोड, सरिया में शंभू मंडल के आवास पर एलपीजी उपभोक्ता कल्याण विकास समिति नामक एनजीओ के कार्यालय का उद्घाटन सरिया प्रखंड प्रमुख प्रीति कुमारी ने किया। इस अवसर पर प्रीति कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि यह कार्यालय गैस उपभोक्ताओं को मुफ्त चूल्हा मरम्मत सेवा प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं को मात्र 99 रुपये वार्षिक शुल्क देना होगा, जिसके बाद उन्हें एक कार्ड प्रदान किया जाएगा। इस कार्ड पर कार्यालय का मोबाइल नंबर अंकित होगा। गैस चूल्हे में किसी भी खराबी की स्थिति में उपभोक्ता इस नंबर पर संपर्क कर सकते हैं, और समिति का कारीगर उनके घर जाकर निशुल्क मरम्मत करेगा। यह पहल उपभोक्ताओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखकर शुरू की गई है।मौके पर विदेश रक्षित,पंकज झा,शंभू मंडल,पिंकी कुमारी,रंजीत मंडल,चक्रधर मंडल,डिंपल कुमारी अजय मंडल,सुमन देवी,विभा देवी,डोली रानी,सुनीता सहाय,किरण देवी,सुमन देवी,ललिता देवी समेत कई लोग कार्यक्रम में मौजूद थे।

दो दिवसीय खेलो झारखंड प्रखंड स्तरीय प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

सरिया: खेलो झारखंड के प्रखंड स्तरीय दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन सरिया स्टेडियम में सोमवार को आरंभ किया गया। जिसका शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी सरिया ललित नारायण तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस कार्यक्रम में कुछ एथेलेटिक्स इवेंट्स जैसे 100 मीटर,200मीटर,400 मीटर,800 मीटर के दौड़,ऊंची कूद,लंबी कूद समेत अनेक इवेंट्स तीन वर्गों अंडर 14,अंडर 17,और अंडर 19 के लिए बालक बालिकाओं के लिए अलग अलग आयोजित किए गए.इसके अलावे खो खो कबड्डी आदि खेल भी आयोजित किए जाएंगे.इस आयोजन में प्रखंड के अनेक विद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया.जिसमें मुख्य रूप से मध्य विद्यालय सरिया,मध्य विद्यालय मंदरामो,उत्क्रमित मध्य विद्यालय चंद्रमारणी,प्लस टू सरिया,प्लस टू केशवारी,प्लस टू कसियाडीह,उच्च विद्यालय परसिया,चिरुवां कपिलो समेत अन्य स्कूल के बच्चे शामिल हुए.मौके पर वीरेंद्र कुमार पांडेय, तारकेश्वर मोदी मिथिलेश ठाकुर, टेकलाल कुमार, लक्ष्मी नारायण पांडेय,किरण वर्मा,चक्रधारी कुमार,राजेंद्र ठाकुर सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

कार्य के प्रति समर्पण होना ही कर्मयोगी की परिभाषा : सीओ

पटमदा: जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित विकसित भारत योजना के तहत संचालित आदि कर्मयोगी प्रशिक्षण शिविर के प्रथम दिवस में प्रखंड स्तरीय कर्मयोगी को प्रशिक्षण दिया गया। आदि से समाज में रहने वाले आदिवासियों के बीच जाकर विकसित करने की जरूरत है। अंचलाधिकारी डॉ राजेंद्र कुमार दास ने कहा कि सरकार के अभियान को सफल बनाना हमारा कर्तव्य है। प्रशिक्षण का उद्देश्य पूरा करने को तैयार रहे। विकसित समाज के लिए शिक्षा,स्वास्थ्य,स्वच्छता,आवास आवश्यक है। आदि कर्मयोगी अभियान भारतीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण से समाज के लोगों के बीच एक सहयोगी बनकर उनके उत्थान को बढ़ावा देना है। अपने कार्य के प्रति समर्पित होकर कार्य करना ही सफल कर्मयोगी का सफल उदाहरण है इस दौरान आदि कर्मयोगी प्रशिक्षण शिविर में डॉ राजेंद्र कुमार दास,मास्टर ट्रेनर बीएओ देव कुमार,अभय कुमार, जेई डी के दास ,सीडीपीओ सुनीता केरकेट्टा ने सभी प्रशिक्षणार्थियों के बीच अपने विचारों को प्रस्तुत किया।

कार्यालय जिला शिक्षा अधीक्षक, राँची

आवश्यक सूचना (द्वितीय चरण)

निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 (आर.टी.ई). के अंतर्गत सत्र 2025–26 में प्रवेश कक्षा के 25 प्रतिशत शेष रिक्त सीटों पर द्वितीय चरण द्वारा ऑनलाइन नामांकन की प्रक्रिया पूर्ण करने के संबंध में

निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 12 (1) (C) एवं विभागीय अधिसूचना संख्या 237 दिनांक 16.02.16 एवं कार्यालय पत्रांक 1120 दिनांक 11.04.2025 के आलोक में अभिवंचित समूह एवं कमजोर वर्ग के बच्चों के नामांकन के प्रथम चरण की प्रक्रिया पूर्ण हो गई है। प्रथम चरण के नामांकन के पश्चात् विद्यालयों में कुछ सीटें रिक्त रह गयी है। रिक्त सीटों पर द्वितीय चरण में नामांकन किया जाना है।

इस हेतु निम्नांकित निदेश दिये जाते हैं:

- नामांकन की पूरी प्रक्रिया जिले के वेबसाईट www.rteranchi.in पर ऑनलाइन की जायेगी।
- संबंधित विद्यालयों के लिए द्वितीय चरण में नामांकन हेतु ऑनलाइन आवेदन दिनांक 03.09.2025 से 10.09.2025 तक किया जा सकेगा।
- द्वितीय चरण में भाग केवल वैसे अभ्यर्थी भाग लेंगे जिसने पूर्व में आवेदन किया हो एवं जाँचोपरांत आवेदन पत्र योग्य पाया गया हो। नये अभ्यर्थी के द्वारा आवेदन स्वीकार नहीं होगा।
- वेबसाइट पर विद्यालयवार रिक्त सीटों का विवरण अंकित है। अभ्यर्थी /अभिभावक के द्वारा पड़ोस के (क्रमशः 01 कि.मी., 03 कि.मी. एवं अंततः 06 कि.मी. दूरी सीमा तक) विद्यालय का चयन कर आवेदन करना है।
- प्रत्येक अभ्यर्थी /अभिभावक को अपने Login id से संबंधित वेबसाइट पर केवल एक विद्यालय का चयन करना होगा जहाँ सीटें रिक्त हो एवं संबंधित विद्यालय से अपने घर की दूरी कि0मी0 में अंकित कर आवेदन Submit करनी होगी।
- उपरोक्त अंकित दूरी के अनुसार द्वितीय चरण के ऑनलाइन लॉटरी की प्रक्रिया दिनांक 13.09.2025 को जिला समाहरणालय में पूर्ण की जायेगी।

ह0/–
जिला शिक्षा अधीक्षक–सह–अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी–सह–नोडल पदाधिकारी, RTE, राँची

PR 360987 Human Resource Developement(25-26)#D

झारखण्ड सरकार

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पूर्व, राँची।

ई0 प्रोक्योरमेन्ट अति–अल्पकालीन निविदा सूचना

T. Reference No. :- O & M BUNDU -16/2025-26 Date 29.08.2025

Sl.No.	Name of Work	Estimated Cost (in Lakhs.)	Bid Security (Lakhs.)	Cost of BOQ (Rs.)	Time of Completion
1.	Annual Operation and maintenance work of 7 MLD capacity W.T.P. Bundu Urban Pipe Water Supply Scheme for the year 2025-28 (For 3 Years) under D.W. & S. Division, Ranchi East, Ranchi.	89.78210 Lakh	1.80 Lakh	10000.00	2.5 Years
2.	Date of Tender Uploading on Website	10.09.2025/02.00 PM.			
3.	Document Download / Sale Start Date	10.09.2025/02.00 PM.			
4.	Bid Submission Start Date	10.09.2025/02.00 PM.			
5.	Document Download / Sale End Date	18.09.2025/04.00 PM.			
6.	Bid Submission End Date	18.09.2025/04.00 PM.			
7.	Date of Opening of Tender	20.09.2025/11.00 AM.			
8.	Name & Address of Office Inviting Tender	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Ranchi East, Ranchi.			
9.	Name & Address of Opening Officer	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Ranchi East, Ranchi.			
10.	Contact No. Of Procurement Officer	0651-3560890			
11.	Helpline No. Of e-procurement cell	0651-3560890			

नोटः–1. निविदा की राशि घट बढ़ सकती है। विशेष जानकारी के लिये वेबसाईट – http://jharkahndtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पूर्व, राँची।

PR 360969 Drinking Water and Sanitation(25-26)D

मोदी सरकार में डिजिटल इंडिया की इस उपलब्धि को सराहा जाना जरूरी है

भारत के डिजिटल सफर में एक नया मील का पत्थर जुड़ चुका है। जब कई राज्य सरकारें अब भी अपनी योजनाओं और सेवाओं को एक मंच पर लाने के लिए संघर्ष करती दिखती हैं, तब केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है, जिसने नागरिक सेवाओं को पूरी तरह डिजिटल, सरल और सुलभ बना दिया है। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (एनईजीडी) ने डिजिलॉकर और ई-डिस्ट्रिक्ट प्लेटफॉर्म को जोड़ते हुए 1900 से अधिक सरकारी सेवाओं का अखिल भारतीय स्तर पर एकीकरण कर दिया, जो निश्चित ही किसी चमत्कार से कम नहीं है। यह कदम न केवल समय और ऊर्जा की बचत करेगा बल्कि भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगाएगा। जब नागरिक सीधे ऑनलाइन सेवाओं तक पहुंच सकते हैं तो बिचौलियों की भूमिका स्वतः समाप्त हो जाएगी।

वस्?तुतः आज इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि अब देश का हर नागरिक कहीं भी, कभी भी अपनी आवश्यक सेवाओं तक आसानी से पहुंच सकेगा, बिना किसी भटकाव या अतिरिक्त प्रक्रियाओं के अपने हाथ में थामें मोबाइल फोन के सहारे। यह न केवल सुविधा का प्रश्न है बल्कि सुशासन और पारदर्शिता की दिशा में एक ठोस कदम भी है। इस पहल से नागरिकों का जीवन सरल होगा, उन्हें अपने दस्तावेजों और योजनाओं से जुड़ी जानकारी के लिए अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

देखा जाए तो डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का मूल उद्देश्य नागरिकों को सशक्त बनाना और शासन को पारदर्शी बनाना है। यह पहल उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री मोदी का विजन हमेशा से यही रहा है कि तकनीक का उपयोग केवल सुविधाजनक साधन के रूप में न होकर, यह नागरिकों के अधिकारों और सुविधाओं का सशक्तिकरण भी करे। ई-गवर्नेंस सेवाओं का यह राष्ट्रीय स्तर पर एकीकरण बताता है कि केंद्र सरकार किस तरह से प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए नागरिकों को सीधे और सरल रूप से शासन से जोड़ने का प्रयास कर रही है।

सेवाओं का राष्ट्रीय स्तर पर एकीकरण

वस्तुतः इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के अंतर्गत आने वाले एनईजीडी ने यह सुनिश्चित किया है कि सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के नागरिक अब एक ही प्लेटफॉर्म से तमाम सेवाओं का लाभ ले सकें। इसमें प्रमाण-पत्रों का निर्गमन, कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और उनका लाभ, सुविधा केंद्रों के माध्यम से भुगतान और अन्य प्रशासनिक सेवाएं शामिल हैं। इससे शासन व्यवस्था में न केवल तेजी आएगी बल्कि दक्षता और पारदर्शिता भी बढ़ेगी। डिजिटल इंडिया का यह कदम सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्राप्ति में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। कागज रहित और गतिशील प्रशासन की दिशा में यह प्रयोग भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए और भी प्रासंगिक हो गया है।

इस एकीकरण ने राज्यों के बीच डिजिटल सेवाओं की संख्या को लेकर एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण भी तैयार किया है। महाराष्ट्र इस मामले में सबसे आगे है, जहां नागरिकों के लिए 254 सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसके बाद दिल्ली 123 सेवाओं के साथ दूसरे स्थान पर है, कर्नाटक 113 सेवाओं के साथ तीसरे पर, असम 102 सेवाओं के साथ चौथे पर और उत्तर प्रदेश 86 सेवाओं के साथ पांचवें स्थान पर है। केरल और जम्मू-कश्मीर प्रत्येक 77 सेवाएं प्रदान कर रहे हैं, आंध्र प्रदेश में 76, गुजरात में 64, तमिलनाडु और गोवा में 63-63 सेवाएं, हरियाणा में 60 और हिमाचल प्रदेश में 58 सेवाएं उपलब्ध हैं। कुल मिलाकर इस समय 1,938 सेवाएं देशभर के नागरिकों के लिए उपलब्ध हो चुकी हैं। यह संख्या आने वाले समय में और बढ़ेगी, क्योंकि एनईजीडी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी नई तकनीकों को अपनाकर इस पोर्टफोलियो का विस्तार करने की योजना बना रहा है।

सूडोकु नवताल- 7540

★ ✩ ✩ ✩ ✩ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7539 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

क्या राजनीति में सस्ती लोकप्रियता का मार्ग अपशब्द हैं

अरुण कुमार दीक्षित

संसदीय व्यवस्था में चुनावों से राष्ट्र का भाग्य तय होता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है। भारत के लोग ही भारत के भाग्य विधाता हैं। निष्पक्ष चुनावों से लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है। जन गण मन का शासन मिलता है। भारतीय शासन प्रणाली में संसदीय जनतंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। लोकतंत्र जनता के द्वारा जनता के लिए है। इन निष्पक्ष चुनाव के लिए राष्ट्रपति द्वारा एक चुनाव आयोग के गठन का अधिकार है। यह अधिकार संविधान के भाग 15 में दिया गया है। चुनाव आयोग की नैतिक जिम्मेदारी होती है कि वह निष्पक्ष चुनाव की व्यवस्था बनाए। निष्पक्ष चुनाव कराए। राजनीतिक दल चुनावों में भागीदारी करते हैं। बहुमत या गठबंधन से सरकारें बनाते हैं। कई बार गठबंधन से बनने वाली सरकारों पर सौदेबाजी के आरोप लगते हैं। संविधान प्रत्येक वयस्क भारतीय को मताधिकार का अधिकार देता है।

विषय बिहार राज्य के संभावित विधानसभा चुनाव की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित है। निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कर नई मतदाता सूची बनाई जाएगी। इसी नई मतदाता सूची के पुनरीक्षण कराए जाने में निर्वाचन आयोग और विपक्षी दलों के बीच विवाद है। वे केंद्र सरकार पर हमलावर है। प्रकरण उच्चतम न्यायालय में है। निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची के ह्लगहन पुनरीक्षणह्व में बड़ी संख्या में नामों को अलग किया है। इसमें कुछ घुसपैठिये भी हैं। इसकी संख्या 65 लाख बताई जाती है। उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि निर्वाचन आयोग 65 लाख नाम जो मतदाता सूची में गलत पाए गए हैं उन्हें आयोग उनके नाम और उनको बाहर करने का कारण सार्वजनिक जारी करे। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का यह प्रकरण इसलिए गहराया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने कई बार अनेक स्थानों पर निर्वाचन आयोग पर वोट चोरी के आरोप लगाए हैं। यह आरोप मीडिया में सनसनी बने। सत्ता पक्ष ने इन आरोपों का खंडन किया है। निर्वाचन आयोग ने इस पर अपनी राय रखने और तथ्यपरक जानकारी राष्ट्र के सामने रखने में कोताही बरती है। यहां यह ध्यान देने योग्य है कि वोट चोरी जैसे शब्दों के प्रयोग ने निर्वाचन आयोग को आहत किया गया है। एसआईआर प्रकरण अभी भी उच्चतम न्यायालय में है।

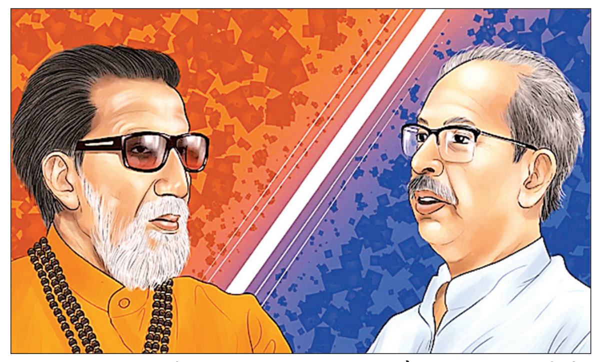

भारतीय संविधान के भाग 15 अनुच्छेद 324 में संविधान के अधीन संसद और प्रत्येक राज्य के विधानमंडल के लिए कराए जाने वाले सभी निर्वाचनों के लिए तथा राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति के पदों के निर्वाचन के लिए निर्वाचन नामावली तैयार करने और निर्वाचनों के लिए एक आयोग होगा। इसे संविधान में निर्वाचन आयोग कहा गया है। अनुच्छेद 325 में धर्म, मूलवंश, जाति या लिंग के आधार पर किसी व्यक्ति का निर्वाचन नामावली में नाम सम्मिलित किए जाने का अपात्र न होना और उसके द्वारा किसी विशेष निर्वाचक नामावली में सम्मिलित किए जाने का दावा न किया जाना लिखा है। संसद या किसी राज्य के विधान मंडल के सदन या प्रत्येक सदन के लिए निर्वाचन के लिए प्रत्येक प्रादेशिक निर्वाचन के लिए एक साधारण निर्वाचक नामावली होगी। अनुच्छेद 326 में लोकसभा, विधानसभा के लिए निर्वाचन मताधिकार के आधार पर होंगे, अर्थात प्रत्येक व्यक्ति जो भारत का नागरिक है। 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका है। समुचित विधानमंडल द्वारा बनाई गई किसी विधि के अधीन चित्त विकृति, अपराध या भ्रष्ट या अवैध आचरण के आधार पर अन्यथा अयोग्य नहीं कर दिया जाता है। मतदाता के रूप में रजिस्ट्रीकृत का हकदार होगा। अनुच्छेद 327 और 328 में कहा गया है, कि संविधान के उपबंधों के अधीन समय-समय पर संसद विधानमंडल सदन के लिए निर्वाचन नामावली निर्वाचन क्षेत्र का परिसीमन शामिल है। उस राज्य के विधान मंडल सदन के लिए संबंधित सभी विषयों जिसके अंतर्गत निर्वाचक नामावली तैयार कराना सदनों के सम्यक गठन सुनिश्चित करने की व्यवस्था है।

स्पष्ट रूप से भारत का प्रत्येक नागरिक लोकतांत्रिक व्यवस्था में सहयोग करेगा। मताधिकार का हकदार होगा। ऐसे किसी भी कारण और आरोप अवैध आचरण के बिना मताधिकार से वंचित किया जाना न्यायसंगत नहीं प्रतीत होता है। संविधान में प्रदत्त अधिकारों के अंतर्गत राजनीतिक दलों गठन होता है। राजनीतिक दलों का उद्देश्य राष्ट्र के वैभव के लिए ही होना चाहिए। राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता अपने अपने दलों की विचारधारा के प्रचार प्रसार के लिए स्वतंत्र होते हैं। अनेक मुददों पर राय भिन्न हो सकती है। इन राजनीतिक दलों के कार्यकताओं, निर्वाचन आयोग और समय समय पर निर्वाचन कार्यों में लगे अधिकारियों का आचरण संसदीय परम्परा अनुसार आदर्श आचरण वाला होना चाहिए। इनमें से कोई भी यदि निष्पक्ष नही है तो उसका व्यवहार लोकतंत्र का हनन करने वाला ही कहा जाएगा।

राजनीति में असंसदीय शब्दों के प्रयोग बढ़ें हैं। अमर्यादित आचरण हो रहा है। इस पर बहस होनी चाहिए। क्या राजनीति में सस्ती लोकप्रियता के लिए अपशब्द ही मार्ग है। विगत 01 अगस्त को लोकसभा, राज्यसभा दोनों सदनों में बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर गतिरोध हुआ था। विपक्षी दलों ने इस पर हंगामा किया था। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा था कि जनता ने आपको इतना बड़ा अवसर दिया है। सदन की गरिमा बनाए रखें। अध्यक्ष ने यह भी कहा था कि अगर लोकतंत्र मजबूत करना है तो सदस्यों को प्रश्न काल के दौरान ही प्रश्न उठाने देने होंगे। इससे सरकार की जवाबदेही तय होती है। देश के लोगों की आकांक्षाएं पूरी होने दें और देश को आगे बढ़ाने में अपना सहयोग दें। इसी मुद्दे पर राज्यसभा में भी हंगामा हुआ था।

उसी दिन लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा था कि निर्वाचन आयोग वोट चोरी से शामिल है। उनके पास पुख्ता सबूत हैं। इस पर निर्वाचन आयोग ने कहा था कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के लगाए वोट चोरी संबंधी आरोप निराधार हैं। आयोग ने कहा कि इन गैर जिम्मेदाराना टिप्पणियों को नजरअंदाज किया जाना चाहिए। इससे पूर्व 12 अगस्त को संसद से निर्वाचन आयोग तक प्रदर्शन के लिए निकले राहुल गांधी ने तब कहा था कि यह लड़ाई संविधान बचाने के लिए है। सही मतदाता सूची बने इसके लिए है। सत्ता पक्ष से भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता धर्मेंद्र प्रधान ने यह कहा था कि यह प्रदर्शन अस्थिरता पैदा करने वाला है। विपक्षी दल अराजकता पैदा करना चाहते हैं। राहुल गांधी का आरोप है कि निर्वाचन आयोग भाजपा के लिए वोट चोरी कर रहा है। इसमें जो भी शामिल है उसे बख्शा नहीं जाएगा। राहुल गांधी के यह आरोप तब आए जब निर्वाचन आयोग ने बिहार राज्य की मतदाता सूचियां के गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के बाद सूचियों का मसौदा प्रकाशित किया था। 17 अगस्त को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरुद्ध विपक्षी दलों के गठबंधन की मतदाता अधिकार यात्रा के बीच निर्वाचन आयोग ने अपने फैसले और प्रक्रिया को सही ठहराया था। विपक्ष के सभी आरोपों को खारिज भी किया था। यह भी कहा था कि राहुल गांधी को हलफनामा देना होगा या देश से माफी मांगनी होगी। तीसरा विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा था उनका उद्देश्य मतदाता सूचियां ठीक करना है। उधर बिहार के सासाराम में आयोजित एक मतदाता अधिकार रैली में राहुल गांधी ने फिर कहा था कि मतदाता सूची में गड़बड़ी नहीं होने दी जाएगी। गरीबों की ताकत वोट है, हम चोरी नहीं होने देंगे। 18 अगस्त को हुई बिहार की मतदाता अधिकार रैली में राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू यादव, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, तेजस्वी यादव शामिल हुए थे। तब से लगातार विपक्षी दल चुनाव आयोग और विपक्षी दल सत्ता पक्ष पर हमलावर हैं। सभी राजनीतिज्ञों को यह बात समझनी चाहिए कि राष्ट्र सर्वोपरि है। राजनीति में मयार्दा गरिमा का स्थान सर्वोच्च होना चाहिए।

भारत की आतंकवाद पर कूटनीतिक जीत

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि 21वीं सदी का भविष्य उसके नेतृत्व और उसकी रणनीतिक सोच से तय होगा। चीन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक भारत के लिए एक ऐतिहासिक कूटनीतिक जीत के रूप में सामने आई है। इस बैठक के बाद जारी घोषणापत्र में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की गई है, साथ ही आतंकवाद के खिलाफ सामूहिक लड़ाई का संकल्प भी लिया गया। खास बात यह रही कि यह सब पाकिस्तान की मौजूदगी में हुआ, जो लंबे समय से आतंकवाद को संरक्षण देने के आरोपों से घिरा रहा है।

तियानजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद पर कड़ा प्रहार किया। प्रधानमंत्री ने कहा, आतंकवाद शांति की राह में सबसे बड़ा खतरा है। पाकिस्तान का नाम लिए बिना पीएम मोदी ने सीमापार आतंकवाद पर सख़्त चेतावनी दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भारत पिछले चार दशकों से आतंकवाद का दर्द झेल रहा है, लेकिन आज का भारत न नया है, न कमजोर, बल्कि हर चुनौती का डटकर सामना करने वाला है।

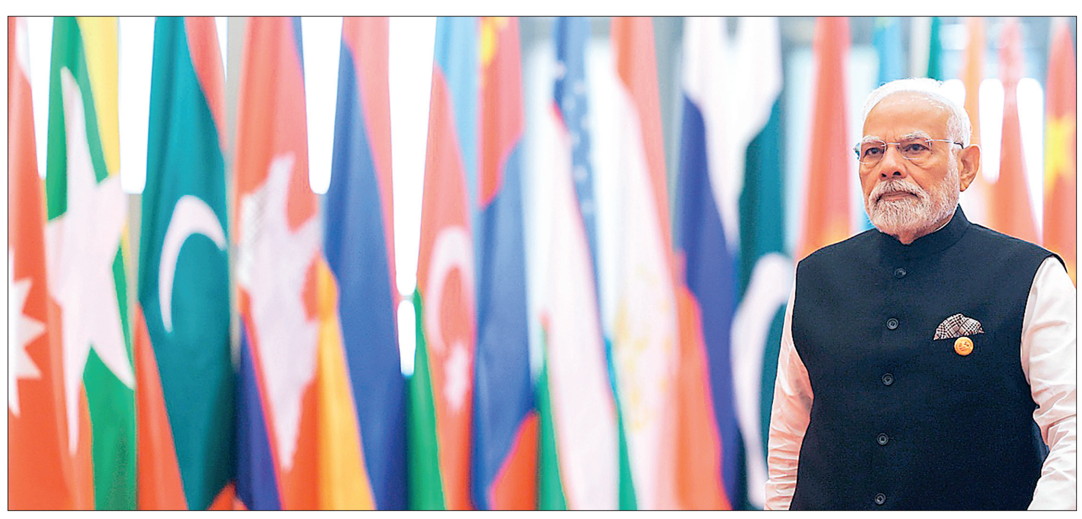

पीएम मोदी ने एससीओ देशों को चेताया कि आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद पूरे क्षेत्र की शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं। उन्होंने कहा कि भारत न केवल आतंक के खिलाफ खड़ा है बल्कि अल-कायदा से जुड़े नेटवर्क के खिलाफ संयुक्त जानकारी अभियान भी चला रहा है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने यह भी दोहराया कि सुरक्षा, शांति और स्थिरता ही विकास की आधारशिला हैं। आतंकवाद एक वैश्विक चुनौती है, और इसका समाधान भी वैश्विक एकजुटता से ही होगा।

पहलगाम हमले की निंदा

बैठक के बाद सभी सदस्य देशों ने जिस तरह आतंकवाद की भर्त्सना की और विशेष रूप से पहलगाम आतंकी हमले का उल्लेख किया, वह भारत के लिए बड़ी सफलता है। घोषणापत्र में साफ कहा गया कि मृतकों और घायलों के परिवारों के प्रति सभी सदस्य देशों की गहरी संवेदना है और ऐसे हमलों को अंजाम देने वालों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। यहां देखने में आया कि पाकिस्तान पूरी तरह अकेला पड़ गया। वर्षों से पाकिस्तान आतंकी गतिविधियों पर पर्दा डालने की कोशिश करता रहा है, लेकिन इस बार रूस और चीन जैसे बड़े देशों की मौजूदगी में पाकिस्तान को करारा झटका लगा है।

आतंकवाद पर भारत की नीति का समर्थन

भारत लगातार यह कहता आया है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में कोई दोहरा मापदंड नहीं होना चाहिए। आतंकी हमले को अच्छा और बुरा कहकर अलग-अलग खेमों में बांटना खतरनाक है। एससीओ के घोषणापत्र में पहली बार यही बात दर्ज की गई। इसमें कहा गया कि आतंकवादियों की सीमा पार गतिविधियों सहित सभी रूपों में आतंकवाद की निंदा की जाती है और वैश्विक समुदाय से एकजुट होकर इसके खिलाफ काम करने का आह्वान किया गया। यह भारत की वह लाइन है जो अब अंतरराष्ट्रीय घोषणापत्र का हिस्सा बन चुकी है। घोषणापत्र में कहा गया कि सभी सदस्य देश आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें यह भी उल्लेख किया गया कि आतंकवाद का मुकाबला करने में प्रत्येक संप्रभु राष्ट्र और उसके सक्षम प्राधिकारियों की भूमिका का सम्मान किया जाएगा। यह भारत की उस नीति से मेल खाता है जिसमें वह राष्ट्रीय संप्रभुता और आंतरिक सुरक्षा को सर्वोच्च मानता है।

वैश्विक ताकत के रूप में भारत की स्थिति भारत की इस कूटनीतिक सफलता को महज एक घटना के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह भारत के वैश्विक शक्ति बनने की प्रक्रिया का हिस्सा है। एससीओ जैसे मंच पर, जहां रूस, चीन, मध्य एशियाई देश और पाकिस्तान मौजूद हों, वहां भारत की बात को मान्यता मिलना भारत की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय हैसियत को दर्शाता है। आज भारत सिर्फ एक क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि विश्व राजनीति का अहम ध्रुव बन चुका है।

दरअसल, इसकी वजह है दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होना, रक्षा और तकनीकी क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, अंतरिक्ष में अद्वितीय उपलब्धियां और वैश्विक मंचों पर संतुलित कूटनीति। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ₹शक्तिशाली भारत₹ का सपना अब जमीन पर उतरता दिखा। कूटनीति के मोर्चे पर भारत अब किसी ब्लॉक या गुट का हिस्सा नहीं, बल्कि स्वतंत्र और निर्णायक आवाज है। यह घटनाक्रम भारत की कूटनीतिक सोच और वैश्विक दृष्टिकोण का उदाहरण है। आज भारत का संदेश साफ है, ₹आतंकवाद के खिलाफ कोई दोहरा रवैया नहीं चलेगा। शक्तिशाली भारत केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की शांति और स्थिरता के लिए खड़ा है।

पंजाब में बाढ़ आखिर क्यों - क्या प्रकृति रुष्ट है?

डॉ प्रियंका सौरभ

पंजाब, जिसे देश की अन्नदाता भूमि कहा जाता है, आज बाढ़ की विभीषिका से बार-बार जूझ रहा है। खेत जलमग्न हो जाते हैं, गाँव डूब जाते हैं, सड़कें और मकान ढह जाते हैं। हर बार यह सवाल उठता है कि आखिर पंजाब में बाढ़ क्यों आती है? क्या यह केवल प्रकृति की रुष्टता है या फिर इसके पीछे कहीं न कहीं हमारी अपनी भूलें भी जिम्मेदार हैं? सच यह है कि प्रकृति कभी किसी से नाराज नहीं होती, वह केवल अपने नियमों और संतुलन के आधार पर काम करती है। जब हम इंसान उसकी मयार्दाओं को लांघते हैं, तो परिणाम हमें बाढ़, सूखा, प्रदूषण और आपदा के रूप में भुगतने पड़ते हैं।

पंजाब की धरती पाँच नदियों की भूमि कहलाती है। सतलुज, ब्यास, रावी, चिनाब और झेलम ने इस राज्य की पहचान बनाई। इनमें से अधिकांश नदियाँ हिमालय से निकलती हैं और मानसून के मौसम में बर्फ. पिघलने व वर्षा के कारण जलस्तर अचानक बढ़ा देती हैं। नदियों की धाराएँ तेज होती हैं और जब वे मैदानों में प्रवेश करती हैं तो पानी फैलकर बाढ़ का रूप ले लेता है। भाखड़ा, पोंग और रणजीत सागर जैसे बड़े बांध भले ही बाढ़ नियंत्रण और सिंचाई के लिए बने हों, लेकिन जब इनसे अचानक पानी छोड़ा जाता है तो आसपास के इलाके जलमग्न हो जाते हैं। यह प्राकृतिक कारणों के साथ-साथ प्रबंधन की कमी को भी उजागर करता है।

पिछले कुछ वर्षों में मानसून का पैटर्न काफी बदल गया है। पहले जहाँ बरसात धीरे-धीरे और लंबे समय तक होती थी, अब अचानक भारी वर्षा कम समय में हो जाती है। इससे नदियों और नालों में पानी का दबाव तेजी से बढ़ता है और फ्लैश फ्लड जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। जलवायु वैज्ञानिक मानते हैं कि ग्रीनहाउस गैसों का बढ़ना और ग्लोबल वार्मिंग इसका बड़ा कारण है। इससे हिमालयी ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। परिणामस्वरूप गर्मियों और बरसात के मौसम में नदियों का जलस्तर अनियंत्रित ढंग से बढ़ जाता है।

प्राकृतिक बाढ़ को विनाशकारी बनाने में सबसे बड़ी भूमिका इंसानी हस्तक्षेप की है। नदियों के किनारों और तलहटी में अंधाधुंध निर्माण कार्य हुए। गाँव और शहर नालों व पुरानी जलधाराओं पर बस गए। रेत और बजरी का अत्यधिक खनन नदियों की गहराई और धार बदल देता है। जब पानी का मार्ग रुकता है तो वह आसपास की बस्तियों में घुस आता है। पंजाब में ड्रेन और नहरों का जाल तो है लेकिन अधिकांश जगह इनकी सफाई व मरम्मत समय पर नहीं होती। नतीजतन बारिश का पानी निकलने की जगह वापस गाँव-शहरों में भर जाता है। इसके साथ ही धान जैसी फसलों ने भूजल का अत्यधिक दोहन किया। मिट्टी की जलधारण क्षमता कम हुई और प्राकृतिक जलसंचयन तंत्र टूट गया।

पंजाब हरित क्रांति का केंद्र रहा। यहाँ गेहूँ और चावल की खेती ने देश को अन्न सुरक्षा दी, लेकिन इसके दुष्परिणाम भी सामने आए। धान की फसल पानी की अत्यधिक मांग करती है। हर साल लाखों ट्यूबवेल से भूजल निकाला गया। इससे भूमिगत जलस्रोत तेजी से सूख गए। जब ऊपर से भारी बारिश या बाढ़ आई तो जमीन उसे सोख नहीं पाई और जलभराव की समस्या बढ़ गई। वनों की कटाई और हरित क्षेत्र के सिकुड़ने से भी प्राकृतिक संतुलन बिगड़ा। नदियों के किनारे पेड़ों की जड़ें पानी को रोकती और मिट्टी को बांधती थीं, लेकिन अब कटान तेज हो गया है।

पंजाब में बाढ़ केवल प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक संकट भी है। हजारों एकड़ फसलें बर्बाद हो जाती हैं। किसान कर्ज. में डूब जाते हैं। ग्रामीण आबादी बेघर हो जाती है और पलायन के लिए मजबूर होती है। सड़कों, पुलों और बिजली के ढांचे को भारी क्षति पहुँचती है। बीमारियों का प्रकोप फैलता है, खासकर डायरिया, मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियाँ। मानसिक आघात से समाज में असुरक्षा और हताशा की भावना पनपती है।

वास्तव में प्रकृति का कोई भाव नहीं होता। वह केवल संतुलन चाहती है। जब हम उसकी मयार्दाओं का उल्लंघन करते हैं, तब वह चेतावनी के रूप में बाढ़, सूखा या आपदा के रूप में सामने आती है। इसलिए यह कहना कि प्रकृति नाराज है, सही नहीं है। सच तो यह है कि इंसान ने प्रकृति को नाराज करने लायक हालात पैदा कर दिए हैं।

समाधान स्पष्ट हैं। नदियों के किनारे बाढ़ क्षेत्र को चिन्हित कर वहाँ निर्माण पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। पुराने नालों और ड्रेनों की नियमित सफाई व चौड़ाई बढ़ाई जानी चाहिए। अवैध खनन पर सख्ती से रोक लगनी चाहिए ताकि नदियाँ अपने प्राकृतिक स्वरूप में बह सकें। धान के स्थान पर मक्के, दालों और सब्जियों की खेती को बढ़ावा दिया जाए, जिससे पानी की खपत कम होगी और भूजल का स्तर सुधरेगा। राज्य और केंद्र सरकार को मिलकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए दीर्घकालिक योजना बनानी होगी। साथ ही स्थानीय लोगों को बाढ़ से बचाव और प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित करना भी आवश्यक है। पंजाब में बाढ़ का संकट केवल प्राकृतिक कारणों से नहीं है। यह हमारी विकास नीतियों की असंतुलित दिशा का परिणाम है। यदि हमने अभी भी सबक नहीं लिया तो आने वाले वर्षों में बाढ़ और भयावह हो सकती है। प्रकृति हमें बार-बार चेतावनी दे रही है कि उसके साथ छेड़छाड़ मत करो। हमें याद रखना होगा कि प्रकृति से लड़ाई नहीं, बल्कि उसके साथ तालमेल ही स्थायी समाधान है।

दैनिक पंचांग

2 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.49 बजे से
चंद्र	धनु में	तुला	09.00 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.14 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.30 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.36 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.22 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.55 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.25 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.05 बजे से
		मिथुन	00.04 बजे से
		कर्क	02.17 बजे से
		सिंह	04.33 बजे से

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

मंगलवार 2025 वर्ष का 245 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल **तिथि** दशमी 03.53 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** मूल 21.51 बजे को समाप्त। **योग** प्रीति 16.39 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 15.23 बजे तदनन्तर गर 03.53 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 9.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 07° 54’ **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872455 **जूलियन दिन** 2460920.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 09 **विशेष** गौरी विसर्जन।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

नाली निर्माण के कारण जलापूर्ति ठप आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड क्षेत्र के कटहलबाड़ी-श्रीधर सड़क को ग्रामीणों ने सोमवार की सुबह जाम कर दिया। जानकारी के अनुसार संवेदक के द्वारा नाली निर्माण कार्य को लेकर मोमिन टोला के पास सड़क किनारे खुदाई के दौरान जल नल योजना के द्वारा बिछाई गई पाइप लाइन को काट देने से महीनों से जलापूर्ति गांव में ठप है। साथ ही सड़क किनारे खोदे गए गड्ढे में आये दिन सड़क दुघर्टना घट रही है। मामले को लेकर ग्रामीणों ने कई बार प्रशासनिक अधिकारियों को लिखित शिकायत की। लेकिन समाधान नहीं हो पाया है। अंततः आक्रोशित ग्रामीणों ने उक्त सड़क को जाम कर दिया। सूचना मिलते ही प्रभारी जीपीएस संतोष कुमार सुमन, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक हारून रशीद, राधानगर थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर लोगों को समझा-बुझाकर सड़क जाम को हटवाया।

मोटरसाइकिल के आमने-सामने की टक्कर में दोनों मोटरसाइकिल चालक घायल, एक रेफर

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत सिद्धू कानू स्टेडियम रोड में आमने-सामने मोटरसाइकिल की जोरदार भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में दोनों मोटरसाइकिल चालक घायल हो गए। हालांकि एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार पहाड़ी क्षेत्र के रहने वाले मंगल पहाड़िया का पुत्र अनीश पहाड़िया अपने घर से मोटरसाइकिल लेकर ससुराल जा रहा था, तभी सिद्धू कानू स्टेडियम के नजदीक मुख्य सड़क पर सामने से आ रही मोटरसाइकिल ने सीधी टक्कर मार दी, जिससे दोनों मोटरसाइकिल चालक घायल हो गए, हालांकि एक मोटरसाइकिल चालक के सिर पर चोट लगने से हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसकी पहचान नहीं हो सकी है। एक मोटरसाइकिल चालक को प्राथमिक इलाज करने के उपरांत गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सक के द्वारा बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। घटनास्थल पर प्रत्यक्षदर्शी पवन कुमार सिंह की मदद से दोनों घायल व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार हेतु सदर अस्पताल पहुंचाया गया। सदर अस्पताल के प्रबंधकों के द्वारा घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

राजमहल पुलिस ने चलाया वाहन जांच अभियान

साहिबगंज/राजमहल : जिला परिवहन पदाधिकारी के निर्देश पर राजमहल थाना प्रभारी के नेतृत्व में सोमवार को राजमहल रेलवे स्टेशन चौक पर ड्रेस कोड को लेकर जागरूकता अभियान चलाया। मौके पर टोटो, ऑटो चालकों को ड्रेस कोड पहन कर वाहन चलाने को कहा साथ ही लाइसेंस आदि का जांच किया गया। थाना प्रभारी गुलाम सरवर ने बताया कि जिला परिवहन पदाधिकारी जिला के सभी टोटो व ऑटो चालकों के लिए ड्रेस कोड लागू किया है। वही ड्रेस कोड के साथ सभी चालकों को वहां चलना होगा। थाना प्रभारी ने राजमल थाना क्षेत्र के चालकों को वरिय अधिकारी के आदेश मानने और ड्रेस कोड पहनकर वाहन चलाने की अपील कि है। आदेश की अवहेलना करने वाले चालकों के विरुद्ध एमवी एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी और जुमार्ना वसूला जाएगा।

केशचिपड़ी गांव में आजादी के बाद भी सड़क से वंचित हैं ग्रामीण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/पतना : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अपने ही विधानसभा क्षेत्र बरहेट में एक ऐसा गाँव है, जहाँ विकास की रफ्तार देखकर हंसी आ जाए या रोना आ जाए। जी हाँ, हम बात कर रहे हैं साहिबगंज जिले के पतना प्रखंड के केशचिपड़ी गाँव की। यहाँ सड़कें ऐसी हैं कि पैदल चलने वाले भी खुद को 'वीआईपी' समझने लगते हैं - क्योंकि उनके लिए ही रास्ता थोड़ा-बहुत सुगम है। जरा सी बारिश हो और पूछिए ही मत। मोटरसाइकिल और साइकिल तो दूर की बात है, पैदल चलने वाले भी फिसल कर गिरते-पड़ते अपने गंतव्य तक पहुँचते हैं। लगता है, यहाँ सड़कें बनाने के लिए नहीं, बल्कि 'एडवेंचर' के लिए बनाई गई हैं। ₹साहब, अपना दुख किसको सुनाएं - गाँव के लोगों की आवाज में निराशा झलक रही है। ₹मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना तो पहाड़ी क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ाने की बात करती है, लेकिन लगता है अधिकारियों को डर है कि सड़क बन गई तो फिर पैदल चलने वालों का वीआईपी' दर्जा कैसे रहेगा। और हैरानी की बात तो यह है कि केशचिपड़ी गाँव सीधे मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र में आता है। यानी, विकास का बजट यहीं पर पड़ता है, यहीं से योजनाओं को हरी झंडी मिलती है। इसलिए तो ग्रामीणों की उम्मीदें और भी बढ़ जाती हैं। वे सोचते हैं, अगर हमारे मुख्यमंत्री का अपना क्षेत्र ही ऐसा है, तो बाकी झारखंड का क्या हाल होगा। अब सवाल यह उठता है: क्या केशचिपड़ी के ग्रामीणों को सड़क पर चलने के लिए पर्वतारोहण का प्रशिक्षण लेना पड़ेगा या फिर सरकार यहाँ 'जलमार्ग' शुरू कर देगी, ताकि लोग नावों से बाजार जा सकें शायद यही 'विकास' का नया मॉडल है। वैसे, याद कीजिए, पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय शिबू सोरेन के नेमरा गाँव में तो 10 दिन में सड़क बन गई थी। तो फिर केशचिपड़ी के लोगों को भी उम्मीद तो है कि उन्हें भी एक अच्छी सड़क मिलेगी।

पेड़ है तो इंसान, पशु, पक्षी, पानी है, मां के जन्मदिन पर एक पेड़ अवश्य लगाए

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : गंगा मिशन कोलकाता द्वारा आयोजित गंगा हरित अभियान के तहत सोमवार को भरतीया कॉलोनी रोड स्थित बाबूलाल नंदलाल बोहरा चैरिटेबल ट्रस्ट परिसर में फलदार पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, कृषि पदाधिकारी अरुण भोक्ता, चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स संरक्षक सज्जन पोद्दार, चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष राजेश अग्रवाल सहित अन्य ने नारियल ओर आम का पौधा स्कूली छात्रों को देकर कार्यक्रम की शुरूआत की। वही जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का ने कहा कि पेड़ है तो इंसान पशु पक्षी ओर पानी है, इस वर्ष साहिबगंज होकर मानसून झारखंड में पहुंचा और दो वर्षों बाद जिला में अच्छी बारिश हुई है। ये सब हरियाली के कारण संभव हुआ है। जिलेवासी अपने जन्मदिन पर एक फलदार पेड़ अवश्य लगाए और देखभाल करके बड़ा करे। वही उन्होंने पौधा लगाने और पौधा की विशेषता के बारे में विस्तार से छात्रों को बताया।कृषि पदाधिकारी अरुण भोक्ता ने कहा कि जिलेवासी अब जागरूक हुए है, जिससे जिला में हरियाली के साथ साथ पक्षियों को रहने के लिए अपना घर मिला, तभी यहां इतने सारे विदेशी साइबेरियन पक्षी सहित पक्षियों चिड़िया की संख्या बढ़ी है। हर कोई इस मानसून एक पेड़ अवश्य लगाए और उसकी देखभाल करे। विद्यालय प्रधानाचार्य रानी झा ने कहा कि विकास के नाम पर पेड़ पौधा की कटाई हो रही है।

तीन दिवसीय रेस्पॉन्सिव गवर्नेंस प्रोग्राम संपन्न आदि कर्मयोगी को मिला सर्टिफिकेट

- आदि कर्मयोगी में कोई बड़ा कोई छोटा नहीं
- सभी गांव में जाकर कंधे से कंधा मिलाकर काम करना ही आदि कर्मयोगी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में तीन दिवसीय रेस्पॉन्सिव गवर्नेंस प्रोग्राम होने के पश्चात सभी आदि कमीर्योगी को सर्टिफिकेट भी दिया गया। उपायुक्त मनीष कुमार ने कर्मयोगी अभियान के उद्देश्य, इसके लक्ष्यों तथा सामने आने वाली चुनौतियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यह अभियान जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आजीविका एवं सामाजिक विकास जैसे विभिन्न आयामों पर कार्य किया जाएगा। यह भी चर्चा की गई कि किस प्रकार विभिन्न विभागों की आपसी सहभागिता एवं समन्वय से अभियान को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकता है। आदि कर्मयोगी अभियान का मुख्य उद्देश्य जनजातीय समाज को आत्मनिर्भर बनाना, उन्हें योजनाओं से जोड़ना तथा उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है। 60 साल से ऊपर वाले 25 हजार बुजुर्गों को कौन सा यंत्र का जरूरत है। वह आदि कर्मियोगी को बुजुर्गों का नाम, पता दिया जाएगा और आदि कर्मियोगी दिए गए बुजुर्गों का लिस्ट चेक कर बुजुर्गों को कौन सा यंत्र का जरूरत है वह सुनिश्चित कर दिसंबर में दिया जाएगा। इस कार्यक्रम में सिविल सर्जन,पाकुड़, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, पाकुड़, प्रशासक नगर परिषद, सभी प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी पाकुड़ जिला एवं अंचल अधिकारी, वन क्षेत्र पदाधिकारी, पाकुड़, नई राहें ट्रस्ट, प्रतिभागी प्रखंड स्तरीय मास्टर ट्रेनर आदि उपस्थित थे।

जिला स्तरीय खेलों झारखंड प्रतियोगिता - फुटबॉल प्रतियोगिता में बालक-बालिकाओं ने दिखाया दमखम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड शिक्षा परियोजना के तत्वावधान में चल रहे जिला स्तरीय खेलों झारखंड प्रतियोगिता के चौथे दिन आज अंडर-14 आयु वर्ग के बालक एवं बालिकाओं की फुटबॉल प्रतियोगिता का रोमांचक आयोजन किया गया। **बालक वर्ग** अंडर-14 बालक वर्ग में हुए मुकाबलों में तालझारी, बरहेट, राजमहल और उधवा की टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। सेमीफाइनल चरण में तालझारी और उधवा ने बोरियों को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं राजमहल ने बरहेट को पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। रोमांचक फाइनल मुकाबला राजमहल बनाम उधवा के बीच खेला गया, जिसमें पेनाल्टी शूटआउट में राजमहल ने 3झ1 से जीत हासिल कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। **बालिका वर्ग** अंडर-14 बालिका वर्ग में तालझारी और उधवा की टीमें फाइनल में पहुँचीं। कड़े संघर्ष के बाद पेनाल्टी शूटआउट में तालझारी ने विजेता की ट्रॉफी अपने नाम की। आज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एडीपीओ जयंत कुमार मिश्रा एवं एपीओ शबनम तबस्सुम ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिले के शारीरिक शिक्षकों एवं सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिला कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस कमिटी की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस कमिटी की एक अहम बैठक जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान की अध्यक्षता में आहूत की गई। संगठन सृजन अभियान 2025 के तहत जिला में चल रहे सारे कार्यक्रमों एवं नए जिला अध्यक्ष के चयन हेतु एआईसीसी द्वारा नियुक्त साहेबगंज जिला के ऑब्जर्वर टोकिया प्रभु का आगमन 5 सितंबर 2025 को होने जा रहा है। टोकिया प्रभु साहेबगंज जिला में 8 दिन प्रवास कर जिले में चल रहे संगठन सृजन से संबंधित सभी कार्यक्रमों का निरीक्षण करेंगे। साथ ही जिला अध्यक्ष के चुनाव को लेकर चुनावी प्रकिया के तहत सभी प्रखंडों का दौरा कर सभी कांग्रेसजनों से मुलाकात कर उनसे विचार विमर्श कर अपनी रिपोर्ट एआईसीसी को सौंपेंगे। टोकिया प्रभु के कार्यक्रम को सफल बनाने एवं प्रत्येक प्रखण्ड में उनके कार्यक्रम से संबंधित जगह का चयन हेतु आज की बैठक रखी गई थी। मौके पर बैठक में मुर्शाद अली, बासुकीनाथ यादव, मो कलीमुद्दीन, शशांक शेखर गुहा, नित्यानंद गुप्ता, रंजीत टुडू,सतीश कुमार पासवान, निरंजन रॉय, रकीब आलम, मो शाहबाज अंसारी, मो गुफरान, सोनू ओझा एवं अन्य दर्जनों कांग्रेसजन शामिल रहे।

शिशु मंदिर बरहरवा ने विभाग स्तरीय प्रश्नमंच प्रतियोगिता में मारी बाजी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : शिशु मंदिर साहिबगंज में आयोजित विभाग स्तरीय प्रश्नमंच प्रतियोगिता में शिशु मंदिर बरहरवा के छात्रों ने अपनी प्रतिभा का डंका बजाते हुए विभिन्न विषयों में शानदार प्रदर्शन किया और कई श्रेणियों में प्रथम स्थान हासिल किया। जहां प्रतियोगिता में संस्कृत विषय में शिशु, बाल और किशोर तीनों वर्गों में बरहरवा के छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी बौद्धिक क्षमता का परिचय दिया। वही संस्कृत के शिशु वर्ग में प्रिंस राज भगत, अनमोल रमा और कनक कुमारी, बाल वर्ग में शताब्दी सेन, अदिति विद्या और हरिप्रिया तथा किशोर वर्ग में वीर कुमार भगत, मंजीत राय और शिखा भारती ने प्रथम स्थान हासिल किया। उधर वैदिक गणित (किशोर वर्ग) में भेद रोहित दास, भावेश कुमार साह और ओमवती, अंग्रेजी (किशोर वर्ग) में शिवम कुमार गोस्वामी, अनमोल कुमार और मिषु मेहता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वही संगणक (कम्प्यूटर) में शिशु वर्ग से अभिषेक कुमार, अंकिता रानी और मनीष कुमार ने प्रथम स्थान, जबकि बाल वर्ग में ज्योति कुमारी, वैभवी कुमारी और श्रुति सेन ने तृतीय स्थान हासिल किया। वही संस्कृत बोध परियोजना (किशोर वर्ग) में रेशमी कुमारी, ज्योति कुमारी और समीर कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। जहां सोमवार 1 सितंबर 2025 को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में विद्यालय के शिक्षकों सुरेन महतो, श्रीनारायण साहा, शिव प्रसाद, सनातन, कंचन कुमारी और भास्कर ने विजेता छात्रों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उधर प्रधानाचार्य ने सभी छात्र छात्राओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। जहां मंच संचालक आचार्य चिंतामणि गोस्वामी ने कहा कि ₹इस तरह की प्रतियोगिताएं छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं। वही प्रतिस्पर्धा की भावना से न केवल उनकी पढ़ाई में प्रगति होती है, बल्कि वे भविष्य में भी सफलता के नए आयाम छूते हैं।₹ वही शिशु मंदिर बरहरवा के इस शानदार प्रदर्शन ने न केवल विद्यालय का गौरव बढ़ाया, बल्कि क्षेत्र में शिक्षा के प्रति उत्साह को भी प्रेरित किया है।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस नगर प्रतिनिधि मंडल ने नवनियुक्त नगर थाना निरीक्षक से की शिष्टाचार मुलाकात

पाकुड़ : ज़िले में सोमवार को नगर अध्यक्ष वंशराज गोप के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल के जिला महासचिव कृष्णा यादव, नगर सचिव सुमन चौबे, नगर सक्रिय कार्यकर्ता यूसुफ अंसारी उर्फ रिंकू, मो० बबलू, विजय डोम, फिरोज अलम, तैमूर शेख, सद्दाम सहित कई सक्रिय कार्यकताओं ने पाकुड़ नगर थाना में नवनियुक्त नगर थाना निरीक्षक(पुलिस इंस्पेक्टर) बबलू कुमार से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत व सम्मान किया गया। इस अवसर पर नगर क्षेत्र में जाम से जुड़ी समस्या, कानून व्यवस्था दुरुस्त करने एवं नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत 21 वार्डो में जन समस्याओं के मामले को त्वरित समाधान हेतु कृष्णा यादव एवं नगर अध्यक्ष ने अपने अपने विचार व्यक्त किए।वहीं नगर थाना प्रभारी श्री बबलू ने कहा कि हम जनता के सेवक है इसलिए जनहित से जुड़ी समस्याओं को पूरी तत्परता के साथ समन्वय स्थापित कर पाकुड़ नगर को नई दशा एवं दिशा प्रदान की जाएगी इसके साथ ही उन्होंने, पाकुड़ की जनत की सराहना करते हुए कहा कि यहां सभी लोग सौहार्दपूर्वक माहौल में शांति प्रिय जीवन व्यतीत करते है जिसे और बेहतर बनाने हेतु मैं अथक प्रयासरत रहूंगा।

कालाजार प्रभावित गांव पंडरिया में आईआरएस द्वितीय चक्र कीटनाशी छिड़काव का निरीक्षण

साहिबगंज : जिला के बोरियो प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत 1 सितम्बर 2025 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोरियों का निरक्षण डॉ अंजुम इकबाल राज्य कालाजार सलाहकार वीबीडी राँची, झारखण्ड के द्वारा किया गया। जिसमे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोरियों के अंतर्गत कालाजार प्रभावित गांव पंडरिया में आईआरएस द्वितीय चक्र कीटनाशी छिड़काव का निरक्षण किए। निरक्षण के दौरान घोल बनाने की प्रक्रिया, एसएफडब्ल्यू रजिस्टर, छिड़काव करने का तरीका, पम्प का प्रवाह दर, आईआरएस तिथि के दो दिन पहले सहिया/एमपीडब्ल्यू के द्वारा दी जाने वाली छिड़काव पूर्व सुचना, घर -घर बुखार मरीजों का खोज आदि सभी आईआरएस छिड़काव सम्बंधित मापदंडो का अवलोकन किए। साथ ही उपस्थित ग्रामीणों को छिड़काव से सम्बंधित जागरूक करते हुए लोगों को घर के सभी कमरों, गौशाला, बरामदा आदि जगहों मे छिड़काव करवाने का संदेश दिए एवं उपस्थित सभी एमपीडब्ल्यू और छिड़काव कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी घरों मे गुणवत्तापूर्ण छिड़काव कराने को कहा गया। साथ ही पंडरिया गाँव में सभी कालाजार मरीजों को घर घर जाकर फॉलोअप कर हाल चाल जाने एवं मरीजों को स्वास्थ्य सम्बंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विदित हो की अधूरा घरों में पूर्ण छिड़काव करने के लिए पुलिस कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। मौके पर डॉ सत्ती बाबू डाबडा जिला वीबीडी सलाहकार, डॉ विनोद कुमार चिकित्सा पदाधिकारी, मनोहर पंडित एमटीएस, दीपक कुमार पिरामल स्वास्थ्य, शशि शेखर शर्मा एमपीडब्ल्यू, मुरारीलाल गोंड़ एमपीडब्ल्यू, बेंजामीन मुर्मू एमपीडब्ल्यू, बेनी बास्की सहिया, सभी छिड़काव कर्मी एवं पुलिस कर्मी आदि मौजूद थे।

करमटोक पहाड़ में 170 पीस सेमल लकड़ी का पटरा बरामद

बरहेट : प्रखंड वन विभाग क्षेत्र अंतर्गत करमटोक पहाड़ पर रविवार शाम को वनरक्षी अमित कुमार के नेतृत्व में सघन छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान पहाड़ से 170 पीस सेमल लकड़ी का पटरा बरामद किया। वनरक्षी अमित कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी की करमटोक पहाड़ पर अवैध रूप से सेमल का एक दर्जन से अधिक पेड़ काटकर पटरा बन रहा है। वही वरीय पदाधिकारी को सूचना देकर करमटोक पहाड़ के अलग-अलग जगहों पर छापेमारी अभियान में 170 पीस पटरा बरामद किया। आगे बताया कि बरमासिया गांव के मुन्ना साह, करमटोक पहाड के छोटा मेंसा पहाड़िया संलिप्त होनी कि जानकारी मिली है। जब्त सेमल का पटरा वन कार्यालय लाया गया। मौके पर सहयोगी शेखर कुमार के अलावा अन्य मौजूद थे।

जहरीले सांप के काटने से वृद्ध व्यक्ति हुआ मूर्छित

साहिबगंज : जिला के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत धूलियार निवासी लखींदर राम उम्र 65 वर्ष को सुबह 10 :00 बजे अपने खेत की रखवाली करने के दौरान अपने धान खेत के आहता में घूम रहा था। इतने में जहरीले सांप ने दाहिने पांव में काट लिया। सांप के काटने के पश्चात वह मूर्छित होकर गिर पड़ा। परिजनों ने उसे तुरंत अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक के द्वारा उक्त वृद्ध व्यक्ति का इलाज किया गया। गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सक ने अस्पताल में भर्ती कर देख रेख में इलाज चल रहा है। चिकित्सक के मुताबिक पेशेंट की हालत खतरे से बाहर बताई गई।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत

बरही : बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत पंचमाधव के नजदीक हुई सड़क हादसा में बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत बेंदगी पंचायत के कोयली निवासी सगीर मियां उम्र करीब 50 वर्ष पिता स्व करीम मियां के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सगीर मियां अपने लाल रंग की स्प्लेंडर प्लस बाइक जिसकी संख्या बीआर13सी 1589 से करियातपुर से बरही लौट रहे थे। इसी क्रम में पंचमाधव के नजदीक कंटेनर जिसकी संख्या एचआर 38 एक्स 2572 ने अपने चपेट में ले लिया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आस -पास के लोगों के सहयोग से घायल व्यक्ति की बरही अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं बरही पुलिस बरही अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचकर कागजी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इधर घटना की सूचना मिलते ही परिजनों का रो - रो कर बुरा हाल है।

एयरटेल ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने कर रही एआई का इस्तेमाल

-खरीदारी, बिलिंग, भुगतान और कस्टमर केयर के लिए एआई एजेंट किए तैयार

नई दिल्ली।

भारती एयरटेल अपने ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल कर रही है। कंपनी ने अपने 3.8 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों के लिए खरीदारी, बिलिंग, भुगतान और कस्टमर केयर जैसी सेवाओं में काम आने वाले छह अलग-अलग एआई एजेंट तैयार किए हैं। पिछले 18 महीनों से एयरटेल एआई का परीक्षण कर रही थी और पिछले कुछ तिमाहियों में इसे अपने संचालन में शामिल किया है। ये छह एआई एजेंट कंपनी के एक्सटेल्फी नामक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के तहत काम करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि एयरटेल का उद्देश्य एआई को अपनी सभी संचालन प्रक्रियाओं का मुख्य हिस्सा बनाना है। इसके साथ ही एयरटेल थैंक्स ऐप को सभी ग्राहक सवालों और सेवाओं का मुख्य माध्यम बनाया जाएगा। एक वरिष्ठ उद्योग अधिकारी ने कहा कि करीब छह महीने पहले एआई को संचालन का केंद्र बनाया गया है। इससे पहले कंपनी ने तीन हजार इंजीनियर और टेक्नोलॉजी स्टाफ का पुनर्गठन किया है।

कंपनी ने इसके ऊपर एक डेटा प्लेटफॉर्म तैयार किया है और इस पर छह एआई एजेंट- डेटा, खरीद, निर्माण, भुगतान, सेवा और चैनल प्लेटफॉर्म्स बनाए हैं। दूसरे अधिकारी ने बताया कि ये एआई एजेंट एक 'अमरीकृत एआई एजेंट' के तहत काम करेंगे, जो सभी ग्राहक सवालों का एक ही बिंदु होगा, बिल्कुल वैसे जैसे चैटजीपीटी या गिम्नी आज काम करते हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में एयरटेल थैंकस ऐप गूगल सर्च बार की तरह काम करेगा। ग्राहक किसी भी समस्या या खरीद के लिए सीधे पूछ सकेंगे, जैसे अंतरराष्ट्रीय रोमिंग प्लान। एआई एजेंट आपस में बात करेंगे और समाधान प्रस्तुत करेंगे। एयरटेल ने कुछ साल पहले अपने आईटी संचालन, जिसमें ऑपरेशंस और बिलिंग सपोर्ट शामिल थे, आईबीएम से इनसोर्स कर लिए थे।

एआई के आने के बाद कंपनी ने आईटी खर्च को अपने कुल राजस्व का सिर्फ 1.5 फीसदी कर दिया है, जबकि वैश्विक टेलिकॉम कंपनियों का औसत 5.5-6 फीसदी है।

महिंद्रा एक्सयूवी 700 का 2026 फेसलिफ्ट वर्जन पेश करने की तैयारी

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में महिंद्रा की फ्लैगशिप एसयूवी एक्सयूवी 700 पहले ही बड़ी लोकप्रियता हासिल कर चुकी है। महिंद्रा कंपनी इसका 2026 फेसलिफ्ट वर्जन पेश करने की तैयारी में है। बीते दिनों इसका टेस्टिंग मॉडल कैमरे में नजर आया है, जिससे इसके डिजाइन और फीचर्स से जुड़ी कई अहम जानकारी सामने आई है। नई एक्सयूवी 700 फेसलिफ्ट में डिजाइन को और ज्यादा स्पोर्टी और मॉडर्न बनाने पर फोकस किया गया है। इसमें नया बंपर, अपडेटेड हेडलैंप्स और रिवाइज्ड टेल-लाइट्स देखने को मिलेंगी। साथ ही नए अलॉय व्हील्स और ताजगी भरे कलर ऑप्शन्स इसे और प्रीमियम बनाएंगे। एसयूवी का साइड प्रोफाइल लगभग वैसा ही रहेगा, लेकिन सूक्ष्म बदलाव इसे ज्यादा आकर्षक लुक देंगे। इंटीरियर को भी लग्जरी और टेक-फ्रेंडली बनाया जाएगा। इसमें महिंद्रा की ईवी लाइनअप से प्रेरित ट्रिपल-स्क्रीन लेआउट मिलेगा, जिसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, इंफोटेनमेंट और कंट्रोल स्क्रीन शामिल होंगे। इसके अलावा वेंटीलेटेड सीट्स, एंबिएंट लाइटिंग, वायरलेस चार्जर, टाइप-सी यूएसबी पोर्ट्स, 360-डिग्री कैमरा और एडवांस्ड लेवल-2 अडास जैसी हाई-टेक सुविधाएं भी दी जाएंगी। पावरट्रेन में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। एसयूवी पहले की तरह 2.0 लीटर एमस्टेलियन टर्बो पेट्रोल और 2.2 लीटर एमहॉक डीजल इंजन ऑप्शन्स में ही उपलब्ध रहेगी। दोनों इंजनों के साथ 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का विकल्प मिलेगा। यानी परफॉर्मेंस और पावर के मामले में यह एसयूवी उतनी ही दमदार रहेगी जितनी अभी है। कंपनी 2026 की शुरुआत में इस फेसलिफ्ट मॉडल को लॉन्च कर सकती है।

सितंबर में अलग-अलग राज्यों में बंद रहेंगे बैंक, आरबीआई ने जारी की छुट्टियों की सूची

नई दिल्ली।

भारत में बैंक राष्ट्रीय अवकाश, सार्वजनिक छुट्टियों और त्योहारों पर बंद रहते हैं। अब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सितंबर 2025 के लिए बैंक की छुट्टियों की सूची जारी की है। इस सूची में अलग-अलग राज्यों और शहरों में सरकारी और प्राइवेट दोनों सेक्टर के बैंक की छुट्टियों की डीटेल्स दी गई हैं।

आरबीआई के मुताबिक सितंबर 2025 में देश के कई हिस्सों में बैंक कुल 10 दिन बंद रहेंगे। इन छुट्टियों में कर्म पूजा, पहला ओणम, ईद-ए-मिलाद, थिरुवोनम, इंद्रजात्रा, नवरात्र, महाराजा हरि सिंह का जन्मदिन, महासप्तमी और दुर्गा पूजा शामिल हैं।

सितंबर माह में राज्य के मुताबिक बैंक छुट्टियां इस प्रकार हैं। 3 सितंबर झारखंड में कर्म पूजा के अवसर पर बैंक बंद। 4 सितंबर को केरल में पहला ओणम उत्सव। 5 सितंबर गुजरात, मिज़ोरम, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, उत्तराखंड, हैदराबाद, विजयवाड़ा, मणिपुर, जम्मू, यूपी, केरल, नई दिल्ली, झारखंड, जम्मू और श्रीनगर में ईद-ए-मिलाद और थिरुवोनम के कारण बैंक बंद रहेंगे।

वहीं 6 सितंबर को सिक्किम और छत्तीसगढ़ में ईद-ए-मिलाद (मिलाद-उल-नबी)/इंद्रजात्रा।

12 सितंबर को जम्मू और श्रीनगर में ईद-ए-मिलाद-उल-नबी के अगले शुक्रवार के अवसर पर बैंक बंद। 22 सितंबर को राजस्थान में नवरात्र स्थापना। 23 सितंबर जम्मू और श्रीनगर में महाराजा हरि सिंह के जन्मदिन के अवसर पर बैंक बंद। 29 सितंबर को त्रिपुरा, असम और पश्चिम बंगाल में महासप्तमी/दुर्गा पूजा। 30 सितंबर त्रिपुरा, ओडिशा, असम, मणिपुर, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड में महाअष्टमी/दुर्गा अष्टमी/दुर्गा पूजा पर बैंक बंद रहेंगे।

स्थानीय शाखाओं या बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर राज्यवार छुट्टियों की पुष्टि करना बेहतर है, क्योंकि कुछ छुट्टियां क्षेत्रीय रूप से अलग हो सकती हैं।

बैंक बंद रहने पर भी नेट बैंकिंग की सुविधा से अपने खातों की जांच, पैसे ट्रांसफर और बिल भुगतान आसानी से घर से किया जा सकता है। कैश निकालने के लिए पास के एटीएम का इस्तेमाल किया जा सकता है और एटीएम में पैसे जमा करने की सुविधा भी उपलब्ध है।

नई ई-स्कूटर टीवीएस ऑर्बिटर लॉन्च

नई दिल्ली ।

टीवीएस मोटर कंपनी ने अपनी नई ई-स्कूटर टीवीएस ऑर्बिटर को लॉन्च कर दिया है। इसकी शुरुआती कीमत 99,900 रुपये (एक्स-शोरूम, बेंगलुरु और दिल्ली, पीएम ई-ड्राइव स्कीम के तहत) रखी गई है। यह स्कूटर स्मार्ट, स्टाइलिश और सस्टेनेबल अर्बन कम्यूट के लिए खासतौर पर डिजाइन की गई है। नई टीवीएस ऑर्बिटर में 3.1 केडब्ल्यूएच की बैटरी दी गई है, जो 158 किमी की आईडीसी रेंज देने में सक्षम है। यानी रोजाना शहर में आने-जाने के लिए पेट्रोल स्कूटर को अलविदा कहने का वक्त आ गया है। लंबी बैटरी लाइफ और बेहतर परफॉर्मेंस इसे अपने सेगमेंट में खास बनाते हैं। इस ई-स्कूटर को कई ऐसे फीचर्स से लैस किया गया है, जो इसे प्रतियोगियों से अलग करते हैं। पहली बार किसी स्कूटर में 14-इंच का बड़ा फ्रंट व्हील दिया गया है, जिससे राइडिंग स्टेबिलिटी और कम्फर्ट बढ़ जाता है। इसके अलावा इसमें क्रूज कंट्रोल, हिल होल्ड असिस्ट और 34 लीटर का अंडर-सीट स्टोरेज स्पेस जैसे एडवांस फीचर्स मौजूद हैं। टीवीएस ऑर्बिटर को स्मार्ट कनेक्टिविटी से भी लैस किया गया है। यह स्कूटर मोबाइल ऐप से कनेक्ट हो सकती है और इसमें जियो-फेंसिंग, टाइम-फेंसिंग, कॉलिजन अलर्ट, टॉइंग अलर्ट जैसी सुरक्षा सुविधाएं दी गई हैं। कॉल डिस्प्ले वाला कलर्ड एलसीडी क्लस्टर और यूएसबी 2.0 चार्जिंग पोर्ट इसे और भी प्रैक्टिकल बनाते हैं।

डिजाइन की बात करें तो इसमें लंबी 845एमएम फ्लैटफॉर्म सीट दी गई है, जिससे राइडर और पिलियन दोनों को बेहतर आराम मिलता है। 290एमएम का स्ट्रेट फुटबोर्ड और सीधी पोजिशनिंग इसे अर्बन राइड के लिए सुविधाजनक बनाते हैं। लुक्स की बात करें तो इसमें एलईडी हेडलैंप, एज-टू-एज फ्रंट लाइट्स और स्पोर्टी वाइजर दिया गया है। एयरोडायनामिक डिजाइन न केवल देखने में आकर्षक है बल्कि बैटरी की खपत को भी कम करता है और स्मूद परफॉर्मेंस देता है। कंपनी ने इसे 99,900 रुपये की शुरुआती कीमत पर लॉन्च करके ईवी सेगमेंट में कड़ी प्रतिस्पर्धा खड़ी कर दी है।

सोने-चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया है। आज सुबह वायदा कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव आज बढ़कर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए। घरेलू बाजार में आज सोने की कीमतें 1,04,800 रुपये, जबकि चांदी की कीमतें 1,24,00 रुपये के करीब बनी हुई हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव ऊपर आये हैं।

सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज सुबह बढ़त के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर अनुबंध आज 220 रुपये बढ़कर 1,04,044 रुपये पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,03,824 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 1,010 रुपये बढ़कर 1,04,834 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,05,937 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,04,044 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव आज 1,05,937 के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गये।

आज चांदी के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त के साथ हुई और इसके भाव शीर्ष स्तर पर पहुंच गए। वहीं एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध आज 620 रुपये बढ़कर 1,22,493 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,21,873 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 2,169 रुपये बढ़कर 1,24,042 रुपये के भाव पर कामकाज कर रहा था। इस समय इसने 1,24,214 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,22,493 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। वहीं चांदी के वायदा भाव 1,24,214 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे।

वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,517.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

इसका पिछला बंद भाव 3,516.10 डॉलर प्रति औंस था। एक समय यह 15 डॉलर की बढ़त के साथ ही 3,531.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कामकाज कर रहा था। दूसरी ओर कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 40.18 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 40.20 डॉलर था।

रुपया गिरावट पर बंद हुआ

नई दिल्ली ।

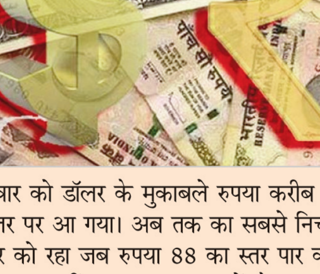

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 11 पैसे की गिरावट के साथ ही 88.20 पर बंद हुआ। आज विदेशी पूंजी की लगातार निकासी की वजह से निवेशकों की धारणा पर नकारात्मक असर पड़ा है। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया करीब 17 पैसे टूटकर 88.26 के स्तर पर आ गया। अब तक का सबसे निचला स्तर पिछले सप्ताह शक्रवार को रहा जब रुपया 88 का स्तर पार करते हुए 88.09 पर बंद हुआ था। वहीं, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर इंडेक्स 0.07 फीसदी की गिरावट के साथ 97.70 पर रहा।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 51.50 रुपए हुआ सस्ता, मार्च छोड़कर इस साल कई बार घटे दाम

नई दिल्ली। सितंबर का महीना ग्राहकों के लिए अच्छा रहेगा। खासकर उन लोगों के लिए जो होटलों, रेस्टोरेंट्स या अन्य व्यावसायिक कामों में एलपीजी सिलेंडर का इस्तेमाल करते हैं। तेल विपणन कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की कीमत में एक बार फिर कटौती की है। इस बार 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 51.50 रुपए की कमी की गई है। अब दिल्ली में इस सिलेंडर की कीमत 1580 रुपए हो गई है, जो कि पहले 1631.50 रुपए थी। यह नई दर 1 सितंबर से लागू हो चुकी है। हालांकि, आम घरेलू उपभोक्ताओं को कोई राहत नहीं दी गई है। 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इस साल कमर्शियल सिलेंडरों के दामों में जनवरी से लगातार राहत मिल रही है सिर्फ मार्च महीने को छोड़कर। जनवरी में 14.50 रुपए की कटौती हुई थी। फरवरी में 7 रुपए कम हुए। मार्च में 6 रुपए की बढ़ोतरी हुई थी। इसके बाद अप्रैल में 41 रुपए की बड़ी कटौती की गई थी। मई में 14 रुपए और जून में 24 रुपए की कटौती की गई। जुलाई में ग्राहकों को सबसे बड़ी राहत मिली, जब 58.50 रुपए घटा दिए गए। अगस्त में भी 33.50 रुपए की कमी की गई थी और अब सितंबर की शुरुआत में ही राहत दी गई है। कमर्शियल सिलेंडरों की कीमतें वैश्विक बाजार में कच्चे तेल और गैस की कीमतों, मुद्रा विनिमय दर और टैक्स स्ट्रक्चर जैसे कई कारकों पर निर्भर करती हैं। तेल कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को इन दरों की समीक्षा करती हैं और फिर बदलाव करती हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली । देश में सोमवार को कुछ जगहों पर तेल की कीमतें बढ़ीं हैं जबकि कुछ जगहों पर कम हुई हैं। दुनिया भर के बाजारों में कच्चे तेल के दाम बढ़कर 68 डॉलर पहुंच गये। इससे देश भर में तेल की कीमतें भी प्रभावित हुई हैं। चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर। वहीं मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर रहा। वहीं उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल की कीमतें 27 पैसे कम हुईं। इससे ये 94.87 रुपये लीटर पर है। वहीं डीजल की कीमतें भी 25 पैसे कम हुई हैं और 87.82 रुपये लीटर पहुंच गयी हैं। गाजियाबाद में पेट्रोल 21 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.76 रुपये लीटर पहुंच गया, जबकि डीजल 23 पैसे चढ़कर 87.52 रुपये लीटर बिक रहा है। इसके अलावा गुरुग्राम में पेट्रोल 17 पैसे बढ़त के साथ 94.57 रुपये लीटर जबकि डीजल 19 पैसे चढ़कर 87.76 रुपये लीटर पर पहुंच गया। दूसरी ओर कच्चे तेल में हल्की बढ़त रही। ब्रेंट क्रूड 67.40 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है।

शेसर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 554 , निफ्टी 198 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ ही बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी आईटी शेयरों में तेजी से बाजार उछला। अमेरिका की एक अपीलीय अदालत के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ लगाने के फैसले को गलत बताये जाने से भी निवेशकों में उत्साह है। अमेरिकी टैरिफ लगने के बावजूद चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.8 फीसदी रहने से भी निवेशकों की धारणा मजबूत हुई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 554.84 अंक बढ़कर 80,364.49 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 198.20 अंक बढ़कर 24,625.05 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,098.10 अंक बढ़कर 56,825.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 271.10 अंक उछलकर 17,498.10 पर था।

वहीं सेक्टोरल आधार पर देखा जाये तो निफ्टी ऑटो , निफ्टी आईटी , निफ्टी मेटल , निफ्टी एनर्जी और निफ्टी पीएसई में सबसे ज्यादा बढ़त रही। वहीं निफ्टी फार्मा और निफ्टी मीडिया में ही गिरावट रही। सेंसेक्स पैक की बात करें तो एमएंडएम, टाटा मोटर्स, ट्रेंट, एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड और एक्सिस बैंक टॉप के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। वहीं सन फार्मा, आईटीसी, एचयूएल, टाइटन, एचडीएफसी बैंक और एलएंडटी के शेयर गिरे।

बाजार जानकारों के अनुसार जीडीपी के आंकड़ों से अधिक बेहतर होने से भी बाजार को बल मिला। अमेरिकी टैरिफ के बढ़ने के बाद भी जीडीपी पर प्रभाव नहीं पड़ने से भी बाजार धारणा मजबूत हुई। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। आज सुबह सेंसेक्स 79,828 अंक पर खुला। खुलते ही इसमें बढ़त आई। सुबह यह 338.48 अंक करी 0.42 फीसदी बढ़कर 80,148.13 पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसी प्रकार निफ्टी भी बढ़कर 24,432.70 पर खुला। इसके बाद ये खरीदारी के कारण 25,500 के ऊपर पहुंच गया। सुबह यह 77.85 अंक या 0.32 फीसदी उछलकर 24,519 पर कारोबार करता दिखा।

वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में गिरावट रही। जापान का निक्केई 225 0.92 फीसदी, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.85 फीसदी और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.17 फीसदी गिरा। दूसरी ओर चीन का शंघाई कंपोजिट 0.20 फीसदी की बढ़त के साथ ऊपर आया। अमेरिकी बाजारों की बात करें तो वॉल स्ट्रीट में गिरावट रही। एसएंडपी 500 में 0.64 फीसदी की गिरावट रही जबकि नैस्डैक कंपोजिट में 1.15 फीसदी की कमी आई। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज भी 0.20 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 8,092.90 करोड़ रुपये के शेयर बेचे दूसरी ओर घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 10,925.34 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

रेयर अर्थ मैग्नेट की कमी ने बजाज ऑटो को पांचवें स्थान पर धकेला

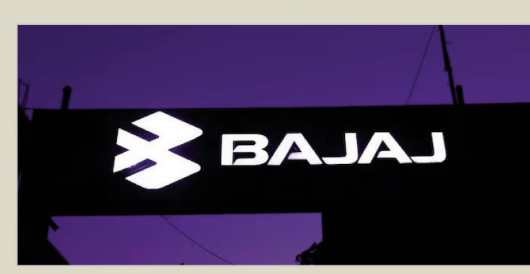

नईदिल्ली । अगस्त के महीने में भारतीय इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में पहली बार एथर एनर्जी ने ओला इलेक्ट्रिक को पछाड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया। वहीं, रेयर अर्थ मैग्नेट की कमी ने बजाज ऑटो को पांचवें स्थान पर धकेल दिया। जानकारों के मुताबिक, बजाज की चेतक इलेक्ट्रिक और गोगो 3डब्ल्यू की प्रोडक्शन चीन से आई सप्लाई चेन की रुकावट से बुरी तरह प्रभावित हुई। रेयर अर्थ मैग्नेट की कमी को लेकर कंपनी ने पहले ही चेतावनी दी थी कि अगस्त उनके लिए जीरो मंथ साबित हो सकता है। हालांकि, उम्मीद जताई जा रही है कि सप्लाई जल्द सुधरेगी और बजाज अपनी पुरानी पोजिशन पर लौट आएगा। ओला इलेक्ट्रिक को अगस्त में एक तरफ पीएलआई स्कीम की मंजूरी मिली, जिससे कंपनी को 2028 तक 13-18प्रतिशत तक का इंसेंटिव मिलेगा, लेकिन दूसरी ओर मार्केट शेयर में गिरावट और ग्राहकों का घटता भरोसा अभी भी कंपनी के लिए चुनौती बना हुआ है। इसका असर इसके शेयर प्राइस पर भी दिखा, जो 76 रुपये से गिरकर 50.8 रुपये तक पहुंच गया। दूसरी ओर, एथर एनर्जी ने अप्रत्याशित छलांग लगाई। मई में लिस्टेड हुई कंपनी का जून तिमाही में रेवेन्यू 79 प्रतिशत बढ़कर 644.6 करोड़ रुपये पहुंच गया। घाटा भी घटकर 178.2 करोड़ रह गया, जो पिछले साल से कुछ बेहतर स्थिति है। इस ग्रोथ ने एथर को ओला के ऊपर पहुंचा दिया है। उद्योग में चिंता का बड़ा कारण रेयर अर्थ एलिमेंट्स की कमी बनी हुई है। ये मिनरल्स ईवी, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिफेंस सेक्टर के लिए बेहद अहम हैं। चीन की सप्लाई कर्ब्स ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। यही वजह है कि ओला समेत कई कंपनियां अब रेयर अर्थ-फ्री मोटर्स पर काम कर रही हैं, ताकि चीन पर निर्भरता कम की जा सके। अगस्त का यह उतार-चढ़ाव बताता है कि ईवी मार्केट सिर्फ प्रतिस्पर्धा का नहीं बल्कि सप्लाई चेन प्रबंधन का भी खेल है।

अगस्त में मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 59.3 पर, प्रोडक्शन में तेजी

जॉब जेनरेशन लगातार 18वें महीने मजबूत

नई दिल्ली।

भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने अगस्त में मजबूत ग्रोथ दर्ज की गई। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) जुलाई के 59.1 से बढ़कर 59.3 हो गया। एसएंडपी ग्लोबल की ओर से जारी आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई। पीएमआई का यह स्तर बीते 17 साल और छह महीने में ऑपरेटिंग स्थिति में सबसे तेज सुधार को दिखाता है। सर्वे में शामिल कारोबार ने इनपुट स्टॉक्स में बढ़ोतरी की रिपोर्ट दी, जबकि फिनिश्ड प्रोडक्ट्स का इन्वेंटरी भी नौ महीनों में पहली बार बढ़ा। एचएसबीसी इंडिया प्रमुख प्रांजल भंडारी ने कहा, ÷अगस्त में भारत का मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई एक नई ऊंचाई पर पहुंचा, इसका कारण उत्पादन में तेज विस्तार है। अमेरिकी की ओर से भारतीय वस्तुओं पर 50 फीसदी टैरिफ बढ़ाने से नई एक्सपोर्ट ऑर्डर्स की ग्रोथ में थोड़ी नरमी आई हो सकती है, क्योंकि अमेरिकी खरीदार टैरिफ की अनिश्चितता के बीच ऑर्डर देने से बच रहे हैं। नए ऑर्डर मजबूती से आते रहे, जुलाई की रफ्तार के बराबर- जो पिछले 57 महीनों में सबसे तेज थी। सबसे मजबूत बिक्री और प्रोडक्शन परफॉर्मेंस इंटरमीडियेट गुड्स कैटेगरी में देखा गया। इसके बाद कैपिटल गुड्स और फिर कंज्यूमर गुड्स का स्थान रहा। इंटरनेशनल ऑर्डर में ग्रोथ थोड़ी धीमी रही, जो पिछले पांच महीनों में सबसे कमजोर रही। कंपनियों ने एशिया, यूरोप, पश्चिम एशिया और अमेरिका से नए काम हासिल करने की जानकारी दी।

जॉब जेनरेशन लगातार 18वें महीने मजबूत

कंपनियों ने अतिरिक्त सामग्री की खरीद तेज की और कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई। वे आंशिक रूप से बिजनेस आउटलुक को लेकर सकारात्मक हैं। ग्रोथ रेट 16 महीने के हाई पर पहुंच गई, जो लॉन्ग टर्म औसत से काफी ऊपर है। इभारतीय मैन्युफैक्चरर अपनी वर्कफोर्स एक्सपेंशन जारी रखे हुए हैं। अगस्त में रोजगार 18वें लगातार महीने बढ़ा। हालांकि जॉब जेनरेशन नवंबर 2024 के बाद सबसे धीमी गति से हुआ, फिर भी यह ऐतिहासिक रूप से मजबूत बना रहा।

पॉपुलर कॉम्पैक्ट एसयूवी किगर का फेसलिफ्ट वर्जन लांच

नईदिल्ली । भारतीय बाजार में रेनॉल्ट इंडिया ने अपनी पॉपुलर कॉम्पैक्ट एसयूवी किगर का फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च कर दिया है। नई रेनॉल्ट किगर का बेस वैरिएंट अथेंटिक अब पुराने आरएक्सई से सिर्फ 15,000 रुपये महंगा है, जबकि टॉप-स्पेक इमोशन वैरिएंट की कीमत पिछले मॉडल से केवल 6,000 रुपये ज्यादा है। कंपनी ने कीमतों में मामूली बढ़ोतरी की है, लेकिन फीचर्स और लुक्स के मामले में नई किगर को और ज्यादा आकर्षक व प्रीमियम बना दिया गया है। डिजाइन और फीचर्स के लिहाज से नई किगर पहले से कहीं ज्यादा मॉडर्न और फ्रेश नजर आती है। एक्सटीरियर में नई ग्रिल, अपडेटेड बंपर, स्टाइलिश एलईडी डीआरएल और हेडलैंप दिए गए हैं, जो इसे और ज्यादा स्पोर्टी बनाते हैं। वहीं इंटीरियर में नया इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, प्रीमियम अपहोल्स्ट्री और बेहतर स्पेस मैनेजमेंट जोड़ा गया है। सेफ्टी के लिहाज से मल्टीपल एयरबैग्स, ईएसपी, हिल-स्टार्ट असिस्ट और रियर कैमरा जैसे फीचर्स मौजूद हैं। कंपनी ने इंजन ऑप्शन में कोई बदलाव नहीं किया है। इसमें 1.0-लीटर नेचुरली एस्पिरेटेड और 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन के साथ 5-स्पीड मैनुअल, एएमटी और सीवीटी गियरबॉक्स का विकल्प मिलता है। स्मूद ड्राइविंग और दमदार परफॉर्मेंस दोनों का ध्यान रखा गया है। बाजार में यह एसयूवी टाटा पंच, मारुति फ्रोंक्स और हुंडई एक्सटर जैसी गाड़ियों से टक्कर लेगी।

डाकबंगला चौराहे पर राहुल गांधी बोले: हम हाइड्रोजन बम के साथ तैयार

खड़गे का दावा 6 महीने में गिरेगी सरकार, तेजस्वी ने कहा- 2 भाजपाई बिहारियों को ठगने निकले हैं

पटना। बिहार में 16 दिन चली राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा आज यानी सोमवार को पटना में खत्म हुई। राहुल ने साढ़े 3 घंटे पटना में वोटर अधिकार मार्च निकाला। गांधी मैदान में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सुबह 11 बजे मार्च की शुरूआत हुई जो हाईकोर्ट के पास अंबेडकर मूर्ति पर माल्यार्पण कर खत्म हुई। इससे पहले राहुल-तेजस्वी के मार्च को डाकबंगला चौराहे पर रोक दिया गया। यहां जनसभा हुई। इसके लिए पहले से मंच तैयार था। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा, 'ठऊअ के लोग वोट चोरी कर जीत रहे। महाराष्ट्र में भी ये वोट चोरी कर जीते। देश ही नहीं, चीन में भी लोग बोल रहे हैं, वोट चोर, गद्दी छोड़।' 'वोटर अधिकार यात्रा में बीजेपी के लोग काले झंडे दिखा रहे हैं। बीजेपी के लोग सुन लें, एटम बम से बड़ा हाइड्रोजन बम होता है, वो आ रहा है। वोट चोरी की सच्चाई पूरे देश को पता लगने वाली है। हाइड्रोजन बम के बाद नरेंद्र मोदी देश को अपना चेहरा नहीं दिखा पाएंगे।' राहुल गांधी का भाषण जैसे ही खत्म हुआ, कुछ युवक काला झंडा दिखाने लगे। उसके बाद हंगामा शुरू हो गया। पुलिस ने वहां से दो युवक को किसी तरीके से निकाला। दोनों को पुलिस थाने ले गई है। दोनों से पूछताछ चल रही है। वहीं राहुल गांधी दिल्ली के लिए निकल चुके हैं। महाराष्ट्र में हमसे चुनाव चोरी किया गया था। तकरीबन एक

करोड़ नए वोटर लोकसभा चुनाव के बाद जोड़े जाते हैं। जितना हमें लोकसभा में मिला, उतना विधानसभा में गया। नए सारे वोट भाजपा के खाते में चले गए। क्योंकि, चुनाव आयोग और भाजपा ने मिलकर वोट चोरी की। हमने साफ दिखाया कि एक क्षेत्र में एक लाख से ज्यादा फर्जी वोटर थे। हमने डाटा के साथ दिखाया। चुनाव आयोग हमें वोटर लिस्ट नहीं देती। सीसीटीवी नहीं दिखाती। चार महीने, 16-17 घंटे काम कर हमने देश के सामने सबूत रखा। बिहार के युवाओं को मैं कहना चाहता हूं, वोट चोरी का मतलब अधिकार की चोरी, आरक्षण की चोरी, रोजगार की चोरी, शिक्षा की चोरी, लोकतंत्र की चोरी, युवाओं के भविष्य की चोरी। यह आपकी जमीन, आपका राशन कार्ड लेकर अडाणी-अंबानी को दे देंगे। महात्मा गांधी की हत्या करने वाली शक्ति संविधान की हत्या करने की कोशिश कर रहे हैं। हम इन्हें संविधान की हत्या नहीं करने देंगे। हमने बिहार की यात्रा की। बिहार के सारे के सारे युवा खड़े हो गए। छोटे-छोटे बच्चे जीप के पास आते थे, कहते थे वोट चोर, गद्दी छोड़। बीच में बीजेपी के लोग काले झंडे दिखाते थे। आपने एटम बम का नाम सुना है? एटम बम से बड़ा हाइड्रोजन बम होता है। बीजेपी के लोगों तैयार हो जाओ, हाइड्रोजन बम आ रहा है। पूरे देश को आपकी सच्चाई पता लगने वाली है। हाइड्रोजन बम के बाद नरेंद्र मोदी जी अपना चेहरा देश को नहीं दिखा सकेंगे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संबोधित करते हुए कहा कि इस 15 दिन की यात्रा पूरे देश में चर्चा चली। भाजपा ने इसमें रुकावट डालने की पूरी कोशिश की। गठबंधन के लोग राहुल जी या तेजस्वी जी नहीं डरे। वोट चोरी करने वाले पैसा चोरी करने की भी आदत रखते हैं। बैंक से चोरी कर बाहर जाने वालों को भी यह संभालते हैं। मोदी जी बिहार में वोट चोरी कराकर जीतना चाहते हैं। सतर्क नहीं रहेंगे तो यह मोदी और शाह आपको डुबा देंगे। आजादी के बाद जो वोट का अधिकार दिलाया गया, उसे खोना नहीं। यह महात्मा गांधी, आंबेडकर और नेहरु जी ने अधिकार दिया है। सीएम नीतीश कुमार पर हमला करते हुए खरगे ने कहा कि यह आरएसएस वाले आपको कचरा में जाकर फेकेंगे। खरगे ने पुलिस को राहुल गांधी की यात्रा रोकने के लिए भी आड़े हाथ लिया। उन्होंने नारा लगवाया- मोदी को हटाओ। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे के बाद हेमंत सोरेन अभिवादन करते हुए अपना संबोधन शुरू किया और मुकेश सहनी और क्रिकेटर युसुफ पठान को बड़ा भाई कहकर संबोधित किया। आदाब, प्रणाम और सलाम करते हुए तेजस्वी ने कहा कि यह बिहार की धरती है, लोकतंत्र की जननी है। यह कुछ, कुछ भी नहीं दो भाजपाई लोग चुनाव आयोग के साथ मिलकर लोकतंत्र की धरती से लोकतंत्र को खत्म कर देना चाहते हैं। लोकतंत्र चाहिए या राजतंत्र चाहिए? यह लोग चाहते हैं कि बिहारी लोग को ठग लें। फैक्टरी लगाएंगे गुजरात में और वोट चाहिए बिहार में! हमारे मुख्यमंत्री इतनी बार पलटी मारे हैं कि इनका दिमाग चकरा गया है। एक इंजन अपराध और एक भ्रष्टाचार में लगा है। अपना वोट कटने नहीं देना है। बड़ी चालाकी से फर्जी वोट जोड़े जा रहे हैं। इस सरकार को आने वाले चुनाव में उखाड़ फेंकना है। भ्रष्टाचार के भीष्म पितामह बन गए हैं सीएम नीतीश कुमार। मंत्रीजी के यहां सुबह शाम जाते हैं। और, उनके विभाग के इंजीनियर पकड़े जाते हैं तो रुपए जला दिए जाते हैं।

लापता युवक के बरामद नहीं होने पर सड़क पर उतरे लोग

आगजनी कर किया जाम

लखीसराय। शहर के कबैया थाना क्षेत्र अंतर्गत नया बाजार पचना रोड निवासी युवक सिकंदर कुमार के 25 अगस्त से लापता होने और पुलिस की निष्क्रियता के खिलाफ रविवार को लोगों का आक्रोश फूट पड़ा।नाराज परिजनों और मोहल्लेवासियों ने नया बाजार पचना रोड मोड़ के पास मुख्य मार्ग को जाम कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान आक्रोशित लोगों ने मुख्य सड़क पर टायर में आग लगाकर आंदोलन को और उग्र बना दिया। जिससे आवागमन पूरी तरह ठप हो गया और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। स्वजन ने बताया कि 26 अगस्त को ही सिकंदर के पिता ने कबैया थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराईथी, लेकिन अब तक पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। आरोप है कि पुलिस केवल आश्वासन दे रही है, जबकि युवक का कोई सुराग नहीं लग पाया है। जाम स्थल पर सिकंदर की माता-पिता, पत्नी और बच्चे समेत बड़ी संख्या में मोहल्ले के लोग धरने पर बैठे हुए थे। इस दौरान लोग पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे और लापरवाही पर सवाल खड़े कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि अगर शीघ्र युवक की बरामदगी नहीं होती है, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

गया मेडिकल कॉलेज में बवाल

गयाजी। जिले के अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एएनएमसीएच) में सोमवार सुबह बड़ा बवाल हो गया। अस्पताल परिसर में जूनियर डॉक्टर और एक प्राइवेट एंबुलेंस चालक के बीच कहासुनी इतनी बढ़ गई कि बात हाथापाई तक पहुंच गई। देखते ही देखते अस्पताल का माहौल जंग के मैदान में बदल गया। घटना से नाराज इंटर्न डॉक्टरों ने इमरजेंसी सेवा ठप कर दी और आरोपी चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। इमरजेंसी बंद होने से अस्पताल में भर्ती मरीजों और आपातकालीन इलाज के लिए पहुंचे लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी।सूचना मिलते ही मगध मेडिकल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति संभालने में जुट गई।

संक्षिप्त डायरी

बाढ़ के चकसर्वर गांव में चुनाव बहिष्कार का ऐलान

पटना। बाढ़ विधानसभा क्षेत्र के कल्याणपुर पंचायत स्थित चकसर्वर गांव के लोगों ने चुनाव बहिष्कार का ऐलान किया है। करीब 5000 की आबादी वाले इस दलित-महादलित बहुल गांव में आजादी के 75 साल बाद भी न तो पक्की सड़क है और न ही नाला। ग्रामीणों ने गांव में जगह-जगह 'रोड नहीं तो वोट नहीं' के बैनर-पोस्टर लगा दिए हैं। उनका कहना है कि फोरलेन और सिक्स लेन का कोई मतलब नहीं, जब गांव तक सड़क ही नहीं है। बरसात के दिनों में यहां हालात और भी खराब हो जाते हैं। कीचड़ में साइकिल तक नहीं चल पाती। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को भारी परेशानी होती है। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। युवाओं को काम पर जाने में दिक्कत होती है। पानी जमा होने से महिलाएं बर्तन से पानी निकालती हैं, जिससे खेतों में विवाद की स्थिति बन जाती है। मरीजों को खाट पर ले जाना पड़ता है। बारिश में गाड़ियां नहीं चल पातीं। वार्ड पार्षद शैलेन्द्र दास के अनुसार, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को कई बार आवेदन दिया गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय निवासी महेश कहते हैं कि उन्हें सिर्फ आश्वासन मिलते हैं, विकास नहीं। क्षेत्र के विधायक ज्ञानेंद्र कुमार ज्ञानू हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि नेता चुनाव के समय आते हैं और वोट लेकर चले जाते हैं। स्थानीय निवासी अनुज कुमार का कहना है कि देश तो आजाद हो गया, लेकिन उन्हें अभी तक आजादी नहीं मिली है।

आरा में बदमाशों का तांडव, जमानत पर लौटे युवक को मारी गोली; पिता का फोड़ दिया सिर

आरा। भोजपुर जिले के बहोरनपुर थाना क्षेत्र के गौरा-बहोरनपुर गांव के बीच सोमवार को बाइक सवार बदमाशों ने पुत्र को गोली मारकर पिता का सिर फोड़ दिया।हमले में घायल दामोदरपुर गांव निवासी पिता-पुत्र सुनील कुमार राय और सुजीत कुमार राय को इलाज के लिए आरा शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसमें सुजीत राय को गोली लगी है। पुलिस ग्रामीणों के सहयोग से दो संदिग्धों को पकड़ पूछताछ कर रही है। इस घटना को पूर्व रंजिश और शोध प्रतिशोध से जोड़कर देखा जा रहा है। हमले में गोली से घायल सुजीत राय पूर्व में सीएसपी संचालक धर्मेंद्र राय की हत्या में लाइन की भूमिका को लेकर गिरफ्तार हुआ था।। बाद में जमानत पर छूटकर बाहर आया था। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

ससुर ने ही सुपारी देकर कराया दामाद का मर्डर

सीतामढ़ी। बथनाहा थाना क्षेत्र के कोईली गांव में हुए दोहरे हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने मृतक दिलीप कुमार के ससुर अकलू महतो समेत दो सुपारी किलर को गिरफ्तार किया है। एसपी अमित रंजन के अनुसार 17 अगस्त को कोईली सरेह से दिलीप कुमार और राजेश पासवान के शव मिले थे।

जांच में सहियारा थाना क्षेत्र के भोला राम और बिकाऊ राम को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में पता चला कि अकलू महतो ने एक लाख रुपए में हत्या की सुपारी दी थी। इसमें 12 हजार रुपए एडवांस दिए गए थे। 16 अगस्त की रात आरोपी भोला और बिकाऊ दिलीप को बाइक पर कोईली सरेह ले गए। शराब पार्टी के दौरान दिलीप की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी। मौके पर पहुंचे राजेश पासवान को भी मार दिया गया। ससुर अकलू ने बताया कि दिलीप अय्याशी का आदी था। वह पैतृक संपत्ति बेचकर मौज-मस्ती करता था। दिसंबर 2024 में उसने कीमती जमीन कम दाम में बेच दी थी। वह शराब के धंधे में शामिल हो गया था और समझाने पर ससुर से मारपीट करता था। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल की गई कुल्हाड़ी, बाइक और कपड़े बरामद कर लिए हैं। तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

बॉयफ्रेंड से झगड़े के बाद किन्नर ने किया सुसाइड: साथियों से कहा-सिगरेट पीने जा रही हूं

रूम बंद कर लगाई फांसी, म्यूजिकल ग्रुप में डांसर थी

सीवान। बॉयफ्रेंड से झगड़े के बाद एक किन्नर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। किन्नर, पश्चिम बंगाल निवासी शिवम विश्वास(19) है। वह एक साल से नेहा म्यूजिकल ग्रुप में डांसर थी। म्यूजिकल ग्रुप के संचालक अशोक राय ने बताया, 'मृतक शिवम का बगौरा के ही युवक कल्लू के साथ प्रेम संबंध था। दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। रविवार की शाम भी दोनों में कहासुनी हुई थी।' 'इसके बाद शिवम ने साथियों से कहा- वह सिगरेट पीने जा रही है और बगल के पुराने कमरे की ओर निकल गई। काफी देर तक वापस नहीं लौटी तो उसके साथियों ने फोन किया। मोबाइल बंद था। खोजबीन के दौरान साथी जब उस कमरे तक पहुंचे तो खिड़की से देखा कि शिवम फांसी के फंदे से लटकी थी। जिसके बाद साथियों ने पुलिस को जानकारी दी। घटना दरौंदा प्रखंड के बगौरा गांव की है। साथी किन्नर

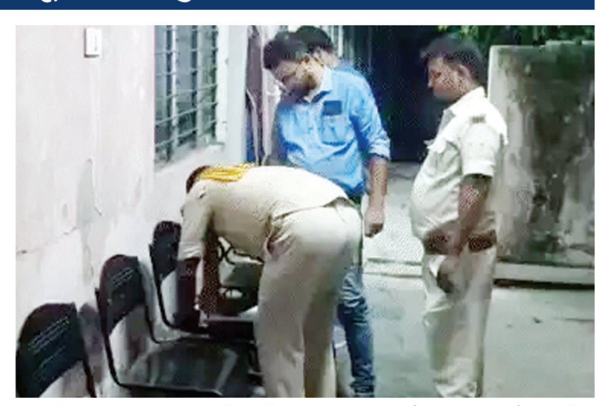

का कहना है, 'बगौर गांव के कल्लू नामक युवक से शिवम का प्रेम प्रसंग चल रहा था। कल्लू किसी दूसरे लड़की से भी बात करता था, जो शिवम को पसंद नहीं था।' 'इसी को लेकर दोनों में अकसर विवाद होता था। शिवम को समझाया गया था कि कल्लू को तुम से प्यार नहीं है तो तुम उससे बात करना छोड़ दो, लेकिन वो नहीं मानी। दोनों रोज बात करते थे।' रविवार की शाम भी विवाद हुआ था। जिसके बाद शिवम पुराने रूम पर सिगरेट पीने का बोलकर चली गई। थोड़ी देर बाद कल्लू का फोन आया और बोला कि झगड़ा हुआ है।' 'कल्लू ने हमें बताया, 'शिवम का फोन बंद आ रहा है, बात नहीं हो पा रही, कहां है वो।

इसके बाद जब खोजते हुए पुराने रूम पर पहुंचे। रूम अंदर से बंद था। खिड़की से देखा तो शिवम पंखे से लटकी थी।' थाना प्रभारी विकास कुमार सिंह ने बताया, 'शुरूआती जांच में मामला आत्महत्या का लग रहा है। दूसरे डांसर्स का बयान लिया गया है। आशंका है कि प्रेम संबंधों में तनाव के कारण शिवम ने ये कदम उठाया है।' हालांकि पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। दरौंदा थाना पुलिस पहुंची और शव को फंदे से उतारकर कब्जे में ले लिया।

शव को देर रात पोस्टमॉर्टम के लिए सीवान सदर अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने मृतका का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है, ताकि प्रेम विवाद और आत्महत्या के कारणों की जांच की जा सके।

पूर्णिया: युवक ने जहर खाकर की खुदकुशी की कोशिश: दोस्त को 8 लाख रुपए कर्ज दिया था

पूर्णिया। दोस्त को 8 लाख रुपए देना एक युवक को भारी पड़ गया। रुपए मांगने पर ईंट भट्ठा संचालक दोस्त मारपीट करने लगा। यहां तक की उसने जान से मारने की धमकी भी दी। मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर युवक ने जहर खा लिया। मुंह से झाग आता देख परिजन आनन-फानन में GMCH लेकर पहुंचे। जहां गंभीर हालत में इलाज जारी है। पीड़ित की पहचान मंझेली गांव निवासी हरिलाल ठाकुर के बेटे दीप नारायण ठाकुर(32) के तौर पर हुई है। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मंझेली गांव की है। पीड़ित ने बताया कि पिछले 5 साल में दोस्त मो. एजाज आलम को 8.67 लाख रुपए दे चुका है। एजाज का ईंट भट्ठा है। इसे बढ़ाने के लिए पहले 4 लाख 67 हजार और फिर 4 लाख रुपए देकर मदद की थी। ये रुपए मैंने दूसरे से लेकर दिया था। पैसा लेते समय दोस्त ने जल्द ही लौटाने का वादा किया था। उसी

गांव के रहने वाले उसके दोस्त मो. शहबाज आलम को भी इसकी जानकारी थी, तीनों बचपन के दोस्त थे। काफी समय बीतने के बाद भी एजाज आलम ने लिखित तौर पर दिए उसके 8 लाख रुपए नहीं लौटाए। इसके बाद मैंने 75 हजार ईंटों की मांग की। मगर ईंट देने में आना कानी करने लगा। मुश्किल से उसने 2 से 4 गाड़ी ईंटें दीं। 4 साल तक रुपए मांगने पर टालमटोल करता रहा। टोकने पर उसने 6 महीने पहले बुरी तरह पीटा। हालांकि इसके बाद जल्द रुपए लौटाने की बात कबूल करते हुए सुलह कर लिया था। पीड़ित दीप नारायण ठाकुर ने आगे कहा कि सख्त जरूरत पड़ने पर जब रुपए मांगा को जान से मारने की धमकी देने लगा। उसकी ओर से मानसिक प्रताड़ना बढ़ गई। इधर जिन कर्जदाताओं से रुपए लेकर मदद की थी, उनका भी दबाव बढ़ने लगा। इन सब से तंग आकर आखिर में खुद को खत्म कर लेने का फैसला किया। जहर खाकर जान देने की कोशिश की। पिता हरिलाल ठाकुर ने बताया कि उन्होंने ईंट भट्टा संचालक दोस्त मो. एजाज आलम के खिलाफ स्थानीय मुफस्सिल थाना में लिखित आवेदन देकर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बिहार में यहां बन रहा एक और रेलवे बाईपास

जंक्शन पर खत्म होगा इंजन बदलने का झंझट

सरायगढ़ (सुपौल)। सहरसा-फारबिसगंज रेलखंड पर बैजनाथपुर रेलवे हॉल्ट से झाझा गांव तक बनाए जा रहे बाईपास रेल मार्ग से बरसात के बाद ट्रेनों का परिचालन शुरू होने की संभावना है। रेलवे इस निर्माण कार्य को तेज गति से आगे बढ़ा रहा है। रेल अधिकारियों का मानना है कि इस बाईपास रेल के शुरू होने से यात्रियों का न केवल समय बचेगा, बल्कि परिचालन व्यवस्था भी सुगम होगी।सूत्रों के अनुसार बैजनाथपुर से झाझा के बीच रेल बांध का निर्माण पूरा कर लिया गया है। फिलहाल इस पर मालगाड़ियों का आवागमन शुरू किया गया है। मालगाड़ी संचालन से निर्माण कार्य के लिए आवश्यक सामग्रियों की ढुलाई सरल हो गई है। निर्माण से जुड़े लोगों ने बताया कि बरसात के बाद इसी पटरी से यात्री गाड़ियों

का परिचालन शुरू कर दिया जाएगा। इसके बाद सहरसा से दरभंगा, पटना और अन्य दूरियों के लिए ट्रेनों को सरायगढ़ जंक्शन तक नहीं आना पड़ेगा। वर्तमान में सहरसा से दरभंगा जाने वाली सभी ट्रेनें सरायगढ़ जंक्शन होकर गुजरती हैं। यहां इंजन को आगेझ्र पीछे करना पड़ता है, जिससे यात्रा में विलंब होता है। विभाग का कहना है कि बाईपास के शुरू हो जाने के बाद इंजन बदलने की आवश्यकता नहीं होगी और ट्रेनों को सीधा मार्ग मिलेगा। इससे समय की बचत होगी और परिचालन भी अधिक प्रभावी तरीके से हो सकेगा। जानकारी के मुताबिक जब दरभंगा-सरायगढ़ बड़ी रेल लाइन का शिलान्यास हुआ था, तभी निर्मली स्टेशन से आगे झाझा गांव के पास से बैजनाथपुर तक बाईपास रेल बनाने की योजना बनाई गई थी। हालांकि बीच में कार्य की रफ्तार धीमी हो गई थी, लेकिन अब विभाग इस प्रोजेक्ट को तेजी से पूरा करने की दिशा में जुटा है।

स्थानीय लोगों ने बैजनाथपुर रेलवे हॉल्ट, जो अब स्टेशन का रूप ले चुका है, के अगलझ्रबगल वॉशिंग पिट बनाने की मांग उठाई है। ग्रामीणों का कहना है कि स्टेशन के आसपास रेलवे की काफी जमीन उपलब्ध है। यदि वहां वाशिंग पिट का निर्माण हो जाए तो न केवल ट्रेनों की धुलाई-मरम्मत का कार्य सुगमता से होगा, बल्कि बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। बरसात के बाद बैजनाथपुरझ्रझाझा बाईपास रेल मार्ग पर यात्री गाड़ियों का परिचालन शुरू होते ही क्षेत्र के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। समय की बचत, इंजन बदलने की परेशानी से छुटकारा और रोजगार की संभावनाओं से यह बाईपास रेल न सिर्फ रेलवे के लिए बल्कि स्थानीय लोगों के लिए भी वरदान साबित होगा।

हरी मिर्च काटते वक्त जलन से परेशान? अपनाएं ये 5 आसान और असरदार घरेलू टिप्स

रसोई में हरी मिर्च काटना एक आम लेकिन परेशान करने वाला काम हो सकता है, खासकर जब मिर्च काटने के बाद हाथों में तेज जलन शुरू हो जाती है। दरअसल, हरी मिर्च में कैप्साइसिन नामक एक तीखा तत्व होता है, जो स्किन के संपर्क में आते ही जलन पैदा करता है। लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि कुछ घरेलू और आसान उपायों से आप इस जलन से पूरी तरह बच सकते हैं।

हाथों पर तेल या घी लगाएं

हरी मिर्च काटने से पहले हाथों पर थोड़ा घी या खाना पकाने का तेल लगा लें। यह स्किन पर एक सुरक्षात्मक परत बना देता है, जिससे कैप्साइसिन सीधा त्वचा से नहीं टकराता और जलन नहीं होती। यह उपाय न सिर्फ आसान है बल्कि रसोई में हमेशा उपलब्ध भी होता है।

दस्ताने पहनें

अगर आप पूरी तरह सुरक्षित तरीका अपनाना चाहते हैं तो डिस्पोजेबल ग्लव्स या किचन रबर ग्लव्स पहनकर मिर्च काटें। इससे आपके हाथ सीधे मिर्च के संपर्क में नहीं आते और जलन का कोई खतरा नहीं रहता।

ये भी पढ़ें : बॉलीवुड की दरियादिल एक्ट्रेस ने हाउस हेल्प करने वालों को बना दिया मालिकजनिभाया परिवार जैसा साथ

कैंची का इस्तेमाल करें

जब मिर्च बहुत बारीक काटने की जरूरत न हो, तो कैंची से मिर्च काटना एक बेहतरीन विकल्प है। इससे न सिर्फ मिर्च जल्दी और समान आकार में कट जाती है, बल्कि आपकी उंगलियों का सीधे मिर्च से संपर्क भी नहीं होता। कैंची से काटना तेज, साफ-सुथरा और जलन मुक्त तरीका है।

चॉपिंग बोर्ड और तेज चाकू का करें इस्तेमाल

अगर आप चाकू से ही मिर्च काटना पसंद करते हैं, तो एक तेज धार वाला चाकू और चॉपिंग बोर्ड इस्तेमाल करें। मिर्च को हाथ में पकड़ने की बजाय बोर्ड पर रखें और तेजी से काटें ताकि हाथों का मिर्च से संपर्क कम से कम हो। काटने के बाद हाथों को तुरंत साबुन से धोना न भूलें।

जलन होने पर ठंडे पानी का इस्तेमाल करें

अगर किसी वजह से आपके हाथों में जलन हो ही गई है तो तुरंत ठंडे पानी में हाथ डुबोएं। चाहें तो पानी में थोड़ा सा नमक या सिरका मिला सकते हैं। इससे कैप्साइसिन का असर कम हो जाता है और जलन से राहत मिलती है।

हरी मिर्च काटना अब कोई दर्दनाक काम नहीं रहेगा। ऊपर बताए गए घरेलू और आसान उपायों से आप न केवल जलन से बच सकते हैं, बल्कि मिर्च काटने का काम भी तेजी और सफाई से पूरा कर सकते हैं। अगली बार जब आप मिर्च काटें, तो इन तरीकों को जरूर आज़माएं।

हल्दी को महीनों तक ताजा रखने के 4 आसान टिप्स

हल्दी, सिर्फ एक मसाला नहीं है बल्कि यह हर भारतीय रसोई का अहम हिस्सा है। हल्दी न सिर्फ खाने में रंग और स्वाद लाती है, बल्कि यह कई घरेलू नुस्खों में भी काम आती है। पुराने समय से ही हल्दी का उपयोग घाव भरने, इम्युनिटी बढ़ाने, गले की खराश ठीक करने, और कई बीमारियों से लड़ने के लिए किया जाता रहा है। यह अपने एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-बैक्टीरियल, और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के लिए जानी जाती है। चाहे आप हल्दी को पाउडर के रूप में इस्तेमाल करते हों या कच्ची हल्दी घर पर रखते हों, उसे सही तरीके से स्टोर करना जरूरी है ताकि उसका स्वाद, खुशबू, और फायदे बरकरार रहें।

हल्दी पाउडर को कैसे स्टोर करें?

1. हल्दी पाउडर को हमेशा एयरटाइट कंटेनर में रखें ताकि उसमें नमी न जाए।

2. इसे धूप, गर्मी, और नमी से दूर रखें। हल्दी धूप में रखने से अपना रंग और गुण खो देती है।

3. जब भी हल्दी निकालें, सूखी चम्मच का इस्तेमाल करें। गीली चम्मच से नमी आ जाती है, जिससे हल्दी जल्दी खराब हो सकती है।

4. अगर आपने थोक में हल्दी खरीदी है, तो उसे छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लें। इससे पूरा स्टॉक बार-बार हवा के संपर्क में नहीं आएगा और ज्यादा दिनों तक चलेगा।

कच्ची हल्दी को कैसे स्टोर करें?

1. सबसे पहले हल्दी को हल्के हाथों से धो लें ताकि उस पर लगी मिट्टी निकल जाए। फिर उसे पूरी तरह सुखा लें।

2. सूखी हुई हल्दी को एक पेपर टॉवल में लपेटें और उसे ज़िपलॉक बैग या एयरटाइट डिब्बे में रखें। पेपर टॉवल अतिरिक्त नमी सोख लेगा।

3. इस डिब्बे को अपने फ्रिज के वेजिटेबल ड्रॉअर में रखें। इस तरह हल्दी 2 से 3 हफ्ते तक ताजी बनी रहेगी।

4. अगर आप हल्दी को लंबे समय तक रखना चाहते हैं, तो इसे काटकर या कद्दूकस करके छोटे हिस्सों में फ्रीज़ कर लें। आप इसे आइस क्यूब ट्रे में भी स्टोर कर सकते हैं और जरूरत के अनुसार इस्तेमाल कर सकते हैं।

प्राकृतिक तरीकों से हल्दी को कैसे संरक्षित करें?

अगर आप हल्दी को लंबे समय तक बिना फ्रीज़ किए रखना चाहते हैं, तो पुराने देसी तरीके अपनाएं।

हल्दी को प्राकृतिक रूप से स्टोर करने के उपाय : कच्ची हल्दी को पतले स्लाइस में काट लें और 2-3 दिनों तक धूप में सुखाएं। जब यह पूरी तरह सूख जाए, तो इसे मिक्सर में पीसकर पाउडर बना लें और एयरटाइट डिब्बे में स्टोर करें। हल्दी पाउडर के डिब्बे में आप तेज पत्ता या नीम की लकड़ी या पत्तियां डाल सकते हैं। यह नमी और कीड़े-मकोड़ों को दूर रखते हैं और हल्दी को ताजा बनाए रखते हैं।

चाहे हल्दी पाउडर हो या कच्ची हल्दी - थोड़ी सी सावधानी से आप इसे लंबे समय तक खराब होने से बचा सकते हैं।

वास्तु के हिसाब से ऐसे बनवाएं अपनी किचन, सेहत और स्वाद का यूं लगेगा तड़का

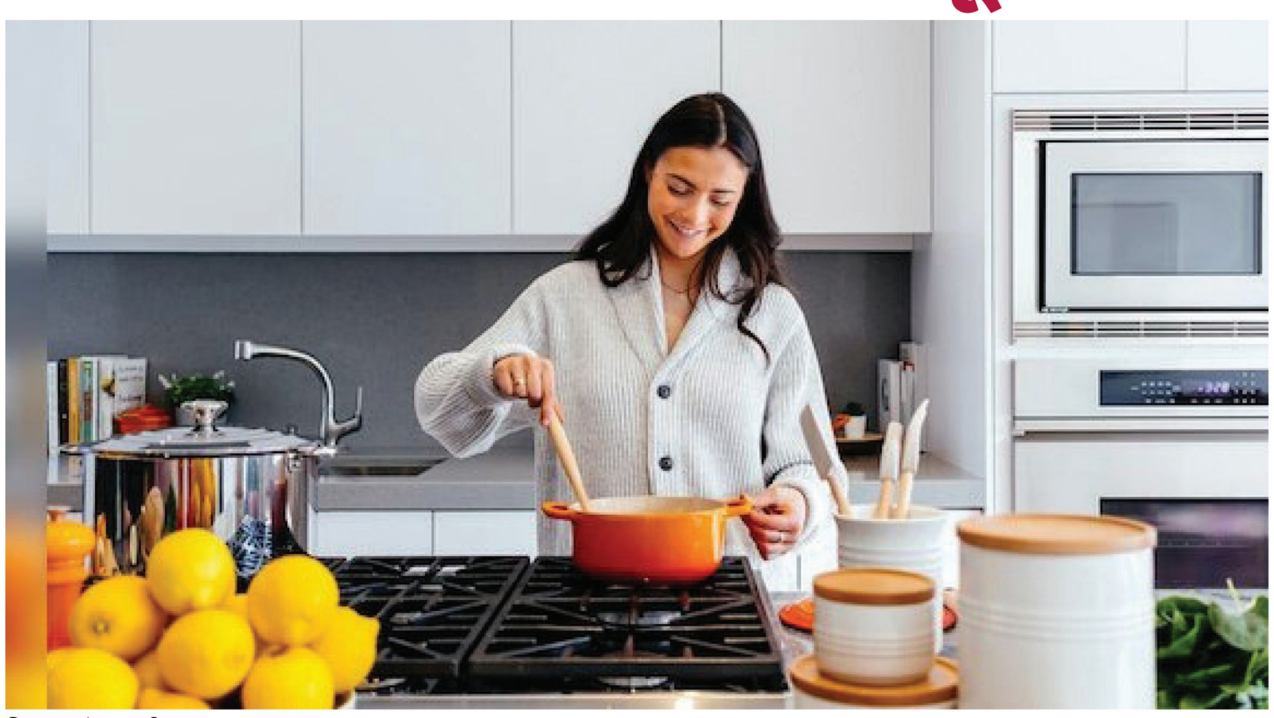

वास्तु शास्त्र का नाम तो आप सभी ने जरूर सुना होगा। यह एक पारंपरिक हिंदू वास्तुशिल्प प्रणाली है जो यह बताती है कि किसी भी भवन या संरचना को किस दिशा में बनाया जाना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण की दिशाएं बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। माना जाता है कि वास्तु के नियमों के अनुसार बनाई गई इमारत में हमेशा सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है, जो घर के सदस्यों के लिए शुभ होती है। इस शास्त्र में पांच तत्वों आग, हवा, पानी, जमीन और अंतरिक्ष को विशेष महत्व दिया गया है। यही कारण है कि हर निर्माण कार्य में इन तत्वों और दिशाओं का ध्यान रखा जाता है ताकि घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहे।

किचन में ऊर्जा का महत्व

घर के सभी हिस्सों में ऊर्जा होती है, लेकिन किचन को घर का सबसे महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। किचन वह जगह है जहां भोजन बनाया जाता है, जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है। इसलिए किचन में सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रकार की ऊर्जा मौजूद रहती है। भोजन ही हमारे शरीर को जीवन देने वाली ऊर्जा का मुख्य स्रोत होता है। इसीलिए किचन के डिजाइन और उसकी स्थिति पर खास ध्यान देना जरूरी होता है ताकि वह ऊर्जा खराब न हो और सेहत पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

वास्तु के अनुसार किचन की सही दिशा

वास्तु शास्त्र के नियमों के मुताबिक, किचन हमेशा घर के दक्षिण-पूर्वी कोने में बनानी चाहिए। यह दिशा आग के तत्व का प्रतीक है, जो किचन के लिए सबसे उपयुक्त मानी जाती है। अगर आप किचन को घर के उत्तर-पूर्वी कोने में बनाते हैं, तो इससे दुर्घटना और गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

इसके अलावा, वास्तु शास्त्र में यह भी कहा गया है कि किचन और रेस्टरूम को कभी भी एक साथ नहीं बनाना चाहिए। दोनों को एक-दूसरे से अलग-अलग रखना जरूरी है। रसोईघर में पूर्व और उत्तर दिशा को खाली रखना चाहिए। किचन में खाना हमेशा पूर्व दिशा की ओर बनाना चाहिए क्योंकि इसे शुभ माना जाता है। यह भी ध्यान रखें कि किचन कभी भी बेडरूम, पूजा के कमरे या टॉयलेट के ऊपर या नीचे नहीं होना चाहिए।

किचन के दरवाजे और खिड़कियों का वास्तु में महत्व

किचन के दरवाजे भी वास्तु के अनुसार बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। किचन के दरवाजे का फेस पूर्व, उत्तर या पश्चिम दिशा में होना चाहिए। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है और परिवार के सदस्य स्वस्थ रहते हैं। अगर किचन का दरवाजा दक्षिण दिशा में है, तो इससे घर के सदस्यों की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। खिड़कियों के मामले में भी दिशा का ध्यान रखना जरूरी है। किचन में खिड़कियां ऐसी जगह लगानी चाहिए जहां से सुबह की सूरज की रोशनी सीधे किचन में आ सके। यह किचन में ताजी हवा और सकारात्मक ऊर्जा लाती है।

वास्तु शास्त्र की मदद से किचन का सही स्थान और डिजाइन निश्चित करना बहुत जरूरी है। इससे न केवल घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है, बल्कि परिवार की सेहत और खुशहाली भी बनी रहती है। इसलिए वास्तु शास्त्र के इन नियमों को ध्यान में रखकर अपने घर की रसोई को बनाएं और सकारात्मक ऊर्जा का स्वागत करें।

कढ़ाई की जमी काली परत हटाएं इस आसान घरेलू नुस्खे से, बिना ज्यादा मेहनत के

कढ़ाई के किनारों पर जमी काली और जिद्दी परत साफ करना अक्सर बहुत मुश्किल लगता है। इसे हटाने के लिए घंटों तक कड़ी मेहनत करनी पड़ती है, जिससे हाथ भी थक जाते हैं और समय भी बहुत लग जाता है। लेकिन अब आपको इस समस्या से परेशान होने की जरूरत नहीं है। माय कुकिंग स्टाइल एंड टिप्स नाम के सोशल मीडिया अकाउंट से एक आसान और प्रभावी तरीका बताया गया है, जिससे आप अपने घर में मौजूद सिर्फ 4 चीजों की मदद से कढ़ाई की काली परत को फटाफट साफ कर सकते हैं। इससे आपकी कढ़ाही बिल्कुल नई जैसी चमक जाएगी।

आपको क्या-क्या चाहिए होगा?

डिटर्जेंट पाउडर

बेकिंग सोडा

नींबू का रस

नमक और पानी

सबसे पहले करें ये काम

सबसे पहले जिस कढ़ाही को साफ करना है, उसमें इतना पानी डालें कि कढ़ाही के किनारों पर जमी काली परत पानी में पूरी तरह डूब जाए। अब इस पानी में 2 से 3 चम्मच डिटर्जेंट पाउडर डालें। इसके बाद 2 से 3 चम्मच बेकिंग सोडा डालें और 1 से 2 चम्मच नमक भी मिलाएं। फिर नींबू का रस डालें। आप चाहें तो नींबू का रस और भी ज्यादा डाल सकते हैं, यह निर्भर करता है कि कढ़ाही पर गंदगी कितनी जमी है।

10 से 15 मिनट तक उबालें

इस घोल को धीमी आंच पर गैस पर रखें और लगभग 10 से 15 मिनट तक उबलने दें। जब यह मिश्रण उबलेगा तो कढ़ाही की जमी हुई काली परत धीरे-धीरे ढीली होने लगेगी। इसका मतलब है कि जो गंदगी लंबे समय से जमी हुई थी, उसकी पकड़ कमजोर हो जाएगी। नींबू के रस और बेकिंग सोडा का यह मिश्रण सफाई की ताकत को बढ़ा देता है, जिससे सफाई बहुत आसान हो जाती है।

अब कढ़ाही को साफ करें

जब कढ़ाही का मिश्रण ठंडा होने लगे, तो एक स्पैचुला या लकड़ी के चम्मच की मदद से धीरे-धीरे काली परत को खुरचने की कोशिश करें। इसके बाद कढ़ाही को थोड़ा और ठंडा करें ताकि आप इसे आराम से छू सकें। अब एक स्क्रबर या स्टील वूल लें और कढ़ाही के किनारों और तले पर जहां भी काली परत जमी हो, उसे अच्छे से रगड़ें। आप देखेंगे कि काली परत आसानी से हटने लगेगी और आपकी कढ़ाही बिलकुल नई जैसी चमकने लगेगी।

यह तरीका न केवल आसान है बल्कि घर में उपलब्ध सामान से किया जा सकता है। इससे आप अपनी कढ़ाही की सफाई बिना ज्यादा मेहनत के कर पाएंगे। अगली बार जब भी कढ़ाही पर जमी काली परत परेशान करे तो इस सरल और कारगर नुस्खे को जरूर आजमाएं।

महिला वर्ल्ड कप 2025 जीतने वाली टीम होगी मालामाल, लगभग 300 गुना बढ़ी इनामी राशी

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी ने सोमवार को भारत और श्रीलंका में होने वाले महिला वर्ल्ड कप के लिए इनामी राशि की घोषणा की है। वहीं इस बार खास बात ये है कि, इस राशी में 297 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आईसीसी ने आधिकारिक बयान में आईसीसी ने पुष्टि करते हुए प्रमुख टूर्नामेंट में कुल पुरस्कार राशि .13.88 मिलियन होगी जो कि, भारतीय रुपये में 122 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम होती है। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने ये फैसला लेकर महिला क्रिकेट को अलग मुकाम पर पहुंचा दिया है।

बता दें कि, महिला वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम को 4.48 मिलियन डॉलर्स के इनाम का ऐलान किया गया है जो भारतीय रुपये में लगभग 40 करोड़ रुपये बैठती है। वहीं फाइनल में हारने वाली टीम को 2.24 मिलियन यानी लगभग 20 करोड़ रुपये मिलेंगे।

सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीम को लगभग 10 करोड़ रुपये का इनाम दिया जाएगा। ग्रुप स्टेज में एक मैच जीतने वाली टीम को 34 हजार डॉलर यानी 30.19 लाख रुपये मिलेंगे। इसके अलावा पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाली टीम को 6.16 करोड़ रुपये के इनाम से नवाजा जाएगा।

वहीं सातवें और आठवें नंबर पर रहने वाली टीमों को भी 2.5 करोड़ रुपये मिलेंगे। कोई टीम मैच जीते या नहीं हर टीम को कम से कम 2 करोड़ 50 लाख रुपये मिलेंगे। वही सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि, पुरुष 2023 वनडे वर्ल्ड कप की प्राइज मनी 10 मिलियन डॉलर्स यानी लगभग 88.29 करोड़ रुपये थी।

वहीं आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा कि, ये घोषणा महिला क्रिकेट के सफर में एक निर्णायक मील का पत्थर साबित होगी। जय शाह ने आगे कहा कि, पुरस्कार राशी में चार गुना वृद्धि महिला क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक पल है और इसके दीर्घकालिक विकास के प्रति हमारी स्पष्ट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हमारा संदेश सरल है।

फिटनेस टेस्ट में रोहित-शुभमन समेत इन खिलाड़ियों ने दिखाया दम

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से ही रोहित शर्मा के वनडे क्रिकेट में भविष्य को लेकर अटकलें लगती रही हैं। खासकर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे सीरीज के बाद उनके सफर के खत्म होने की बातें उठती रहीं। वहीं, इस दौरे के लिए चयन से पहले उनकी फिटनेस पर भी सवाल खड़े होते रहे। इन सवालों का जवाब देने के लिए भारतीय वनडे कप्तान रोहित शर्मा बेंगलुरु पहुंचे, जहां उन्होंने फिटनेस टेस्ट दिया। रिपोर्ट्स के अनुसार, रोहित ने बिना किसी परेशानी के यह टेस्ट पास कर लिया है।

कुछ दिनों के ब्रेक के बाद रोहित शर्मा के साथ ही टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल, स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अन्य खिलाड़ी भी बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बेंगलुरु में फिटनेस जांच के लिए मौजूद थे। शनिवार और रविवार को दो दिन तक सभी खिलाड़ियों का फिटनेस टेस्ट आयोजित किया गया। बीसीसीआई ने इस बार खिलाड़ियों की फिटनेस जांच के लिए यो-यो टेस्ट के साथ-साथ ब्रॉन्को टेस्ट भी शामिल किया था। हालांकि, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि सभी खिलाड़ियों का ब्रॉन्को टेस्ट हुआ या नहीं, लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार सभी का यो-यो टेस्ट जरूर हुआ।

रोहित शर्मा ने साबित की अपनी फिटनेस

31 अगस्त रविवार को फिटनेस टेस्ट के दूसरे दिन सभी खिलाड़ियों ने यो-यो टेस्ट दिया, जिसमें कप्तान रोहित शर्मा भी शामिल थे। करीब तीन महीने के क्रिकेट से दूर रहने के बाद भी 'हिटमैन' ने बिना किसी समस्या के फिटनेस टेस्ट पास कर अपनी फिटनेस साबित की। टेस्ट के बाद मुंबई लौटे रोहित के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिसमें वह काफी फिट नजर आए।

प्रसिद्ध कृष्णा ने भी किया प्रभावित

इंग्लैंड दौरे पर बेहतरीन प्रदर्शन कर चुके तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने भी इस फिटनेस टेस्ट में हिस्सा लिया। रिपोर्ट्स के अनुसार, लंबे कद के इस पेसर ने टेस्ट के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया और टीम अधिकारियों को प्रभावित किया। हालांकि उनका स्कोर अभी सामने नहीं आया है। इसके अलावा शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह समेत अन्य खिलाड़ियों ने भी फिटनेस टेस्ट पास किया है। ये सभी खिलाड़ी आगामी एशिया कप टीम का हिस्सा भी हैं।

पूर्व दिग्गज बोले, स्मिथ और मैक्सवेल के विकल्पों की अभी से तलाश करें ऑस्ट्रेलिया

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के कई पूर्व क्रिकेटरों का मानना है कि साल 2027 विश्व कप को देखते हुए टीम को अभी से बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ियों के विकल्प तलाशने होंगे। इसके साथ ही तय रणनीति के अनुसार तैयारियां करनी होंगी। स्मिथ और मैक्सवेल ने चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद ही एकदिवसीय प्रारुप को अलविदा कह दिया था। इन दोनो का विकल्प तलाशना आसान नहीं है क्योंकि स्मिथ लंबी बारी खेलने वाले बेहतरीन बल्लेबाज हैं। वहीं मैक्सवेल गेंद औरा बल्ले दोनो से ही अहम भूमिका निभाते हैं। उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से ही खिलाड़ियों पर नजर रखनी होगी। मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल ओवेन और लांस मौरिस चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से बाहर हैं। ऐसे में किन खिलाड़ियों को स्टीव स्मिथ और ग्लेन मैक्सवेल की जगह मौका दिया जाए। ये सवाल इस सीरीज के अलावा आने वाली सीरीजों में भी ऑस्ट्रेलिया के लिए चिंता का कारण होगा। मार्नस लाबुशेन एकदिवसीय सीरीज खेलेंगे, क्योंकि अनुभवी बल्लेबाज भी टीम में होना चाहिए। हालांकि, वे टेस्ट टीम से बाहर हो चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया को अब उनको कूपर कोनोली, आरोन हार्डी और मैट कुहनेमैन पर भरोसा करना होगा। इनमें से जिस भी खिलाड़ी को इस सीरीज में मौका मिलेगा और वह इन अवसरों का लाभ उठाना चाहेगा और स्मिथ और मैक्सवेल की जगह वह टीम में जगह बनाने की दावेदारी पेश करेगा। वहीं दूसरी ओर अफ्रीका की टीम के लिए बेहतर हालत में है। उसके पास हेनरिक क्लासेन की जगह मध्यक्रम में डेवाल्ड ब्रेविस जैसे बल्लेबाज है, जो टी20 में धाक जमान के बाद वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करेगा।

'इस्तीफा नहीं उन्हें निकाला गया है', साउथ अफ्रीकी दिग्गज एबी डिविलियर्स ने राहुल द्रविड़ को लेकर किया सनसनीखेज खुलासा

स्पोर्ट्स डेस्क। पूर्व भारतीय दिग्गज राहुल द्रविड़ के राजस्थान रॉयल्स के कोच पद से इस्तीफा देने के बाद क्रिकेट जगत में हलचल मची हुई है। राहुल द्रविड़ को पिछले साल ही राजस्थान रॉयल्स ने कोच के रूप में नियुक्त किया था, लेकिन एक सीजन खेलने के बाद ही उन्होंने टीम से अलग होने का फैसला कर लिया। इस मामले में अब साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। डिविलियर्स ने अनुमान जताया है कि राहुल द्रविड़ को टीम से निकाला गया था, इसलिए उन्होंने अचानक अपना कार्यकाल समाप्त किया।

एबी डिविलियर्स का बड़ा बयान

एबी डिविलियर्स ने अपने सोशल मीडिया शो '360 लाइव' पर कहा, 'मुझे लगता है कि यह फैसला टीम के ओनर या मैनेजमेंट का था। उन्होंने राहुल को टीम में एक बड़ी भूमिका की पेशकश की, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया।

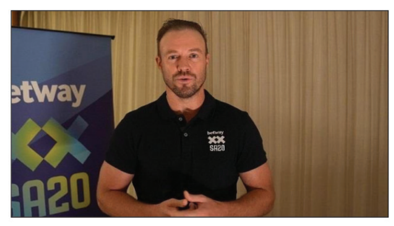

शायद वह परेशान थे क्योंकि वे अभी भी टीम में बने रहना चाहते थे और डगआउट में रहना चाहते थे। यह शायद उनका अपना फैसला हो, लेकिन भविष्य में जब हम उनसे बात करेंगे तो स्पष्टता मिलेगी। राहुल ने टीम में एक बड़ा खालीपन जरूर छोड़ा है।'

अच्छा नहीं रहा था पिछला सीजन

राजस्थान रॉयल्स के लिए पिछला सीजन खराब रहा है। 2008 की आईपीएल विजेता टीम ने पिछले साल सितंबर में राहुल द्रविड़ को कोच के रूप में लाकर टीम के प्रदर्शन को सुधारने की कोशिश की, लेकिन टीम ने 14 लीग मैचों में केवल चार मैच जीते और अंक तालिका में नौवें स्थान पर रही।

फ्रैंचाइजी ने क्या कहा?

राजस्थान रॉयल्स की फ्रैंचाइजी ने राहुल द्रविड़ के इस्तीफे पर बयान जारी करते हुए कहा, 'राहुल कई सालों तक राजस्थान रॉयल्स का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। उनके नेतृत्व में खिलाड़ियों की एक नई पीढ़ी को प्रेरणा मिली है। उन्होंने टीम में मजबूत मूल्यों का निर्माण किया और फ्रैंचाइजी की संस्कृति पर अमिट छाप छोड़ी है। टीम की संरचना की समीक्षा के दौरान राहुल को फ्रैंचाइजी में एक बड़ी भूमिका की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ी और दुनियाभर के लाखों प्रशंसक फ्रैंचाइजी के लिए उनकी उल्लेखनीय सेवा के लिए राहुल को हार्दिक धन्यवाद देते हैं।'

दलीप ट्रॉफी के फाइनल का सीधा प्रसारण होगा : बीसीसीआई

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि दलीप ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले का सीधा प्रसारण होगा। बीसीसीआई का ये बयान प्रशंसकों की आलोचना को देखते हुए आया है। प्रशंसकों ने दलीप ट्रॉफी मैचों का प्रसारण नहीं किये जाने पर निराशा जतायी थी। बीसीसीआई ने कहा है कि 11 से 15 सितंबर के बीच होने वाले दलीप ट्रॉफी का फाइनल टीवी पर प्रसारित किया जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, दलीप ट्रॉफी के फाइनल का सीधा प्रसारण होगा। हमने अपने प्रसारक के साथ 100 दिनों के घरेलू क्रिकेट का सीधा प्रसारण पक्का करने के लिए करार किया है। जिसका मतलब है कि हमारे सभी घरेलू टूर्नामेंटों का सीधा प्रसारण होगा। बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट को अत्यधिक महत्व देता है क्योंकि इन मैचों में लगभग सभी भारतीय खिलाड़ी खेल रहे हैं। दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट में अब तक यश ढुल और अंकित कुमार के शतकों की बदौलत नॉर्थ जोन ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं दूसरे मैच में, दानिश मालेवार के शानदार डेब्यू और रजत पाटीदार व यश राठौड़ के शानदार प्रदर्शन से सेंट्रल जोन ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। दोनों सेमीफाइनल 4 सितंबर को खेले जाएंगे।

बीसीसीआई ने भारतीय टीम के लिए नये प्रायोजक की तलाश शुरु की, 450 करोड़ रुपये रखी प्रायोजन राशि

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने क्रिकेट टीम के लिए नये स्पॉन्सर (प्रायोजक) की तलाश शुरु कर दी है। नए करार के लिए 450 करोड़ रुपये की रकम तय की गयी है। ये ड्रीम11 के साथ हुए 358 करोड़ रुपये के करार से ज्यादा है। ड्रीम11 को ऑनलाइन गेमिंग एप पर प्रतिबंध के बाद प्रायोजन करार से हटना पड़ा था जबकि उसका करार साल 2026 तक था। ऐसे में बीसीसीआई को अचानक ही नये प्रयोजक की तलाश करनी पड़ी है। बीसीसीआई के लिए हालांकि 9 सितंबर से शुरु हो रही एशिया कप से पहले प्रायोजक मिलना संभव नहीं है। एशिया कप 9 सितंबर से ही शुरु हो रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार अब बीसीसीआई की नजर 2025 से 2028 के लिए नए प्रायोजक की तलाश पर है और इस करार की कीमत करीब 450 करोड़ रुपये होगी जो ड्रीम11 की 358 करोड़ रुपये की रकम से कहीं अधिक होगी।

ऋषभ ने साझा की तस्वीर, चोट से उबरने का प्रयास कर रहे

बेंगलुरु । भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत इंग्लैंड दौरे के बाद से ही टीम से बाहर हैं। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में ऋषभ के पैर के अंगूठे में फैक्चर हो गया था। जिससे अब वह उबर रहे हैं। उनका पलास्टर उतर गया है पर उन्हें अभी ठीक होने में समय लगेगा। इसी कारण वह एशिया कप से भी बाहर हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में भी वह शायद ही खेल पाये। अब ऋषभ ने अपनी एक तस्वीर साझा की है। इसमें वह चोट से उबरने का प्रयास कर रहे हैं। प्रशंसक भी उनकी वापसी कब होगी उसको लेकर बेताब हैं। इस क्रिकेटर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की और लिखा, 'इसमें और कितने दिन?' वह उनके पैर पर लगे प्रोटेक्टिव बूट की ओर संकेत कर रहे थे। इस चोट के कारण वह कम से कम छह हफ्तों के लिए खेल से बाहर हो गए हैं। इससे पहले उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की थी ।उन्होंने लीड्स टेस्ट में लगातार दो शतक लगाए जिससे वह टेस्ट में दो शतक लगाने वाले दूसरे विकेटकीपर-बल्लेबाज बन गए। उन्होंने तीन अर्धशतक भी बनाए जिसमें मैनचेस्टर में फैक्चर वाले पैर के साथ खेली 54 रन की पारी भी शामिल थी। इस दौरे पर सात पारियों में उनके नाम 479 रन थे।

हॉकी इंडिया लीग को लेकर बड़ी अपडेट, जनवरी में तीन शहरों में खेलें जाएंगे मुकाबले

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क- हॉकी इंडिया लीग (HIL) का अगला सीजन जनवरी 2026 में आयोजित किया जाएगा, जिसमें इस बार लीग के मैच दो नहीं बल्कि तीन अलग-अलग स्थलों पर खेले जाएंगे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने पुष्टि की है कि पुरुष वर्ग की प्रतियोगिता आठ टीमों के साथ पहले की तरह ही जारी रहेगी, जबकि महिला वर्ग में टीमों की संख्या चार से बढ़ाकर छह तक की जा सकती है। हालांकि, इस बार पुरुषों की गोनासिका टीम और महिला वर्ग की मौजूदा चैंपियन ओडिशा वॉरियर्स निजी कारणों से प्रतियोगिता से बाहर हो गई हैं।

कौन-कौन से वेन्यू हो सकते हैं?

दिलीप टिर्की ने बताया कि इन टीमों की जगह नई टीमों की जल्द घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि महिला वर्ग में कम से कम चार और पुरुष वर्ग में आठ टीमें जरूर रहेंगी। महिला टीमों की संख्या बढ़ाकर छह करने पर विचार जारी है। इस बार लीग के मैच तीन शहरों में खेले जाएंगे, जिनमें दो पुराने शहरों के साथ एक नया शहर भी शामिल होगा। ओडिशा के राउरकेला और भुवनेश्वर में से किसी एक को चुना जाएगा। वहीं, चंडीगढ़ और मोहाली का नाम भी चर्चा में था, लेकिन जनवरी में कोहरे की समस्या को देखते हुए निर्णय फिलहाल टाल दिया गया है।

दिलीप टिर्की ने यह भी जानकारी दी कि पिछली लीग के सभी खिलाड़ियों का बकाया भुगतान कर दिया गया है। खासकर ओडिशा वॉरियर्स टीम की ओर से भुगतान में हुई देरी को हॉकी इंडिया ने सीधे खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि से समायोजित कर दिया है।

कब होगी खिलाड़ियों की नीलामी?

अगले सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी सितंबर के अंत या अक्टूबर के पहले सप्ताह में होगी। इस नीलामी में गोनासिका और ओडिशा वॉरियर्स के साथ-साथ अन्य टीमों द्वारा रिलीज किए गए खिलाड़ी भी शामिल होंगे। टिर्की ने कहा कि भारत अगले साल होने वाले हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों में अपनी सबसे मजबूत टीमों को उतारेगा। उन्होंने बताया कि एशियाई खेल विश्व कप के लगभग तीन सप्ताह बाद होंगे और टीमों की तैयारी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

फिडे रैंकिंग : आर प्रज्ञानंनदा ने हासिल की करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग, कार्लसन टॉप पर काबिज

बेंगलुरु । फिडे की सितंबर 2025 महीने की रैंकिंग जारी हो गई है। इस दौरान भारत के स्टार खिलाड़ी आर प्रज्ञाननंदा ने अपने करियर के सर्वोच्च रैंकिंग हासिल की है। प्रज्ञाननंदा 2785 श्वद्यश्व के साथ चौथे नंबर पर पहुंचकर भारत के सर्वोच्च रेटिंग वाले क्लासिकल खिलाड़ी का खिताब अपने नाम किया है। यह बढ़त सिंकफील्ड कप में उनके दूसरे स्थान पर रहने से और भी बढ़ गई है। इससे पहले अगस्त में उनकी रेटिंग 6 अंक की थी। वहीं इस रैंकिंग में एक बार फिर नॉर्वे के खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन टॉप पर हैं। हालांकि, वो अब चैंपियन नहीं है, लेकिन रेटिंग के हिसाब से अभी भी नंबर 1 क्लासिकल खिलाड़ी हैं। उनके बाद ग्रैंडमास्टर हिकारू नाकामुरा और फैबियानो कारुआना दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं। भारत के अन्य शीर्ष शास्त्रीय खिलाड़ियों में पांचवें स्थान पर अर्जुन एरिगैसी (2771 Elo) और छठे नंबर पर मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश (2767 Elo) शामिल हैं। इसके लावा वैश्विक टॉप 10 में एक उल्लेखनीय नवागंतुक जर्मन के विन्सेंट कीमर हैं, जिन्होंने चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स 2025 में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद तेजी से 21 रेटिंग अंक प्राप्त किए और एलीट क्लब में एंट्री की है। वहीं इस रैंकिंग में एक और बड़ा बदलाव देखने को मिला है जो कि वेस्ली सो का है। जिन्होंने हाल ही में समाप्त हुई सिंकफील्ड कप जीता। वेस्ली अपने दूसरे खिताब की बदौलत दुनिया में सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं।

बुमराह वर्तमान दौर के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज : अकरम

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह वर्तमान समय के एक महान गेंदबाज हैं। अकरम ने कहा कि जिस प्रकार भारतीय टीम प्रबंधन उनके वर्कलोड का ध्यान रख रहा है वह भी सराहनीय बात है। अकरम ने कहा कि बुमराह विश्व-स्तर के गेंदबाज है और इसमें किसी को भी संदेह नहीं होना चाहिये। इस पूर्व गेंदबाज ने कहा, बुमराह का ऐक्शन सबसे अलग है। उनके पास गति है और जिस तरह से प्रबंधन उनका ध्यान रख रहा है वह भी काफी अच्छी बात है। इसका पूरा श्रेय प्रबंधन और इस गेंदबाज की मानसिकता को जाता है। अकरम से जब यह पूछा गया कि क्या बुमराह ऑल-टाइम ग्रेट हैं तब उन्होंने कहा, किसी भी अलग-अलग दौर की तुलना नहीं की जा सकती। वह दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज हैं, मैं बाएं हाथ का गेंदबाज था। मैंने सोशल मीडिया पर कई बार बहस देखी हैं पर उससे न तो बुमराह और न ही मुझे फर्क पड़ता है। वह आधुनिक दौर के महान हैं। मैंने अपने समय में अपना योगदान दिया पर वह बहुत ही प्रभावशाली हैं। क्रिकेट में आए बदलाव को लेकर उन्होंने कहा कि अब गेंदबाजों को विकेट मिलने के अवसर ज्यादा हैं क्योंकि बल्लेबाज हर समय शॉट खेलना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 90 के दशक में टी20 नहीं था। एकदिवसीय में बल्लेबाज खराब गेंदों को छोड़ दिया करते थे पर अब तो टेस्ट में भी अच्छी गेंदों तक पर शॉट लग रहे हैं। इससे गेंदबाजों पर दबाव ज्यादा हो गया है। बुमरहा के पास विकेट लेने के अवसर ज्यादा हैं क्यों बल्लेबाज की नजर हमेशा शॉट पर रहती है। गेंदबाज के तौर पर हम उस आक्रामकता का आनंद लेते हैं। टेस्ट क्रिकेट को कुछ टीमों के लिए 5 दिन के बजाय 4 दिन तक का करने वाले यानी टू-टियर सिस्टम के प्रस्ताव को भी अकरम ने बेकार बताया है।

हरभजन ने थप्पड़ कांड का वीडियो दोबारा जारी करने के लिए ललित मोदी की आलोचना की

नई दिल्ली । पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने आईपीएल 2008 के थप्पड़ कांड का वीडियो दोबारा जारी करने के लिए पूर्व आईपीएल कमिश्नर ललित मोदी की कड़ी आलोचना की है। हरभजन ने उस मैच में नाराज होकर विरोधी टीम के तेज गेंदबाज एस श्रीसंत को एक थप्पड़ लगा दिया है हालांकि उसके बाद से ही हरभजन ने कई बार श्रीसंत से माफी मांग ली थी। साथ ही कहा था कि उस घटना का पछतावा उन्हें हमेशा रहेगा। अब घटना के 17 साल बाद उसी वीडियो को जारी किये जाने से हरभजन नाराज हैं। हरभजन ने कहा है कि जिस बात को लोग भूल गए थे, उसे इतने सालों बाद सार्वजनिक करने की क्या जरूरत थी। उन्होंने कहा कि इसके पीछे पूर्व आईपीएल कमिश्नर को कोई निजी हित छिपा होगा। हरभजन से ब थप्पड़ कांड का वीडियो लीक होने को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा कि लोग भूल गए थे, और अब उन्हें उसकी दोबारा याद दिलाई जा रही है। हरभजन ने कहा कि जिस तरह से वीडियो लीक किया गया है, वो गलत है। यह नहीं होना चाहिए। इसके पीछे ललित का कुछ स्वार्थ होगा। कई साल पहले कुछ हुआ था, लोग उसे भूल गए हैं और वे उसे याद दिला रहे हैं। हरभजन ने आगे कहा, 'जो कुछ भी हुआ उसके लिए मुझे भी बुरा लगता है। हम लोग खेल रहे थे, और सबके मन में कुछ न कुछ चलता रहता है। गलतियां होती हैं और हम उसके लिए शर्मिंदा महसूस करते हैं।' साथ ही कहा, 'वह दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी और मैं कई मौकों पर कह चुका हूं कि मुझसे गलती हुई थी। इंसान गलतियां करता है, मैंने भी की। मैंने भगवान गणेश से प्रार्थना की है कि अगर मैं भविष्य में गलतियां करता हूं तो मुझे क्षमा करें। गलतियां होती हैं।' हरभजन ने अभी हाल ही में आर अश्विन के साथ हुई बात में भी थप्पड़ कांड के लिए माफी मांगी थी। उन्होंने यह भी कहा कि अब उनके श्रीसंत के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं।

रणजी नहीं आईपीएल... भारतीय टेस्ट टीम के चयन को लेकर ये क्या कह गए चेतेश्वर पुजारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में टीम इंडिया के अनुभवी खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा की। पुजारा ने नंबर-3 पर टीम इंडिया को लंबे समय तक सेवाएं दी। इस दौरान वह टीम इंडिया के लिए कई बार संकटमोचन बने। उन्होंने राहुल द्रविड़ के बाद टीम इंडिया के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किया जिस कारण उन्हें टीम इंडिया की दीवार कहा जाने लगा। हालांकि, लंबे समय तक उन्हें टीम इंडिया में मौका नहीं मिला लेकिन नंबर-3 अभी भी अस्थिर है। कई खिलाड़ियों को आजमाया गया है। वह इस नंबर पर अपनी जगह पक्की नहीं कर पाए हैं।

वहीं चेतेश्वर पुजारा ने संन्यास के बाद अपनी दिल की बात कही। इस दौरान उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस के जरिए भारतीय टेस्ट टीम में चयन को लेकर कड़वी सच्चाई उजागर की। पुजारा ने इस दौरान कहा कि, टेस्ट टीम में चयन आईपीएल, टी20 और वनडे क्रिकेट में प्रदर्शन से होता है। रणजी ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने से काफी कम खिलाड़ियों का चयन होता है। जिस कारण नए दौर के खिलाड़ी अटैकिंग क्रिकेट पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।

साथ ही पुजारा ने कहा कि, मुझे लगता है कि ज्यादातर खिलाड़ियों को टेस्ट मैचों के लिए टी20, आईपीएल या वनडे में उनके प्रदर्शन के आधार पर चुना जाता है। बहुत कम खिलाड़ी ऐसे होते हैं जिन्हें रणजी मैचों में उनके प्रदर्शन के आधार पर चुना जाता है। यहां तक कि, गेंदबाज भी सफेद गेंद वाले सर्किट से टेस्ट मैचों में आ रहे हैं। यही कारण है कि मुझे लगता है कि आधुनिक युग के बल्लेबाजों की ताकत आक्रामक क्रिकेट खेलना है। वे जरूरत पड़ने पर गेंद को डिफेंडकरने या छोड़ने की कला सीख रहे हैं।

वहीं टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज ने कहा कि, फिलहाल अभी भी समझदारी भरा क्रिकेट खेला जा रहा है। खिलाड़ी स्थिति का आकलन कर रहे हैं। फिर काउंटर अटैकिंग कर रहे हैं। लेकिन मुझे लगता है कि खेल बेहतर स्ट्राइक रेट के साथ आगे बढ़ेगा। हालांकि, ऐसा तभी हो सकता है जब आप सपाट पिच पर खेल रहे हों। अगर आप चुनौतीपूर्ण पिच पर खेलना शुरू करते हैं तो क्या कोई आक्रामक क्रिकेट खेलना जारी रख सकता है? इस पर पुजारा ने कहा कि, नहीं, इसलिए अगर कोई पारंपरिक टेस्ट खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी से उभरता है तो मुझे अभी भी लगता है कि उसके पास भारत की टेस्ट टीम में योगदान देने का मौका होगा।

राजस्थान में जबरन धर्म परिवर्तन कराने पर उम्रकैद तक की सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान, घर वापसी अपराध नहीं

जयपुर (एजेंसी)। विधानसभा सत्र से पहले रविवार को भजनलाल सरकार की कैबिनेट बैठक में राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म-संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक को संशोधनों के साथ मंजूरी दी गई। नए ड्राफ्ट में जबरन धर्म परिवर्तन कराने पर उम्रकैद तक की सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया है। वहीं, मूल पैतृक धर्म में लौटने को धर्म परिवर्तन की परिभाषा से बाहर रखा गया है। बिल को सोमवार से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में पेश किया जाएगा। कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि अवैध धर्मांतरण में शामिल संस्थाओं का पंजीकरण रद्द होगा, सरकारी ग्रांट बंद होगी और जिस संपत्ति पर धर्मांतरण हुआ है, उसकी जब्ती या ध्वस्तीकरण तक किया जा सकेगा। सबूत का भार उस व्यक्ति पर होगा, जिसने धर्म परिवर्तन करवाया है।

एलओसी पर दिखे घुसपैठिये, जवानों के साथ भीषण गोलीबारी जारी

जम्मू (एजेंसी)। राजौरी से सटे पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी हो रही है। सेना ने सोमवार सुबह पुंछ के बालाकोट सेक्टर में एलओसी पर संदिग्ध गतिविधि का पता लगाया और उसे चुनौती दी, जिसके बाद से गोलीबारी जारी है। मिली जानकारी के मुताबिक सेना के जवानों ने बाड़ के आगे डब्बी इलाके में जीरो लाइन के पास संदिग्ध घुसपैठियों को देखा और गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि संदिग्ध समूह ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। सूत्रों ने बताया कि सेना के जवानों का अभियान जारी है और घुसपैठ की किसी भी कोशिश को रोकने के लिए अतिरिक्त बल भेजा गया है।

युवक की कार रुकवाई गले पर मारी ब्लेड, नकदी व मोबाइल लूट कर भागे

-डॉक्टरों ने घायल को रांची किया रेफर, पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी

मेदिनीनगर (एजेंसी)। पलामू जिले के हैदरनगर के पंसा गांव निवासी विनय कुमार चंद्रवंशी पर लुटेरों ने ब्लेड से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी उसका मोबाइल और नकदी लूट कर फरार हो गए। हालत गंभीर होने पर सोमवार को डॉक्टरों ने घायल को रांची रेफर किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घायल विनय चंद्रवंशी ने बताया कि रविवार रात वह अपने कार से एक रिश्तेदार को मेदिनीनगर स्थित सेवा सदन अस्पताल में भर्ती कराने गया था। अस्पताल में भर्ती करवाकर वह वापस घर लौट रहा था, तभी रेहला थाना क्षेत्र के बी मोड़ के पास तीन अज्ञात लुटेरों ने कार रुकवाई। लुटेरों ने जबरन कार को अपने बताए स्थान पर ले जाने के लिए दबाव बनाया। विनय ने विरोध किया तो उसके हाथ पर ब्लेड से हमला कर दिया। डर और चोट के कारण उसने लुटेरों की बात मान ली। इसके बाद लुटरे उसे कोरियाडीह ले गए। वहां उतरते ही लुटेरों ने उसके गले पर ब्लेड से वार किया और मोबाइल व नकदी छीनकर फरार हो गए। रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार सुबह ग्रामीणों ने देखा कि एक युवक कार के अंदर खून से लथपथ पड़ा है। ग्रामीणों ने उसे बाहर निकाला और थाने जाने की सलाह दी। घायल विनय किसी तरह किशनपुर ओपी पहुंचा और पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा। चिकित्सकों ने हालत गंभीर होते देख उसे रांची रिम्स रेफर कर दिया। घटना के बाद से पुलिस अलर्ट है। किशनपुर ओपी पुलिस ने पूरे मामले की छानबीन शुरू कर दी है और अपराधियों की पहचान की कोशिश की जा रही है।

केरल सीएम ने बाढ़ में फंसे 18 पर्यटकों को बचाने हिमाचल सीएम से किया अनुरोध

कोच्ची(एजेंसी)। केरल के सीएम पिनराई विजयन ने रविवार को हिमाचल प्रदेश के अपने समकक्ष सुखविंदर सिंह सुक्खू से अनुरोध किया कि वह पहाड़ी राज्य में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन में फंसे दक्षिणी राज्य के 18 पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि कोच्चि की एक एजेंसी ने एक टूर का हिस्सा यह समूह हिमाचल प्रदेश के कल्पा में फंसा हुआ है। विजयन ने हिमाचल प्रदेश सरकार से पर्यटकों को बचाने और उनकी सुरक्षित केरल वापसी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया है। आधिकारिक बयान के मुताबिक केरल के अधिकारी इस प्रयास में समन्वय के लिए हिमाचल प्रदेश के अपने समकक्षों के साथ लगातार संपर्क में हैं। सीएम ने फंसे हुए लोगों की सुरक्षा और उनकी सुगम वापसी का भी अनुरोध किया। बयान में कहा गया है कि सीएम विजयन ने प्राकृतिक आपदा से प्रभावित हिमाचल प्रदेश के लोगों के साथ केरल की एकजुटता व्यक्त की। अधिकारियों के मुताबिक यह समूह 25 अगस्त को केरल से मनाली के लिए रवाना हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि पर्यटक केरल के कई हिस्सों से हैं।

मराठा आरक्षण आंदोलन में युवक की हार्टअटैक से मौत, शोक जताने सैकड़ों लोग पहुंचे

मुंबई (एजेंसी)। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मुंबई में आंदोलन कर रहे व्यक्ति की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई, जिसके बाद लातूर जिले में रविवार को सैकड़ों लोग यहां उसके गांव में शोक व्यक्त करने पहुंचे। मृतक प्रदर्शनकारी के शव को मुंबई से उसके गांव लाया गया। टाकलगांव का रहने वाले विजयकुमार चंद्रकांत घोगरे आजाद मैदान में कार्यकर्ता मनोज जरांगे के नेतृत्व में जारी आरक्षण आंदोलन में हिस्सा लेने 40 लोगों के एक समूह के साथ मुंबई गए थे। जानकारी के मुताबिक दक्षिण मुंबई के पायधोनी इलाके में शनिवार को घूमते समय घोगरे को सीने में दर्द हुआ, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों के मुताबिक चिकित्सकों ने घोगरे को मृत घोषित कर दिया।

जब एआई से घपला पकड़ सकता है, तो हलफनामों का क्यों नहीं दे रहा जवाब?

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग को बताया जुगाड़ आयोग

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। बिहार चुनाव से पहले विपक्ष ने सरकार और चुनाव आयोग को वोटों की हेराफेरी के मामले में कटघरे में खड़ा कर दिया है। कांग्रेस समेत इंडिया ब्लॉक की सहयोगी पार्टियां सरकार और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगा रही है लेकिन अभी तक किसी भी आरोप को सिद्ध नहीं कर पाई हैं। अब अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए पूछा है कि जब एआई से घपला पकड़ सकता है, तो सपा के 17,986 हलफनामों का जवाब क्यों नहीं दे रहा है। ये हलफनामे कथित तौर पर मतदाता सूची में हेराफेरी और 'वोट चोरी' से संबंधित हैं, जिस पर आयोग की चुप्पी राजनीतिक गलियारों में बहस का विषय बन गई है।

अखिलेश यादव ने सोमवार को चुनाव आयोग को 'जुगाड़ आयोग' करार देते हुए सवाल उठाया कि वह सपा के 17 हजार से ज्यादा शपथ पत्रों का जवाब क्यों नहीं दे रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए एक्स पर पोस्ट में कहा कि जब 'जुगाड़ आयोग' एआई से सवा करोड़ रुपए का घपला पकड़ सकता है तो फिर हमारे द्वारा दिए गए करीब 18,000 में से केवल 14 हलफनामों का जवाब देने के बाद बचे 17986 हलफनामों का जवाब क्यों नहीं दे रहा है?

इस पोस्ट में अखिलेश ने एक समाचार चैनल का वीडियो साझा किया है जिसमें यह दावा किया गया है कि एआई के ज़रिए पंचायत चुनाव के मद्देनजर सवा करोड़ मतदाता कम किए गए हैं। इसमें यह भी दावा किया गया है कि एआई के जरिए अलग-अलग गांवों में डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान हुई है जिनके नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा पिछले माह एक प्रेसवार्ता में 'वोट चोरी' और अन्य अनियमितताओं के विपक्ष के आरोपों को गलत बताया था। सपा प्रमुख यादव ने एक अन्य संदेश में कहा था कि सपा ने 'वोट चोरी' के संबंध में 18 हजार शपथ पत्र आयोग को दिए थे, लेकिन कार्रवाई शून्य है। बाद में यादव ने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा था बीजेपी, चुनाव आयोग, जिलाधिकारी की तिकड़ी अभी तक हमारे द्वारा दिए गए 18 हजार हलफनामों में से

सिर्फ 14 का ही जवाब दे पाई है। यादव ने एक्स पर सोमवार को एक अन्य पोस्ट में कहा ÷बीजेपी ने जब से विश्वविद्यालयों का 'संगी-साथीकरण' किया है तब से विश्वविद्यालय प्रशासन की भेदकारी व पक्षपाती राजनीति का छात्रों की पढ़ाई और उनके जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

आपदा से हुए नुकसान के आकलन के लिए गृह मंत्रालय ने दल का किया गठन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश पर गृह मंत्रालय ने हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश, बाढ़, अचानक बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन से हुए नुकसान के आकलन के लिए अंतर-मंत्रालयी केन्द्रीय दलों का गठन किया है। ये केन्द्रीय दल मौके पर जाकर स्थिति और राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे राहत कार्यों का आकलन करेंगे।गृह मंत्रालय के अनुसार, केन्द्रीय दल अगले सप्ताह की शुरुआत में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और जम्मू-कश्मीर के बाढ़ या भूस्खलन प्रभावित जिलों का दौरा करेंगे। दरअसल, मौजूदा मानसून सीजन के दौरान भारी से अत्यधिक भारी बारिश, अचानक बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। हिमाचल प्रदेश में पहले ही एक दल और एक बहु-क्षेत्रीय दल दौरा कर चुका है। इन केन्द्रीय दलों का नेतृत्व गृह मंत्रालय/राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त सचिव स्तर के वरिष्ठ अधिकारी करेंगे और इनमें व्यय, कृषि और किसान कल्याण, जल शक्ति, ऊर्जा, सड़क परिवहन और राजमार्ग, ग्रामीण विकास मंत्रालयों/विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। गृह मंत्रालय इन राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारियों के संपर्क में है और आवश्यक लॉजिस्टिक सहायता प्रदान कर रहा है, जिसमें एनडीआरएफ, सेना और वायु सेना के हेलीकॉप्टरों की तैनाती शामिल है, जो खोज और बचाव कार्यों तथा आवश्यक सेवाओं की बहाली में सहायता कर रहे हैं।

सेक्सुअल एजुकेशन को लेकर 12वीं के छात्र ने दायर की याचिका

-सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया। यह नोटिस कक्षा 12 के एक छात्र द्वारा दायर याचिका पर दिया गया। याचिका में स्कूल के पाठ्यक्रम और एनसीईआरटी व एससीईआरटी द्वारा तैयार की जाने वाली पुस्तकों में कंप्रिहेंसिव सेक्सुअल एजुकेशन यानी ट्रांसजेंडर-समावेशी समग्र यौन शिक्षा को शामिल करने के लिए निर्देश देने की मांग की गई है।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बी आर गवई की अगुवाई वाली पीठ ने इस मामले में केंद्र और राज्य सरकारों से जवाब मांगा है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी बनाम भारत संघ और सोसाइटी फॉर एन्लाइटनमेंट एंड वॉलंटरी एक्शन बनाम भारत संघ मामलों में दिए गए बाध्यकारी निर्देशों का अनुपालन न होने का हवाला दिया गया है। इसमें कहा गया है कि एनसीईआरटी और ज्यादातर एससीईआरटी ने अब तक लिंग पहचान, लिंग विविधता और सेक्स एवं जेंडर के बीच अंतर पर कोई संरचित या परीक्षा-आधारित सामग्री शामिल नहीं की है।

याचिका में कहा गया है कि महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब, तमिलनाडु और कर्नाटक में किए गए पाठ्यपुस्तक समीक्षाओं में व्यवस्थित रूप से ऐसे विषयों को नजरअंदाज किया गया है, आंशिक अपवाद केवल केरल में दिखाई दिए। यह संविधान का उल्लंघन है और साथ ही नीति निदेशक तत्वों की भी अनदेखी है। याचिका में ये भी कहा गया है कि यूनेस्को और डब्ल्यूएचओ द्वारा प्रकाशित इंटरनेशनल टेक्निकल गाइडेंस ऑन सेक्सुएलिटी एजुकेशन जो सीएसई के लिए एक फ्रेम प्रदान करता है को सुप्रीम कोर्ट ने 2024 के अपने एक फैसले में समर्थन दिया था। याचिका ने यह भी बताया कि 2019 से एनसीईआरटी ने कई नीतिगत दस्तावेज, प्रशिक्षक गाइड और संसाधन सामग्री विकसित की है, लेकिन इन्हें मुख्य पाठ्यपुस्तकों में शामिल नहीं किया गया है।

बता दें एनसीईआरटी के 7 मई 2025 के आरटीआई उत्तर का हवाला देते हुए कहा गया कि उसने अब तक ट्रांसजेंडर-समावेशी यौन शिक्षा पर कोई शिक्षक ट्रेनिंग आयोजन नहीं किया है।

जो लोगों को अच्छे से मूर्ख बना दे, वह ही सबसे अच्छा नेता

-गडकरी ने कहा- धार्मिक, सामाजिक कार्य और राजनीति अलग-अलग चीजें

नागपुर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में बने रहते हैं। उन्होंने इस बार नेताओं को लेकर कहा कि जो लोगों को सबसे अच्छा मूर्ख बना सकता है, वह ही सबसे अच्छा नेता हो सकता है। नितिन गडकरी ने नागपुर में अखिल भारतीय महानुभाव परिषद में यह बात कही। उन्होंने कहा कि बातें करना आसान है। मैं कोई अधिकारी नहीं हूं, लेकिन मुझे इसका एहसास है, क्योंकि जिस क्षेत्र में मैं काम करता हूं, वहां पूरे मन से सच बोलना मना है। जो लोगों को सबसे अच्छा मूर्ख बना सकता है, वह ही सबसे अच्छा नेता हो सकता है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता में लिखा है कि अंत में सत्य की ही जीत होगी।

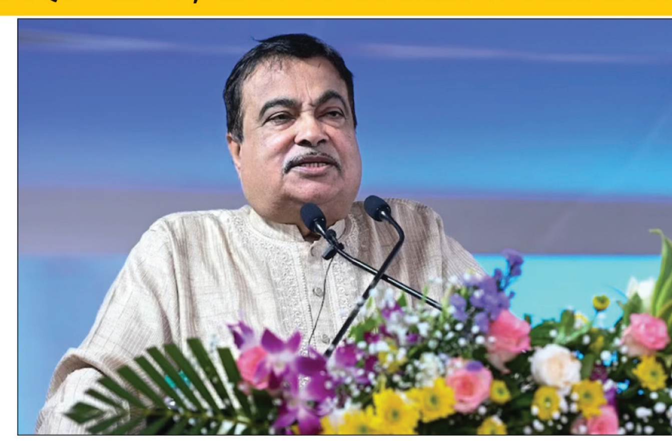

गडकरी ने कहा कि किसी भी चीज को हासिल करने का एक शॉर्टकट होता है। शॉर्टकट के जरिए इंसान तेजी से आगे बढ़ता है। अगर आप नियम तोड़कर सड़क पार करना चाहें, तो हो सकता है कि लाल बत्ती हो या आप उसे पार कर जाएं, लेकिन एक दार्शनिक ने कहा कि शॉर्टकट कट यू शॉर्ट। इसीलिए हमने ईमानदारी, विश्वसनीयता, समर्पण, सच्चाई जैसे मूल्य दिए हैं। उन्होंने कहा कि समाज में इन सबका अपना महत्व है।

उन्होंने कहा कि पंथ और संप्रदायों को मंत्रियों से दूर रखना चाहिए। धार्मिक कार्य, सामाजिक कार्य और राजनीति अलग-अलग चीजें हैं। अगर धर्म को सत्ता सौंप दी जाए, तो उसे नुकसान होगा। मंत्री जहां भी जाते हैं, वहां आग लगाने से खुद को नहीं रोक पाते। वह दो महंतों के बीच झगड़ा कराते हैं, फिर गद्दी के लिए संघर्ष होता है। फिर सरकार निलंबित करती है, एक समिति नियुक्त करती है और फिर दोनों सरकार में आ जाते हैं, गडकरी ने धर्म और राजनीति को दूर रखने की सलाह दी।

गडकरी बीजेपी में अपनी बेबाकी के लिए जाने जाते हैं। वह जनता को अपनी बात साफ और सीधे शब्दों में कहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं काम करूँगा। अगर आप मुझे पसंद करते हैं, तो मुझे वोट दें, अगर नहीं, तो मत दें।

नेपाली मूल की बहुओं समेत बिहार में 3 लाख मतदाताओं को नोटिस भेजा

किशनगंज (एजेंसी) नेपाल से शादी कर भारत आईं कई महिलाएं यहां समाज का हिस्सा बन चुकी हैं। लेकिन, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत इनकी नागरिकता पर सवाल उठ रहे हैं। निर्वाचन आयोग ने बिहार में करीब 3 लाख मतदाताओं को नोटिस भेजा है जिसमें किशनगंज की नेपाली मूल की बहुएं भी शामिल हैं। इन महिलाओं को अपने मतदाता पहचान पत्र के लिए दस्तावेज साबित करने को कहा गया है। किशनगंज में नेपाल से शादी कर आई महिलाओं को मतदाता सूची से हटाने की कार्रवाई ने हड़कंप मचा दिया है। निर्वाचन आयोग की सख्ती ने ऐसे नागरिकों की चिंता और परेशानी बढ़ा दी है।

दरअसल, बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) ने मतदाता सूची में विसंगतियों को पकड़ा है। किशनगंज जैसे सीमावर्ती जिलों में नेपाल से शादी कर आई महिलाएं रहती हैं, लेकिन अब यह मुद्दा गंभीर हो गया है। इन महिलाओं के पास सभी वैध दस्तावेज होने के बावजूद पुराने रिकॉर्ड, जैसे- माता-पिता के 2003 के मतदाता सूची प्रमाण की कमी के कारण उन्हें सूची से हटाने की कार्रवाई हो रही है। निर्वाचन आयोग ने सात दिनों के भीतर दस्तावेज जमा करने का निर्देश दिया है। नेपाल के पाठामारी की रहने वाली मुनिया की शादी 2011 में भातगांव के वार्ड नंबर 08 के बेचना मांझी से हुई थी। उनके पास आधार कार्ड, राशन कार्ड, बैंक खाता और निवास प्रमाण पत्र जैसे सभी भारतीय दस्तावेज हैं। लेकिन निर्वाचन आयोग उनकी मां के दस्तावेज मांग रहा है। ठाकुरगंज प्रखंड के भातगांव पंचायत की मुनिया देवी को बीएलओ अमरनाथ नायक ने नोटिस थमाया है। मुनिया बताती हैं कि उनकी मां पिछले 8 साल से भारत में रह रही हैं और उनके पास आधार कार्ड भी है, लेकिन 2003 की मतदाता सूची में उनका नाम नहीं है। किशनगंज के सीमांचल क्षेत्र में मुस्लिम आबादी और भारत-नेपाल के वैवाहिक रिश्ते प्रचलित हैं। इनके बीच इस कार्रवाई से बेचैनी बढ़ गई है। पूर्व मुखिया अब्दुल मन्नान का कहना है कि गरीबी और बाढ़ के कारण कई लोगों के पास पुराने दस्तावेज नहीं हैं। एआईएमआईएम जैसे दल इसे अल्पसंख्यक समुदायों पर निशाना मानते हैं, जबकि बीजेपी अवैध घुसपैठ का आरोप लगाती है। बता दें कि दस्तावेज जमा करने की अंतिम तारीख 1 सितंबर 2025 थी और अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित होगी।

राहुल के हाइड्रोजन बम पर रविशंकर प्रसाद का पलटवार, बताया 'फुस्स पटाखा', पूछा- हलफनामे से क्यों भागते हैं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा वोट चोरी के अपने आरोपों को दोहराए जाने और भाजपा को एक और हाइड्रोजन बम की चेतावनी दिए जाने के बाद सत्तारूढ़ पार्टी ने सोमवार को उन्हें गैरजिम्मेदार और समझने में कठिन कहा। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने प्रसन्नतापूर्वक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जब भी मैं राहुल गांधी को बोलते हुए सुनता हूं, चाहे संसद के अंदर हो या बाहर, मुझे कई प्रकार के एंटीना लगाने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि आज राहुल गांधी ने कहा कि मैंने एटम बम फोड़ा है, अब हाइड्रोजन बम फोड़ूंगा। उन्होंने कहा कि चुनाव में मतगणना को लेकर कर्नाटक में जो उनका एटम बम था वो तो फुस्स हो गया, वो दिवाली का एक छोटा पटाखा भी नहीं निकला, और वो हाइड्रोजन बम फोड़ने की बात कर रहे हैं। अभी तक तो दुनिया में भी हाइड्रोजन बम नहीं फूटा है।

कांग्रेस नेता पर निशाना साधते हुए प्रसाद ने कहा कि एक बार उन्होंने (राहुल गांधी) कहा था कि 5-6 साल में व्यक्ति युवा हो जाता है। दूसरी बात उन्होंने कही, तपस्या करने से गर्मी होती है।

इसलिए एटम बम और हाइड्रोजन बम का चुनाव से क्या संबंध है, इसके लिए मुझे जानकारी प्राप्त करनी पड़ेगी। राहुल गांधी जी... इतना अपने आप को हल्का क्यों बना रहे हैं, आप विपक्ष के नेता के पद पर हैं, इसकी गरिमा होती है। भाजपा सांसद ने कहा कि राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर कई सवाल उठाए हैं, लेकिन हलफनामे के मुद्दे पर वह चुप क्यों हैं?

उन्होंने कहा कि मैं तीन सवाल उठाना चाहता हूँ जिनका जवाब राहुल गांधी को देना चाहिए- 1.21 लाख लोग मर चुके हैं। क्या उन्हें अब भी मतदाता सूची में रहना चाहिए? 2.35 लाख लोग अब अपने पंजीकृत पते पर नहीं रहते। क्या उनके नाम बने रहना चाहिए? 3.7 लाख नाम दो अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में हैं। क्या उन्हें दो बार मतदान करने की अनुमति दी जानी चाहिए? इसके साथ ही उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने स्पष्ट रूप से कहा है कि आपत्तियाँ हलफनामों के माध्यम से दर्ज की जानी चाहिए। राहुल गांधी इससे क्यों भाग रहे हैं? क्योंकि उन्हें पता है कि हलफनामे में झूठ बोलने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि पहले बिहार में जब चुनाव होता था तो कितनी बूथ कैप्चरिंग होती थी, बूथ तक लूट लिया जाता था। लेकिन आज बूथ कैप्चरिंग खत्म हो गई है। मैं चुनाव आयोग का धन्यवाद करता हूं। आज ईवीएम में जाइए, बटन दबाइए और रिजल्ट सामने आता है। आज जो अखिलेश और तेजस्वी यादव कहते हैं कि बैलेट पेपर लाओ... क्योंकि इनके दिल में दर्द है कि ये लोग बूथ कैप्चरिंग नहीं कर पा रहे हैं। आज ये लोग जो चुनाव आयोग और वोटर लिस्ट पर घमासान कर रहे हैं इसके बीच में दो मूल बिंदु हैं। हमें बूथ कैप्चर करने का अधिकार दो और घुसपैठियों को नहीं निकालो।

महिषी विधानसभा सीट पर माकपा ने ठोंका दावा... तेजस्वी के माथे पर चिंता की लकीर

सहरसा (एजेंसी)। महिषी बस एक गांव का नहीं है। यह अपने सांस्कृतिक, धार्मिक और साहित्यिक विरासत के लिए जितनी जाती है उतनी ही महिषी विधानसभा सीट अपनी राजनीतिक सुचिता के लिए मशहूर है। इस सीट पर प्रखर समाजवादी नेता परमेश्वर कुमार और कांग्रेसी दिग्गज लहटन चौधरी चुनाव लड़ते रहे हैं। राजनीतिक प्रतिद्वंदी होकर भी इनकी राजनीतिक सुचिता की कई कहानी आज भी इलाके के लोग सुनाते हैं। महिषी ऐसा है जिसके नाम से विधानसभा क्षेत्र है और खुद महिषी गांव इस विधानसभा क्षेत्र के बजाय सिमरीबख्तियारपुर विधानसभा का हिस्सा है।

बहरहाल विधानसभा चुनाव आते ही पार्टियों के बीच सीटों को लेकर खींचतान शुरू हो गई है। महिषी विधानसभा सीट पर अब माकपा ने अपना दावा ठोक राजद को परेशानी में डल दिया है।

हाल ही में सहरसा पहुंचे माकपा पोलित ब्यूरो के सदस्य सह अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोक ढ़ाबले ने महिषी सीट पर अपना दावा ठोक दिया। इसके बाद राजद के संभावित उम्मीदवारों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बीते 2020 के विधानसभा चुनाव में यहां से महागठबंधन से राजद की टिकट पर गौतम कृष्ण उम्मीदवार थे। जदयू के गुंजेश्वर साह ने उन्हें नजदीकी मुकाबले में पटखनी दी थी। दूसरी ओर सीट पर फिलहाल एनडीए गठबंधन में जदयू का कब्जा है। यहां ध्यान रहे कि 2015 के चुनाव में एनडीए की ओर से रालोसपा के खाते में यह सीट गई थी, जबकि महागठबंधन में जदयू ने सीट पर अपना दावा छोड़ा था और यहां से राजद के अब्दुल गफूर ने बाजी मारी थी। 2020 के चुनाव में अब्दुल गफूर के पुत्र अब्दुल रज्जाक लोजपा की टिकट पर चुनावी मैदान में उतरे थे और 22 हजार से अधिक मत प्राप्त किया था। इसके बाद इस सीट पर माकपा की नई दावेदारी से एक नई संभावना ने जन्म ले लिया है।

आसमान में दुनिया को ताकत दिखाएगा देसी 'राफेल', ब्रह्मोस मिसाइल से होगा लैस

-एचएएल भारतीय वायुसेना को जल्द सौंपेगी दो तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश-दुनिया के बदलते हालात को देखते हुए आर्म्ड फोर्सेज को और सशक्त बनाने की कोशिशें जारी हैं। मिसाइल, ड्रोन, फाइटर जेट के साथ ही स्वदेशी तकनीक से एयर डिफेंस सिस्टम डेवलप किया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने भारत की सैन्य ताकत देखी। ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल से लेकर आकाश मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने अपनी ताकत दिखाई। भारत डिफेंस सेक्टर में नए सिरे से मील का पत?थर रखने की दहलीज पर खड़ा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी एचएएल तमाम तरह की लेट लतीफी के बाद सितंबर में दो तेजस मार्क-1ए फाइटर जेट की डिलीवरी कर सकता है। यह देसी 'राफेल' ब्रह्मोस मिसाइल से लैस होगा। बता दें सरकार ने एचएएल को तेजस फाइटर जेट के लिए कुल मिलाकर 1.15 लाख करोड़ रुपए का ठेका दिया है। देश में स्वदेशी रक्षा उत्पादन को नई गति मिलने जा रही है। रक्षा सचिव आरके सिंह ने कहा कि एयरोस्पेस कंपनी हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) अगले महीने भारतीय वायुसेना को दो तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान सौंपेगी।

उन्होंने बताया कि सरकार दो विमानों की डिलीवरी के बाद 97 अतिरिक्त तेजस लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए एचएएल के साथ एक और अनुबंध करने जा रही है। उन्होंने कहा कि संभावना है कि सितंबर के अंत तक दो तेजस विमान वेपन इंटीग्रेशन के साथ एयरफोर्स को मिल जाएंगे। बता दें मौजूदा समय में इंडियन एयरफोर्स के पास 38 तेजस लड़ाकू विमान सेवा में हैं, जबकि 80 से ज्यादा का काम जारी है। फरवरी 2021 में रक्षा मंत्रालय ने 83 तेजस एमके-1ए विमानों की खरीद के लिए एचएएल के साथ 48 हजार करोड़ का करार किया था। हालांकि इन विमानों की डिलीवरी में देरी हो रही है, क्योंकि अमेरिकी रक्षा कंपनी जीई एयरोस्पेस ने इंजन सप्लाई के कई डेडलाइन को चूक दिया है। पिछले सप्ताह केंद्र सरकार ने करीब 67 हजार करोड़ रुपए की लागत से 97 अतिरिक्त तेजस विमानों की खरीद को मंजूरी दी थी। इस पर रक्षा सचिव ने कहा कि एचएएल को साफ कर दिया है कि यह करार तभी साइन होगा जब एचएएल दो तेजस विमानों को संपूर्ण पैकेज के साथ सौंप देगा।

डिफेंस सेक्रेट्री ने भरोसा जताया कि आने वाले सालों में तेजस भारतीय वायुसेना की रीढ़ बनेगा। उन्होंने कहा कि एचएएल के पास अब चार से पांच साल का ऑर्डर बुक रहेगा। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि वे इस प्लेटफॉर्म को परफेक्ट करेंगे, इसमें रडार और भारतीय हथियारों का एकीकरण करेंगे ताकि यह सुखोई के

साथ मिलकर वायुसेना का मुख्य आधार बन सके। रक्षा सचिव ने कहा कि वर्तमान में स्क्वाड्रन की संख्या 31 है, जबकि अधिकृत ताकत 42 स्क्वाड्रन की है। इसको पाटने के लिए हमें अन्य विकल्प भी तलाशने होंगे। तेजस एक सिंगल-इंजन, मल्टी-रोल फाइटर जेट है, जिसे वायु रक्षा, समुद्री टोही और स्ट्राइक मिशनों के लिए डिजाइन किया गया है। इसे वायुसेना के पुराने हो चुके मिग-21 विमानों की जगह लेने के लिए विकसित किया गया है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902